www.tamsasanket.com
वर्षः 29 || अंक 218 || अम्बेडकरनगर
शनिवार
31 अक्टूबर 2026 || पृष्ठः 08 || मूल्यः ₹2
आज़ादी का अमृत महोत्सव

दैनिक तमसा संकेत

https://epaper.tamsasanket.com
अम्बेडकर नगर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित

» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 06:14
सूर्यास्तः 05:25
अधिकतमः 23°00
न्यूनतमः 21°00

पेज 07

विशेष समाचार
सरदार पटेलः नये भारत के ... >>पेज 04
रिक्शा-चालक के बेटे ने चार ... >>पेज 06
श्रद्धा कपूर की फिल्म 'ईठा' का...

योगी के ही चेहरे पर बीजेपी लड़ेगी 2027 विधानसभा चुनाव, यूपी प्रभारी बोले- शाह ने बार-बार तारीफ की

यूपी में बीजेपी अंगद का पैर कोई हिला नहीं सकता : शाह

स्वागत

हेमन्त कृष्ण

तमसा संकेत, लखनऊ । गृहमंत्री अमित शाह शुक्रवार को लखनऊ में हैं। उन्होंने यूपी भाजपा की कार्यसमिति की बैठक में कार्यकर्ताओं से कहा- यूपी में बीजेपी अंगद का पैर है। उसे कोई नहीं हिला सकता है। आप कमर कस लो, अर्जुन की तरह मछली की आंख पर नजर रखो। हमें फिर से सरकार बनानी है।

शाह ने बीजेपी कार्यकर्ता को पार्टी का मालिक बताया। कहा कि यूपी में तीसरी बार बीजेपी की सरकार बनी तो यहां भी UCC लागू करेंगे। आप सभी नाराजगी और मनमुटाव को गोमती नदी में छोड़कर जाएं। चुनाव में बार-बार मुलाकात होगी। हिसाब पूछूंगा। बही खाता अच्छा रहना चाहिए।

उन्होंने कहा- राहुल बाबा की निरर्थक बकवास का जवाब यूपी में 2027 में बीजेपी की सरकार बनाकर देना है। इससे पहले, करीब 9 महीने बाद लखनऊ पहुंचे शाह का सीएम योगी और दोनों डिप्टी सीएम ने स्वागत किया। बैठक में योगी और शाह अगल-बगल बैठे। यूपी प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी और यूपी भाजपा प्रभारी विनोद तावड़े भी मौजूद रहे।

>> (शेष पेज 06 पर)

पहली बार है जब पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह परिवार के तीन सदस्य प्रदेश कार्यसमिति के सदस्य हैं। बृजभूषण, उनके बेटे प्रतीक भूषण और करण भूषण प्रदेश कार्यसमिति के सदस्य हैं। बृजभूषण कार्यसमिति में नहीं आए, लेकिन उनके विधायक और सांसद बेटे कार्यसमिति में आए हैं।

2027 में भाजपा को मिलेगा अभूतपूर्व जनादेश : केशव मौर्य

उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद ने भाजपा की प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में राजनीतिक प्रस्ताव पेश किया। उन्होंने कहा कि 2022 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में भाजपा की सरकार बनी थी। अब 2027 में भी जनता भाजपा को अभूतपूर्व जनादेश देने जा रही है। राजनीतिक प्रस्ताव में केशव मौर्य ने भाजपा सरकार और संगठन की उपलब्धियां गिनाईं। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के पिछले 75 वर्षों का चुनावी इतिहास बताता है कि राजनीतिक समीकरण लंबे समय तक केवल वर्चस्व के आधार पर कायम नहीं रहते, बल्कि आम जनता के दिलों में जगह बनाने से बनते हैं।

भूटान में ग्लेशियर झील फटी, हाईवे-सड़कें उखड़ीं

थिम्पू/कोलकाता । भूटान में गुरुवार देर रात शिंताफू ग्लेशियर झील फटने से भारी तबाही हुई। पानी के तेज बहाव में यहां का मशहूर गर्म पानी का कुंड 'गासा त्साचु' पूरी तरह बह गया। पुनाखा-गासा हाईवे का एक हिस्सा भी टूट गया, जिससे वहां ट्रैफिक बंद करना पड़ा। हालांकि, अब तक किसी की मौत की खबर नहीं है। झील से निकले पानी के कारण संकोश नदी का जलस्तर बढ़ गया है। यह नदी भूटान से निकलकर असम और पश्चिम बंगाल की सीमा वाले इलाकों से गुजरती है और आगे ब्रह्मपुत्र में मिल जाती है। इसे देखते हुए दोनों राज्यों में अलर्ट जारी किया गया है। पश्चिम बंगाल के अलीपुरद्वार में प्रशासन ने 12 हजार से ज्यादा लोगों को सुरक्षित स्थानों और राहत शिविरों में पहुंचाया है। रातभर सायरन बजाकर लोगों को सतर्क किया गया और जल्द से जल्द घर छोड़ने को कहा गया।

95 साल बाद जनगणना में पूछी जाएगी जाति

यूपी-पंजाब समेत 5 चुनावी राज्यों में फिलहाल नहीं

निर्णय

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली । देश में जनगणना का दूसरा फेज 25 जनवरी 2027 से शुरू होगा, जो 28 फरवरी तक चलेगा। इस बार 40 सवाल पूछे जाएंगे। जनगणना का घरों की गिनती का पहला फेज जून 2026 में पूरा हो चुका है। बड़ी बात ये कि 95 साल बाद यानी 1931 के बाद पहली बार देश में जाति की गिनती हो रही है। 5 राज्यों मणिपुर, गोवा, उत्तर प्रदेश, पंजाब और उत्तराखंड को छोड़कर पूरे देश में जनगणना होगी। इन राज्यों में 2027 की शुरुआत में विधानसभा चुनाव हो सकते हैं। बर्फबारी वाले क्षेत्रों- लद्दाख, जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश में भी जनगणना नहीं होगी।

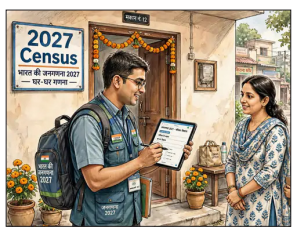

■ जनगणना के लिए 11,718 करोड़ का बजट मंजूर

सरकार की अधिसूचना के मुताबिक 10 से 24 जनवरी 2027 तक आप खुद पोर्टल पर डेटा भर सकते हैं। ये भारत की पहली डिजिटल जनगणना है।

>> (शेष पेज 06 पर)

शाह बोले- परिश्रम की पराकाष्ठा कर 2027 में सरकार बनाएं

अमित शाह ने कहा- सरकार के सारे काम एक ओर हैं, फिर भी कार्यकर्ता का पराक्रम सबसे बड़ा है। सबसे अधिक कार्यकर्ता का समायोजन यूपी में हुआ है। अखिलेश के आने के बाद एक भी चुनाव सपा नहीं जीती। राहुल के आने के बाद कांग्रेस की सरकार नहीं बनी। कार्यकर्ता विधानसभा चुनाव को अपना चुनाव बनाएं। परिश्रम की पराकाष्ठा कर 2027 में सरकार बनाएं।

धर्मपाल सिंह बोले- यूपी में 20 हजार फोकस बूथ चिह्नित

भाजपा के प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह ने कहा- प्रदेश में 20 हजार फोकस बूथ चिह्नित किए गए हैं। इन बूथों पर भाजपा 2022 के विधानसभा चुनाव में जीती थी, लेकिन 2024 के लोकसभा चुनाव में हार गई थी। ये बूथ करीब 100 विधानसभा क्षेत्रों में हैं। पार्टी ने इन पर 100 से 200 वोट बढ़ाने का लक्ष्य रखा है। उन्होंने कहा कि 5 नवंबर के बाद भाजपा का ज्वाइनिंग अभियान शुरू होगा। पदाधिकारी अपने क्षेत्रों में पार्टी में शामिल होने के इच्छुक और प्रभावशाली लोगों की सूची तैयार कर ज्वाइनिंग कमेटी को भेजें। उन्होंने बताया कि आने वाले दिनों में गृह मंत्री अमित शाह, पार्टी अध्यक्ष नितिन नबीन और सीएम योगी आदित्यनाथ के प्रदेश में प्रवास होंगे।

अमित शाह ने कहा- राहुल बाबा की निरर्थक बकवास का जवाब 2027 में बीजेपी की सरकार देगी। सभी नाराजगी को गोमती में डालकर जाएं। बीजेपी की सरकार को अंगद का पैर बनाए रखना है। चुनाव में बार-बार मिलूंगा हिसाब भी पूछूंगा। याद रखना बही खाता अच्छा रहना चाहिए।

■ लखनऊ एयरपोर्ट पर जब शाह पहुंचे तो हल्की बारिश हो रही थी। योगी, पंकज चौधरी, केशव मौर्य और ब्रजेश पाठक ने उनका वेलकम किया।

फ्रेंच नेवी के राफेल की आईएनएस विक्रांत पर पहली लैंडिंग पहली कोशिश में उतरा

नौसेना में शामिल करने के लिए ट्रायल सक्सेसफुल

तमसा संकेत, एजेंसी

पणजी । राफेल मरीन (राफेल-M) फाइटर जेट ने 29 अक्टूबर को INS विक्रांत पर पहली कोशिश में सफल लैंडिंग की। INS विक्रांत भारतीय नौसेना का स्वदेशी एयरक्राफ्ट कैरियर है।

जंगी जहाज से फाइटर प्लेन उड़ाने की दो तकनीकें होती हैं, CATOBAR और STOBAR टेक्नीक। CATOBAR टेक्नीक- इसमें विमान को उड़ान भरने के लिए कैटापल्ट यानी एक शक्तिशाली लॉन्च सिस्टम की मदद मिलती है। यह विमान को कम दूरी में जरूरी गति हासिल करने में मदद करता है। फ्रांस का चार्ल्स डी गॉल जंगी जहाज इसी तकनीक का इस्तेमाल करता है।

STOBAR टेक्नीक- इसमें कैटापल्ट नहीं होता। फाइटर प्लेन, जहाज में बने ऊपर उठे हुए ढलानदार रैंप यानी स्की-जंप से उड़ान भरता है। >> (शेष 06 पर)

> यह राफेल मरीन फ्रेंच नेवी का लड़ाकू विमान है। इसे फ्रेंच पायलट उड़ा रहे थे। इन ट्रायल्स से भारतीय नौसेना में राफेल मरीन विमान को ऑपरेशनल बनाने की प्रक्रिया शुरू होगी। भारत को अभी तक राफेल मरीन मिला नहीं है।

राफेल-एम का ये ट्रायल क्यों अहम है

समुद्र में जंगी जहाज से लड़ाकू विमान उड़ाना और उसकी जहाज पर लैंडिंग, सामान्य विमान उड़ाने के मुकाबले बहुत अलग है। राफेल मरीन के मामले में असली चुनौती यही थी कि फ्रांस के लिए तैयार इस विमान को भारतीय जंगी जहाज की तकनीक के अनुकूल बनाया जा सकता है या नहीं।

शाह बोले- अखिलेश ने गरीब का हक मारकर परिवार को दिया

अमित शाह ने कहा- नरेंद्र मोदी ने फंड देने में कोई कमी नहीं की और योगी ने उसे जमीन पर उतारने मे कमी नहीं की। लेकिन, जनता को यह बताना होगा। अखिलेश जी आपने और आपके पिता की सरकार ने क्या किया, गरीब का हक मारकर अपने परिवार और कार्यकर्ता को दिया। यूपी सरकार ने लाभार्थी ने चुन-चुन कर लाभ दिया है। केंद्र सरकार की योजनाओं का सबसे अच्छा क्रियान्वयन यूपी में हुआ है। अमित शाह ने कहा- यूपी में तीसरी बार सरकार बनी तो यूसीसी लागू करेंगे। हमने अनुच्छेद 370 समाप्त किया, एक कंकड़ भी नहीं चला। >> (शेष पेज 06 पर)

फास्ट न्यूज

एआई-डीपफेक पर कानून चुप हो तो संविधान हमें रास्ता दिखाए

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि कानून में जवाब न हो, तो संविधान अदालतों का मार्गदर्शन करे। अदालतों के सामने AI से बने काम के कॉपीराइट और डीपफेक्स जैसे नए सवाल हैं।

कार्यक्रम कटाक्ष

'आलू से सोना' पर मोदी का तंज कहा- बनासकांठा का आलू विश्व प्रसिद्ध

बनासकांठा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को गुजरात के बनासकांठा में कहा कि यहां का आलू दुनियाभर में मशहूर है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा,बनासकांठा में आकर कोई नहीं कहता कि आलू से सोना बनाएंगे, क्योंकि यहां के लोग पहले ही आलू से सोना बना रहे हैं। मोदी की सभा में किसानों के बैठने के लिए कुर्सियों की जगह चारपाइयां बिछाई गई थीं। इस पर उन्होंने कहा कि देश के लोगों के लिए यह अजूबा होगा कि एक सभा में सभी लोग चारपाई पर बैठे हैं। बनासकांठा के लोगों ने गांवों की इस पुरानी परंपरा को जिंदा रखा है। अगर गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड वालों को बुलाया होता तो यह रिकॉर्ड में दर्ज हो जाता।

इंडियन नेवी को मिलेंगे 8 नए कॉर्वेट जंगी जहाज

नई दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता वाली कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी ने इंडियन नेवी के लिए 8 नए कॉर्वेट युद्धपोत बनाने की मंजूरी दी है। इस परियोजना पर 40 हजार करोड़ से ज्यादा खर्च किए जाएंगे। इन युद्धपोतों में 70% से ज्यादा सामान भारत में बनाया जाएगा।

ज्ञानेश कुमार के खिलाफ महाभियोग कार्यक्रम आज

राहुल गांधी बोले- यह संविधान बचाने की लड़ाई

कार्यक्रम

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली । दिल्ली में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के आवास पर आज होने वाला 'सड़क पर संसद' कार्यक्रम शनिवार को होगा। राहुल गांधी ने यह जानकारी शुक्रवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में दी।

राहुल ने कहा, 'हमने आज का कार्यक्रम बारिश के कारण कल करने का फैसला किया है। उसके बाद अगले दिन हम रामलीला मैदान पर मार्च करेंगे। हमने इसमें राजनीतिक, छात्र संगठनों और सभी लोगों से आने की अपील है।'

■ सपा ने कहा- एमएलसी चुनाव भाजपा ने बेईमानी से जीता

'सड़क पर संसद' कार्यक्रम में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ महाभियोग लाया जाएगा। पब्लिक महाभियोग में जनता या राजनीतिक दल किसी संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति के खिलाफ विरोध जताते हैं।

>> (शेष पेज 06 पर)

अखिलेश गुस्से में बोले- दरकिनार करो ऐलान किया- 2027 में महिलाओं को भाजपा से ज्यादा टिकट देंगे

स्वामी प्रसाद हमारे गठबंधन में नहीं : अखिलेश

ऐलान

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। सपा मुखिया अखिलेश यादव ने शुक्रवार को कहा- स्वामी प्रसाद मौर्य हमारे गठबंधन में शामिल नहीं हैं। लखनऊ में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान जब मौर्य के इंडिया गठबंधन में शामिल होने से जुड़ा सवाल किया गया तो अखिलेश भड़क गए। गुस्से में बोले कि हमारी सीटों में शामिल नहीं हो सकते। अवॉइड करो। इग्नोर करो। चुप रहो। 2027 के चुनाव में महिला आरक्षण पर अखिलेश ने बड़ा ऐलान करते हुए कहा- भाजपा से ज्यादा महिलाओं को टिकट देंगे। MLC चुनाव नतीजों पर कहा कि नतीजों ने आईना दिखा दिया है।

>> (शेष पेज 06 पर)

महिला शिक्षकों ने भाजपा के खिलाफ एकजुट होकर मतदान किया

अखिलेश यादव ने कहा- बनारस और आसपास के क्षेत्रों के पढ़े-लिखे मतदाताओं ने इस बार 'डबल इंजन' की सरकार को 'डबल जीरो' थमा दिया। संसद में महिला आरक्षण बिल पास होने का जिक्र करते हुए उन्होंने केंद्र सरकार पर निशाना साधा। पूछा कि बिल पास होने के बावजूद इसे अब तक लागू नहीं किया गया। इसलिए महिला शिक्षकों और आधी आबादी ने इस चुनाव में भाजपा के खिलाफ एकजुट होकर मतदान किया है।

2024 में सपा छोड़कर अपनी पार्टी बनाई

13 फरवरी 2024 को राष्ट्रीय महासचिव पद से इस्तीफा देने के बाद उन्होंने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव से बातचीत की कोशिश की, लेकिन कोई सार्थक पहल न होने से उनकी नाराजगी बढ़ गई। 20 फरवरी 2024 को उन्होंने सपा की प्राथमिक सदस्यता, राष्ट्रीय महासचिव पद और विधान परिषद (MLC) की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। 2 दिन बाद, 22 फरवरी 2024 को अपनी अलग पार्टी 'राष्ट्रीय शोषित समाज पार्टी' बना ली।

■ अखिलेश ने कहा- MLC चुनावों में जनता ने सच्चाई को वोट दिया है।

दिल्ली में राहुल गांधी से मिलकर इंडी गठबंधन में शामिल हुए थे मौर्य

पूर्व मंत्री और अपनी जनता पार्टी के अध्यक्ष स्वामी प्रसाद मौर्य ने 3 अक्टूबर को कांग्रेस सांसद राहुल गांधी से मुलाकात की थी। स्वामी ने INDIA गठबंधन में शामिल होने का ऐलान किया था। कहा था कि हम कितनी सीटों पर चुनाव लड़ेंगे, इस बारे में बाद में चर्चा की जाएगी। हम चाहते हैं कि राहुल गांधी देश के अगले प्रधानमंत्री बनें। >> (शेष पेज 06 पर)

दुर्घटना: पायलट समेत 6 यात्रियों की मौत, उत्तराखंड में 10 साल में 13 हादसे, 27 मौतें

बद्रीनाथ से देहरादून आ रहा हेलिकॉप्टर क्रैश

तमसा संकेत, एजेंसी

चमोली । उत्तराखंड में शुक्रवार को बद्रीनाथ से देहरादून आ रहा एक प्राइवेट कंपनी का हेलिकॉप्टर जोशीमठ के पास क्रैश हो गया। हादसे में पायलट समेत 6 लोगों की मौत हो गई। सभी के शव बरामद कर लिए गए हैं।

हेलिकॉप्टर ने दोपहर करीब 1:14 बजे बद्रीनाथ से देहरादून के सहस्त्रधारा के लिए उड़ान भरी थी। जोशीमठ घाटी के ऊपर उड़ान के दौरान उसका संपर्क टूट गया। इसके बाद ट्रैकिंग सिस्टम पर भी उसकी लोकेशन मिलनी बंद हो गई। यह घटना ऐसे समय हुई है, जब उत्तराखंड के कई इलाकों में खराब मौसम बना हुआ है। राज्य के कई हिस्सों में बारिश और बर्फबारी हो रही है। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने हादसे पर दुख जताते हुए जांच के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि मृतकों के परिवारों को हर संभव मदद दी जाएगी। >> (शेष पेज 06 पर)

■ नीचे गिरने के बाद हेलिकॉप्टर में आग लग गई। हादसे के बाद मौके पर बिखरा मलबा।

■ हेलिकॉप्टर में कर्नाटक पुलिस के इंस्पेक्टर अरुण भी सवार थे।

■ हादसे वाली जगह पर पड़ा हेलिकॉप्टर का पिछला हिस्सा।

2 हेलिकॉप्टर की मदद से मलबा ढूंढा गया

आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदकिशोर जोशी के मुताबिक, जेपी डैम के ऊपर जंगल में सफेद रंग की किसी चीज में आग लगने की सूचना मिली थी। इसकी जांच के लिए दो हेलिकॉप्टर भेजे गए थे। लापता हेलिकॉप्टर ट्रांस भारत एविएशन प्राइवेट लिमिटेड का था। इसमें पायलट कैप्टन हिमांशु के अलावा 5 यात्री सवार थे। इनमें प्रतापा, अरुण, शंकर गौड़ा, सुधीर के. और एचएस नटराज शामिल हैं। यात्री बेंगलुरु के बताए जा रहे हैं। हादसे के बाद एहतियात के तौर पर ट्रांस भारत एविएशन के सभी हेलिकॉप्टरों की उड़ानें रोक दी गई हैं।

केंद्रीय नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल ने 28 जुलाई 2025 को राज्यसभा में बताया था कि 2020 से 2025 के बीच देशभर में हेलिकॉप्टर से जुड़े 12 बड़े हादसे हुए, जिनमें 30 लोगों की जान चली गई। हालांकि, यह आंकड़ा 2020 से 2025 तक का है।

सोमनाथ मंदिर के पास नॉनवेज बेचने पर रोक नहीं

प्रशासन ने 3 महीने पहले बैन लगाया था

फैसला

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। हाईकोर्ट ने शुक्रवार को सोमनाथ मंदिर के आसपास नॉन-वेज बेचने पर लगी रोक को हटा दिया। कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि स्थानीय प्रशासन ने अपनी गलत शक्तियों का इस्तेमाल किया।

गुजरात सरकार ने इस साल अगस्त में नोटिफिकेशन जारी किया था कि सोमनाथ मंदिर के 500 मीटर दायरे और मंदिर जाने वाले 6 मुख्य रास्तों पर नॉनवेज बनाना-बेचना पूरी तरह बैन होगा।

इस फैसले के खिलाफ 7 रेस्टोरेंट मालिक ने याचिका लगाई थी। सरकार अब इस फैसले के खिलाफ डिवीजन बेंच या सुप्रीम कोर्ट में जा सकती है, लेकिन फिलहाल के लिए बैन खत्म है। इस फैसले के खिलाफ सोमनाथ के 7 रेस्टोरेंट मालिक हाईकोर्ट गए। उनका दावा था कि- हम 20-25 साल से लाइसेंस लेकर चल रहे हैं, लेकिन सरकार इसे जबरदस्ती बंद करवा दिया।

>> (शेष पेज 06 पर)

■ रेस्टोरेंट मालिक बोले- हम लाइसेंस के साथ कारोबार कर रहे

लखनऊ में रिमझिम, जौनपुर में फसलें गिरीं, अर्नब तूफान का यूपी में असर

आगरा-मथुरा समेत 20 शहरों में बारिश

बदलाव

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी, प्रयागराज, लखनऊ, मेरठ। यूपी में चक्रवाती तूफान 'अर्नब' के असर से मौसम बदला हुआ है। शुक्रवार सुबह से लखनऊ, नोएडा, आगरा, मथुरा और जौनपुर समेत 20 शहरों में रुक-रुक कर बारिश हो रही है। ठंडी हवाएं चल रही हैं। दिन में अंधेरे छाया है।

जौनपुर में 24 घंटे से तेज हवाओं के साथ रुक-रुक कर बारिश हो रही है। बेमौसम बारिश से खेतों में खड़ी धान की फसल गिर गई है। पहले से कटी पड़ी फसलें खराब होने लगी हैं। अलीगढ़ समेत 25 शहरों में बादल छाए हैं। मौसम विभाग (IMD) ने आज सभी 75 जिलों में बारिश का

75
जिलों में अलर्ट

अलर्ट जारी किया है। गोरखपुर, अयोध्या और मुरादाबाद समेत 21 जिलों में भारी बारिश हो सकती है। कुछ शहरों में आंधी-तूफान के साथ ओले गिरने की भी आशंका जताई गई है। कल भी मौसम बिगड़ा ही रहेगा।

गुरुवार को लखनऊ, अयोध्या, ग ाजिय ाब ाद ,

लखनऊ में लगातार दूसरे दिन बारिश हो रही है। शुक्रवार सुबह से रुक-रुक कर रिमझिम बारिश जारी है।

गोरखपुर में सुबह से बारिश हो रही है। मौसम विभाग का कहना है कि अभी कल भी मौसम ऐसा ही रहेगा। बारिश के साथ ही तेज हवाएं चल रहीं हैं। इससे ठंडक बढ़ गई है।

गोरखपुर समेत 18 जिलों में बारिश हुई थी। सहारनपुर में बड़ी मस्जिद की मीनार पर आकाशीय बिजली गिर गई थी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के अधिकारियों को अलर्ट रहने का निर्देश दिया है। अमित शाह सुबह जब लखनऊ पहुंचे तो उस वक्त बारिश हो रही थी। छाता लगाकर वह एयरपोर्ट से बाहर निकले। इस दौरान सीएम योगी, डिप्टी सीएम केशव मौर्य, ब्रजेश पाठक और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष पंकज चौधरी भी उनके साथ थे। वाराणसी में शुक्रवार सुबह से रुक-रुककर बारिश हो रही है। इसके चलते मौसम में ठंडक बढ़ गई है। शहर का तापमान 22 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि हवा की रफ्तार 30 किलोमीटर प्रति घंटे रही।

मौसम वैज्ञानिक मनोज श्रीवास्तव ने बताया कि अगले 24 घंटे तक अर्नब चक्रवात का असर बना रहेगा। इस दौरान आसमान में बादल छाए रहेंगे और तापमान में और गिरावट दर्ज की जा सकती है।

अमित शाह सुबह जब लखनऊ पहुंचे तो उस वक्त बारिश हो रही थी। छाता लगाकर वह एयरपोर्ट से बाहर निकले। इस दौरान सीएम योगी, डिप्टी सीएम केशव मौर्य, ब्रजेश पाठक और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष पंकज चौधरी भी उनके साथ थे।

वाराणसी में 8 डिग्री गिरा तापमान

वाराणसी में पिछले दो दिनों से मौसम का मिजाज बदला हुआ है। आसमान में बादल छाए रहने और तेज हवाएं चलने से तापमान में 8 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई है। इससे लोगों को ठंड का एहसास होने लगा है। वहीं, बारिश के कारण धान की फसल को भी नुकसान पहुंचा है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, अगले 24 घंटे तक मौसम का मिजाज ऐसा ही बना रह सकता है।

शराब ठेके के सामने पानी में उतराता मिला शव

कई दिन पुराना होने की आशंका

तमसा संकेत, संवाददाता

(बाराबंकी)। मोहम्मदपुर खाला थाना क्षेत्र के छेदा में शुक्रवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया, जब छेदा-रामपुर मथुरा मुख्य मार्ग किनारे स्थित खंता तालाब में एक अज्ञात व्यक्ति का शव उतराता मिला। शव पुलिस चौकी छेदा से महज 100 मीटर की दूरी पर और शराब ठेके के ठीक सामने मिला। शव कई दिन पुराना होने की आशंका जताई जा रही है। ग्रामीणों के मुताबिक, शुक्रवार सुबह करीब 7:30 बजे तालाब में शव दिखाई देने पर पुलिस को सूचना दी गई। जानकारी मिलते ही चौकी प्रभारी राकेश तिवारी पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को तालाब से बाहर निकलवाया। मृतक ने पीली टी-शर्ट और नीले रंग का लोअर पहन रखा था। शव काफी फूल चुका था, जिससे उसके कई दिनों से पानी में पड़े होने की आशंका जताई जा रही है।

मौके पर मौजूद लोगों की भीड़ जुट गई, लेकिन शव की पहचान नहीं हो सकी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पहचान कराने और मामले की जांच शुरू कर दी है।

फास्ट न्यूज

अर्नब तूफान से किसानों की चिंता बढ़ी

वाराणसी । वाराणसी में मौसम ने शुक्रवार को अचानक करवट ले ली। अर्नब चक्रवात के असर से सुबह से ही शहर में रुक-रुककर बारिश हो रही है। ठंडी हवाओं ने मौसम में ठंडक बढ़ा दी है। तापमान गिरने के साथ ही लोगों को अब सर्दी का एहसास होने लगा है। सुबह वाराणसी का तापमान करीब 22 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि हवा की रफ्तार 30 किलोमीटर प्रति घंटे तक रही।

जमीन का फर्जी बैनामा कर विधवा से 1.10 करोड़ ठगे

सहजनवां । गोरखपुर में जमीन दिलाने का झांसा देकर एक विधवा महिला से 1.10 करोड़ रुपये हड़पने का आरोप लगा है। महिला का कहना है कि आरोपियों ने बाघागाड़ा में जमीन का सौदा किया और रकम लेने के बाद बैनामा भी करा दिया। बाद में दस्तावेजों और राजस्व रिकॉर्ड की जांच कराई तो पता चला कि बैनामे में दर्ज जमीन विक्रेता के नाम पर थी ही नहीं। महिला की शिकायत पर गीडा पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है।

अक्टूबर में बढ़े डेंगू के 52 मरीज

वाराणसी । वाराणसी में डेंगू को लेकर सितंबर तक राहत की तस्वीर थी, लेकिन अक्टूबर में मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ी है। स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के मुताबिक, 4 अक्टूबर तक जिले में डेंगू के 60 मरीज मिले थे। वहीं, 30 अक्टूबर तक यह संख्या बढ़कर 112 हो गई। यानी अक्टूबर में अब तक 52 नए मरीज सामने आए हैं। दीनदयाल उपाध्याय जिला अस्पताल में अक्टूबर के दौरान डेंगू से जुड़े 60 मरीज पहुंचे।

एंबुलेंस में गूंजी किलकारी सुरक्षित हुआ मां और नवजात का जीवन

तेज प्रसव पीड़ा के बीच एंबुलेंस कर्मियों ने कराई सामान्य डिलीवरी

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। आपात-कालीन सेवा में तैनात एंबुलेंस कर्मियों ने एक बार फिर अपनी तत्परता और सूझबूझ से सराहनीय कार्य किया। अस्पताल पहुंचने से पहले ही एंबुलेंस में प्रसव पीड़ा तेज होने पर कर्मियों ने सूझबूझ दिखाते हुए सुरक्षित सामान्य प्रसव कराया। एंबुलेंस में नवजात की किलकारी गूंजते ही परिजनों के चेहरे पर खुशी छा गई। मां और नवजात दोनों स्वस्थ बताए जा रहे हैं।

जानकारी के अनुसार, सूरतगंज के बीबीयापुर गांव निवासी उमाशंकर की पत्नी प्रेमवती को शुक्रवार को अचानक प्रसव पीड़ा शुरू हो गई। परिजनों ने तत्काल एंबुलेंस सेवा को सूचना दी। सूचना मिलते ही यूपी-32 एफजी 1267

नंबर की एंबुलेंस मौके पर पहुंची। एंबुलेंस में तैनात इमरजेंसी मेडिकल टेक्नीशियन (ईएमटी) राहुल और पायलट धर्मेंद्र ने गर्भवती महिला को अस्पताल ले जाने के लिए रवाना किया। बताया जाता है कि रास्ते में टेढ़ी पुलिया के पास प्रेमवती को तेज प्रसव पीड़ा होने लगी। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए एंबुलेंस कर्मियों ने तत्काल मोर्चा संभाला और आवश्यक सावधानियां बरतते हुए एंबुलेंस में ही सामान्य प्रसव कराया। कुछ ही देर में महिला ने बच्चे को जन्म दिया। नवजात की किलकारी गूंजते ही एंबुलेंस का माहौल खुशियों से भर गया। प्रसव के बाद एंबुलेंस कर्मियों ने जच्चा और बच्चा की देखभाल करते हुए आगे की आवश्यक प्रक्रिया पूरी की।

स्विगी से किया था ऑर्डर, अधिवक्ता ने दर्ज कराई शिकायत

वाराणसी में वेज बर्गर की जगह डिलीवर हुआ चिकन बर्गर

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी। वाराणसी में ऑनलाइन फूड डिलीवरी में बड़ी लापरवाही का मामला सामने आया है। स्विगी के जरिए मैकडॉनल्ड्स से वेज बर्गर ऑर्डर करने वाले अधिवक्ता प्रशांत विश्वकर्मा के घर चिकन बर्गर पहुंचा दिया गया। बेटे ने जब बर्गर खाना शुरू किया तो स्वाद अलग लगा। इसके बाद पैकेट देखा गया तो उस पर चिकन बर्गर लिखा था। अधिवक्ता ने इस मामले में सिगरा थाना प्रभारी को फोन पर शिकायत दी है। उनका कहना है कि उनके परिवार में लहसुन-प्याज तक नहीं बनाया जाता। ऐसे में वेज की जगह नॉनवेज बर्गर पहुंचने से उनकी धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं। उन्होंने कंपनी से मुआवजे की मांग की है। अधिवक्ता ने बताया कि

उन्होंने इस मामले में स्विगी के मैनेजर विशाल से फोन पर शिकायत की। उनके अनुसार, मैनेजर ने गलती स्वीकार की और बताया कि डिलीवरी बॉय के पास ज्यादा सामान था। इसी वजह से गलती से दूसरा पैकेट उनके घर पहुंच गया।

हालांकि, प्रशांत का कहना है कि मामला सिर्फ गलत पैकेट पहुंचने का नहीं है, बल्कि शाकाहारी भोजन के बदले नॉनवेज खाना डिलीवर किए जाने का है। प्रशांत ने सिगरा थाना प्रभारी शिवाकांत मिश्रा को फोन पर पूरे मामले की जानकारी दी है। थाना प्रभारी के मुताबिक, फोन पर शिकायत मिली है और मामले की जांच की जा रही है। पीड़ित के वाराणसी लौटकर लिखित तहरीर देने के बाद मुकदमा दर्ज करने पर कार्रवाई की जाएगी। अधिवक्ता ने कहा कि वह वाराणसी लौटने के बाद लिखित शिकायत देंगे। उन्होंने इस मामले में जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई और मुआवजे की मांग की है।

बेटे की जिद पर बुक किया था वेज बर्गर

अधिवक्ता प्रशांत विश्वकर्मा ने बताया कि वह इन दिनों परीक्षा देने के लिए गोरखपुर आए हुए हैं। गुरुवार को उनके बेटे ने बर्गर खाने की जिद की थी। इसके बाद उन्होंने शाम 5:45 बजे स्विगी के माध्यम से मैकडॉनल्ड्स से वेज बर्गर, फ्रेंच फ्राइज और कोल्ड ड्रिंक का बडी मील ऑर्डर किया था। प्रशांत के मुताबिक, करीब दो घंटे बाद शाम 7:30 बजे घर पर ऑर्डर पहुंचा। परिवार ने पैकेट खोला तो उसमें वेज की जगह चिकन बर्गर निकला।

बेटे ने चखा तो स्वाद लगा अलग

प्रशांत ने बताया कि उनके बेटे ने बर्गर खाना शुरू किया तो उसे स्वाद अलग लगा। उसने अपनी मां को बुलाया। इसके बाद परिवार ने पैकेट चेक किया तो उस पर चिकन बर्गर लिखा हुआ था।

उन्होंने कहा कि उनके घर में लहसुन-प्याज तक नहीं बनता है। ऐसे में शाकाहारी भोजन के ऑर्डर पर चिकन बर्गर पहुंचना गंभीर लापरवाही है।

प्रयागराज में 4 और बक्से मिले, रडार से खंगाली जा रही जमीन, पुलिस को घर के अंदर से 3 नीले ड्रमों में रुपए भरे मिले थे

घर में गड़े पांच करोड़ का राज तलाशने पहुंचीं टीमें

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रयागराज । प्रयागराज में घर के अंदर जमीन में गाड़कर रखे गए 5 करोड़ रुपए का राज गहराता जा रहा है। जमीन के अंदर और कितनी नकदी छिपी है, इसका पता लगाने के लिए ग्राउंड पेनेट्रेटिंग रडार लगाया गया है। पुलिस के साथ आयकर विभाग (IT) और बैंक अधिकारियों की टीमें जांच कर रही हैं। जांच के दौरान शुक्रवार को घर के अंदर चार बंद बक्से मिले हैं। इन पर ताले लगे हैं। पुलिस ने घर के अंदर खुदाई भी शुरू करा दी है। वहीं, मामले की जांच के लिए पुलिस की एक टीम पुणे भी रवाना की गई है। टीमें पता लगा रही हैं कि इतनी बड़ी रकम कहां से आई और प्रयागराज कैसे

पहुंची। मौके पर करीब 32 पुलिसकर्मी, IT के छह अफसर, बैंक के दो अधिकारी और दो कर्मचारी हैं। एक डॉग स्क्वायड टीम भी है। खुदाई के लिए 12 मजदूरों को बुलाया गया था। बुधवार रात जिला मुख्यालय से करीब 32 किलोमीटर दूर बरईपुर गांव में राकेश यादव के घर नकदी बरामद हुई थी। तीन नीले ड्रमों में 500-500 रुपए की गड्डियों को कपड़े में लपेटकर

जांच एजेंसियों को आशंका है कि तीन ड्रमों के अलावा परिवार ने घर, बाग, खाली जमीन या किसी अन्य मकान में भी नोटों की गड्डियां छिपाकर रखी हो सकती हैं।

जमीन के अंदर दबाया गया था। बरामद रकम करीब 5 करोड़ रुपए होने का अनुमान है। नवाबगंज इलाके के बरईपुर गांव में राकेश यादव उर्फ महाकाल का पुश्तैनी मकान है। पुलिस को इनपुट मिला था कि राकेश ने चोरी के रुपए घर में जमीन के नीचे छिपाकर रखे हैं। यह

पुणे से बार-बार लाते रहे नोटों की गड्डियां

अब तक की जांच में सामने आया है कि नवाबगंज निवासी राजेश और राकेश करोड़ों रुपए की नकदी पुणे से प्रयागराज लाकर ड्रमों में भरते थे और फिर उसे जमीन में गाड़ देते थे। दोनों भाइयों से पूछताछ के बाद एक टीम को पुणे भी भेजा गया है।

दोनों भाई कई साल तक पुणे के एक सर्राफा कारोबारी के यहां काम करते रहे थे। कोविड के दौरान वे प्रयागराज लौट आए। आशंका है कि इसी दौरान करोड़ों रुपए की नकदी यहां लाई गई।

जानकारी पुलिस कमिश्नर पीयूष मोर्डिया तक पहुंची। इसके बाद बुधवार शाम 6 बजे डीसीपी (गंगानगर) सोनम कुमार और एडीसीपी पुष्कर वर्मा समेत पुलिस टीम मौके पर पहुंची। कार्रवाई से पहले पूरे गांव की बिजली कटवा दी गई। इसके बाद तलाशी अभियान शुरू किया गया। इस दौरान सोरांव की एसीपी श्यामजीत प्रमिला सिंह भी मौजूद रहीं।

लोन देने वाली कंपनी में 9.61 लाख का गबन

गोरखपुर में 5 कर्मचारियों पर एफआईआर

तमसा संकेत, एजेंसी

गोरखपुर । गोरखपुर में लोन देने वाली एक गैर- बैंकिंग वित्तीय कंपनी में लाखों रुपये के गबन का बड़ा मामला सामने आया है। कंपनी के ही चार फील्ड ऑफिसरों और एक ऑडिट एग्जीक्यूटिव पर मिलीभगत कर करीब 9 लाख 61 हजार रुपये से अधिक की धोखाधड़ी करने का आरोप लगा है। मामले में SSP के निर्देश पर रामगढ़ताल थाने में गुरुवार को 5 लोगों के खिलाफ FIR दर्ज किया गया। शुक्रवार को कंपनी के कुछ लोगों से पूछताछ की गई। पुलिस आगे की जांच और कार्रवाई में जुटी है। तारामंडल स्थित पैसालो डिजिटल लिमिटेड कंपनी के वाइस प्रेसीडेंट अनूप कुमार सक्सेना की ओर से पुलिस को दी गई तहरीर के मुताबिक, कंपनी में फील्ड ऑफिसर के पद पर तैनात संदीप सिंह (कुशीनगर), निरंजन सिंह (महाराजगंज), गौरव

सिंह (मऊ) और विशाल कुमार (बलिया) का काम ग्राहकों को लोन बांटना और उनसे किश्तों की रकम कलेक्ट करना था। इन चारों ने फील्ड से लाखों रुपये वसूले, लेकिन उसे कंपनी के खाते में जमा करने के बजाय खुद हड़प लिया। कंपनी के ऑडिट में जब इसका खुलासा हुआ तो लोन लेने वाले ग्राहकों ने लिखित रूप में बताया कि वे पैसे दे चुके हैं।

आरोप है कि इन फील्ड अफसरों ने चालाकी दिखाते हुए ग्राहकों से किश्तों का भुगतान अपने व्यक्तिगत बैंक खातों में ऑनलाइन (QR कोड या मोबाइल नंबर के जरिए) ट्रांसफर करवा लिया।

घटना : नोएडा में बालकनी में फूल तोड़ रहे थे, बेटा फिसला तो बचाने में पिता भी गिरे

अफसर और बेटे की 23वीं मंजिल से गिरकर मौत

पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच की। बालकनी में सीढ़ी रखी मिली, जिस पर चढ़कर बेटा ऊपर की ओर लगे फूल तोड़ रहा था।

तमसा संकेत, एजेंसी

गौतम बुद्ध नगर। ग्रेटर नोएडा में 23वीं मंजिल से गिरकर बाप-बेटे की दर्दनाक मौत हो गई। पिता बालकनी में बेटे से फूल तुड़वा रहे थे। बारिश की वजह से फर्श गीली थी। अचानक बेटे का बैलेंस बिगड़ा और वह रेलिंग से नीचे लटक गया। बेटे को बचाने के लिए पिता

दौड़े। हाथ पकड़कर खींचने के दौरान उनका पैर फिसल गया। दोनों नीचे गिर गए। मौके पर ही रणदीप पात्रा (40) और उनके 11 साल के बेटे आरव की मौत हो गई। आरव छठीं क्लास में पढ़ता था। रणदीप केंद्रीय सचिवालय दिल्ली में सेक्शन ऑफिसर थे। महागुन मायवुड्स सोसायटी में पत्नी और बेटे के साथ रहते थे। घटना शुक्रवार तड़के 4.20 बजे बिसरख थाना क्षेत्र की

नोएडा की इसी सोसाइटी में हादसा हुआ।

पुलिस उपायुक्त सेंट्रल नोएडा प्रवीन रंजन सिंह ने बताया- कंट्रोल रूम को सूचना मिली कि मायवुड्स सोसाइटी में दो लोग ऊंचाई से गिर गए हैं। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मामले की सभी पहलुओं की जांच की जा रही है।

है। पति और इकलौते बेटे की मौत के बाद पत्नी बदहवास है। उन्होंने रोते हुए बताया कि हादसे के वक्त मैं अपने कमरे में तैयार हो रही थी। रणदीप के चिल्लाने की आवाज सुनकर मैं भागकर बालकनी में गई तो वहां कोई नहीं दिखा। नीचे झांककर देखा तो दोनों के शव दिखे।

परिवार खाटू श्याम जाने की तैयारी कर रहा था

मूलरूप से परिवार पश्चिम बंगाल का रहने वाला था। पत्नी अमृता श्रीमणि केंद्रीय सचिवालय दिल्ली में सेक्शन ऑफिसर हैं। पत्नी अमृता ने पुलिस को पूछताछ में बताया कि शुक्रवार को हम सब लोग खाटू श्याम जाने वाले थे। वहां एक जमीन की रजिस्ट्री करानी थी। उससे पहले हमने मंदिर जाकर दर्शन करने का प्लान बनाया था। बालकनी में पौधे लगा रखे हैं। कई पेड़ ग्रिल के सहारे ऊपर छत तक फैले हैं। उनके फूल तोड़ने के लिए हम छोटी सीढ़ी का इस्तेमाल करते हैं। खाटू श्याम मंदिर में पूजा के लिए पति रणदीप और बेटा आरव बालकनी में फूल तोड़ने लगे। बेटा सीढ़ी पर चढ़कर ऊपर लगे फूल तोड़ रहा था। तभी उसका पैर फिसल गया और वह बालकनी से बाहर की तरफ गिर गया। किसी तरह बालकनी की रेलिंग पकड़ ली। तभी रणदीप उसे बचाने के लिए दौड़े। उनका पैर फिसला और वह भी गिर गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।

दिल्ली और निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन पर यात्रियों से लिया फीडबैक

सतर्कता टीम ने किया सर्वेक्षण, सतर्कता जागरूकता सप्ताह के पांचवें दिन चला अभियान

तमसा संकेत, संवाददाता

नई दिल्ली। सतर्कता जागरूकता सप्ताह के तहत शुक्रवार को उत्तर रेलवे के दिल्ली क्षेत्र के प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर यात्री प्रतिक्रिया सर्वेक्षण आयोजित किया गया। अभियान के पांचवें दिन सतर्कता अधिकारियों और निरीक्षकों की टीमों ने दिल्ली जंक्शन और हजरत निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन पर पहुंचकर यात्रियों से बातचीत की और उनकी समस्याओं एवं शिकायतों के बारे में जानकारी जुटाई। सर्वेक्षण के दौरान सतर्कता टीमों ने यात्रियों से रेलवे में होने वाली किसी भी तरह की अनियमि-तता, शिकायत और असुविधा के संबंध में फीडबैक लिया। अधिकारियों ने यात्रियों से उनके अनुभव साझा करने और रेलवे व्यवस्था में सामने आने वाली समस्याओं की जानकारी देने की अपील की। इस सर्वेक्षण का मुख्य उद्देश्य यात्रियों के वास्तविक अनुभवों को समझना और रेलवे की कार्यप्रणाली में सुधार के लिए समस्या वाले क्षेत्रों की पहचान करना है। यात्रियों से प्राप्त सुझाव और शिकायतें उत्तर रेलवे के सतर्कता विभाग को प्रक्रियाओं और नीतियों में आवश्यक सुधार करने में मदद करेंगी। उत्तर रेलवे की इस पहल के जरिए रेलवे सेवाओं में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है। साथ ही भ्रष्टाचार मुक्त रेलवे प्रणाली को बढ़ावा देने और यात्रियों का विश्वास मजबूत करने पर जोर दिया जा रहा है। सतर्कता जागरूकता सप्ताह के तहत आयोजित यह अभियान रेलवे व्यवस्था को अधिक जवाबदेह और यात्री हितैषी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

दो पालियों में 19,632 अभ्यर्थियों के बैठने की थी व्यवस्था, 14,213 ने दी परीक्षा

23 केंद्रों पर पीईटी की परीक्षा हर चौथा अभ्यर्थी रहा गैरहाजिर

निरीक्षण

डीएम ने इंजीनियरिंग कॉलेज केंद्र का किया औचक निरीक्षण

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अंबेडकरनगर। जिले में प्रारंभिक अर्हता परीक्षा (पीईटी)-2026 शनिवार को सभी 23 परीक्षा केंद्रों पर शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। परीक्षा दो पालियों में कराई गई। दोनों पालियों में कुल 19,632 अभ्यर्थी पंजीकृत थे। इनमें से 14,213 परीक्षा में शामिल हुए, जबकि 5,419 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। इस तरह करीब 27.6 प्रतिशत अभ्यर्थियों ने परीक्षा नहीं दी। परीक्षा के दौरान केंद्रों पर व्यवस्थाओं की निगरानी के लिए प्रशासनिक और पुलिस अधिकारी सक्रिय रहे।

परीक्षा की शुचिता और पारदर्शिता बनाए रखने के लिए जिला प्रशासन ने सभी केंद्रों पर आवश्यक इंतजाम किए थे। जिलाधिकारी ईशा प्रिया ने अकबरपुर स्थित राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज परीक्षा केंद्र का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने केंद्र पर पहुंचकर परीक्षा संचालन, अभ्यर्थियों के लिए उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं और सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। संबंधित अधिकारियों से व्यवस्थाओं की जानकारी ली और परीक्षा को निष्पक्ष व शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के निर्देश दिए। परीक्षा के सुचारु संचालन के लिए सभी 23 केंद्रों पर उपजिलाधिकारी, सेक्टर मजिस्ट्रेट और स्टेटिक मजिस्ट्रेट को जिम्मेदारी सौंपी गई थी। ये अधिकारी लगातार केंद्रों का भ्रमण कर व्यवस्थाओं की निगरानी करते रहे। प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों ने भी सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। परीक्षा केंद्रों पर अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए जरूरी आधारभूत व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई थीं।

जिला प्रशासन के अनुसार, अधिकारियों की निगरानी और प्रशासनिक-पुलिस समन्वय के बीच जिले के सभी केंद्रों पर परीक्षा शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। कहीं से परीक्षा में व्यवधान की सूचना नहीं मिली।

पहली पाली में 7,169 अभ्यर्थियों ने दी परीक्षा

पहली पाली में कुल 9,816 अभ्यर्थियों के बैठने की व्यवस्था थी। इनमें 7,169 अभ्यर्थी परीक्षा देने पहुंचे, जबकि 2,647 अनुपस्थित रहे। इस पाली में करीब 73 प्रतिशत अभ्यर्थियों ने परीक्षा में हिस्सा लिया।

दूसरी पाली में भी 9,816 अभ्यर्थी पंजीकृत थे। इनमें से 7,044 उपस्थित हुए और 2,772 अनुपस्थित रहे। दूसरी पाली में करीब 71.7 प्रतिशत अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी। दोनों पालियों को मिलाकर कुल 14,213 अभ्यर्थियों ने परीक्षा में प्रतिभाग किया।

बिना एसएमएस के खेतों में नहीं चलेंगे कंबाइन, 30 हजार तक जुर्माना

डीएम ने हार्वेस्टर संचालकों और किसानों के साथ बैठक कर दिए निर्देश

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। खेतों में पराली और फसल अवशेष जलाने की घटनाओं पर रोक लगाने के लिए प्रशासन ने निगरानी और कार्रवाई तेज करने की तैयारी की है। बिना सुपर स्ट्रॉ मैनेजमेंट सिस्टम (एसएमएस) के कंबाइन हार्वेस्टर चलाने पर उसे सीज किया जाएगा। वहीं, पराली जलाने पर खेत के रकबे के अनुसार पांच हजार से 30 हजार रुपये तक पर्यावरणीय क्षतिपूर्ति वसूली जाएगी। पराली प्रबंधन से जुड़ी सूचना देने के लिए जिला स्तर पर टोल फ्री नंबर 9151701626 भी जारी किया गया है।

जिलाधिकारी ईशा प्रिया की अध्यक्षता और मुख्य विकास अधिकारी वैभव मिश्रा की उपस्थिति में शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक हुई। इसमें कंबाइन हार्वेस्टर संचालकों, कृषक उत्पादक संगठनों (एफपीओ), कस्टम हायरिंग सेंटर (सीएचसी), फार्म मशीनरी बैंक (एफएमबी) के लाभार्थियों और प्रगतिशील किसानों ने हिस्सा लिया। बैठक में फसल अवशेष प्रबंधन, पराली जलाने पर रोक और पर्यावरण संरक्षण को लेकर चर्चा की गई। जिलाधिकारी ने कहा कि कृषि अपशिष्ट जलाने से वायु प्रदूषण बढ़ता है। इसका असर मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण पर पड़ता है। उन्होंने ग्राम पंचायत स्तर पर लगातार निगरानी रखने के निर्देश दिए। इसके लिए बीट संचालकों, कांस्टेबल, ग्राम प्रहरी, राजस्व कर्मियों और ग्राम प्रधानों को सक्रिय किया जाएगा। इनसे गांवों में पराली जलाने की घटनाओं की सूचना जुटाई जाएगी। किसी भी गांव में ऐसी घटना मिलने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

बैठक में उप कृषि निदेशक ने बताया कि भारत सरकार की अधिसूचना के तहत पराली जलाने पर खेत के क्षेत्रफल के अनुसार पर्यावरणीय क्षतिपूर्ति वसूलने का प्रावधान है। दो एकड़ से कम भूमि वाले किसानों से पांच हजार रुपये, दो से पांच एकड़ तक के किसानों से 10 हजार रुपये और पांच एकड़ से अधिक भूमि वाले किसानों से 30 हजार रुपये तक की क्षतिपूर्ति वसूली जा सकती है।

फास्ट न्यूज

बाजारों में पैदल उतरीं एसपी

अंबेडकरनगर। सर्राफा बाजारों और प्रमुख व्यापारिक क्षेत्रों की सुरक्षा व्यवस्था परखने के लिए बृहस्पतिवार को एसपी प्राची सिंह ने टांडा और अकबरपुर में पैदल गश्त की। उन्होंने बाजारों में पहुंचकर सुरक्षा इंतजाम देखे और सर्राफा व्यापारियों व आम लोगों से बातचीत की। एसपी ने अपर पुलिस अधीक्षक (पश्चिमी) और क्षेत्राधिकारी टांडा के साथ टांडा कोतवाली क्षेत्र में कश्मिरिया चौराहे से घंटाघर होते हुए सर्राफा बाजार तक पैदल भ्रमण किया।

स्वास्थ्य योजनाओं की समीक्षा में खुली सुस्ती

अंबेडकरनगर। स्वास्थ्य योजनाओं की समीक्षा में आयुष्मान कार्ड और आभा आईडी बनाने की प्रगति संतोषजनक नहीं मिली। जिले में अब तक 71.43 प्रतिशत पात्र लाभार्थियों के ही आयुष्मान गोल्डन कार्ड बन सके हैं। आभा आईडी निर्माण में भी अपेक्षित प्रगति नहीं होने पर मुख्य विकास अधिकारी ने अकबरपुर के अर्बन कोऑर्डिनेटर को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। वहीं, जननी सुरक्षा योजना के भुगतान और सिजेरियन प्रसव की संख्या बढ़ाने पर भी जोर दिया गया। कलेक्ट्रेट सभागार में मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक हुई।

जीत की दहलीज पर था मुकाबला, बारिश ने बिगाड़ा खेल

अंबेडकरनगर। महामाया राजकीय एलोपैथिक मेडिकल कॉलेज सदरपुर में शुक्रवार को प्रिंसिपल इलेवन और सीएमएस इलेवन के बीच मैत्री क्रिकेट मैच खेला गया। मुकाबला अंतिम चरण में पहुंचा ही था कि बारिश ने खेल रोक दिया। इसके बाद मैच दोबारा शुरू नहीं हो सका। निर्धारित नियमों के आधार पर प्रिंसिपल इलेवन को विजेता घोषित किया गया।

सरदार पटेल की जयंती पर भाजपा कार्यालय में हुई विचार गोष्ठी

पूर्व विधायक जयराम विमल रहे मुख्य अतिथि

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर शुक्रवार को भाजपा जिला कार्यालय अटल भवन में विचार गोष्ठी आयोजित की गई। इसमें वक्ताओं ने उनके व्यक्तित्व और कृतित्व पर चर्चा करते हुए राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान को याद किया। कार्यक्रम भाजपा जिलाध्यक्ष दिलीप पटेल देव के मार्गदर्शन में हुआ। गोष्ठी में आलापुर के पूर्व विधायक जयराम विमल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। अध्यक्षता भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा के जिलाध्यक्ष अमरजीत मौर्य ने की। वक्ताओं ने कहा कि देश की एकता और अखंडता बनाए रखने में सरदार पटेल की भूमिका ऐतिहासिक रही है। उन्होंने राष्ट्र निर्माण के लिए दृढ़ इच्छाशक्ति और साहस के साथ काम किया। सामाजिक समरसता और मजबूत भारत के निर्माण में भी उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा। इस अवसर पर भाजपा जिला मंत्री अभिषेक निषाद, अंजू पांडेय, ब्लॉक प्रशासक बसखारी, जिला मीडिया प्रभारी वाल्मीकि उपाध्याय, संजय सिंह, अनुसूचित मोर्चा जिलाध्यक्ष परशुराम चौधरी, अंकित अग्रहरि, विकास चौधरी, नंदकुमार तिवारी राना, रवि सिंह चौहान, सुग्रीव कनौजिया, रविंद्र यादव, अविनाश पांडेय, वैभव पटेल, शिवम मौर्य, बृजेश प्रजापति और विजयपाल सहित पार्टी पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

वक्ताओं ने राष्ट्र की एकता और अखंडता बनाए रखने में उनके योगदान को किया याद

किसानों के खातों में पहुंची सम्मान निधि की 24वीं किस्त

कृषि विज्ञान केंद्र पांती में हुआ प्रधानमंत्री के कार्यक्रम का सजीव प्रसारण

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 24वीं किस्त जारी होने के अवसर पर शुक्रवार को कृषि विज्ञान केंद्र, पांती में कार्यक्रम का सजीव प्रसारण किया गया। इसमें बड़ी संख्या में किसान और महिला किसान शामिल हुईं। कार्यक्रम के दौरान जानकारी दी गई कि उत्तर प्रदेश के 2.24 करोड़ से अधिक किसानों को 4482.19 करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि हस्तांतरित की गई है। कृषि विज्ञान केंद्र में आयोजित कार्यक्रम में कुल 182 किसानों ने प्रतिभाग किया। इनमें 148 पुरुष और 34 महिला किसान रहीं।

कृषि विज्ञान केंद्र में कार्यक्रम का आयोजन वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष के निर्देशन में वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. रेखा ने कराया। प्रधानमंत्री के कार्यक्रम के सजीव प्रसारण के साथ किसानों को योजना के उद्देश्य और उनके आर्थिक सशक्तीकरण में इसकी भूमिका के बारे में बताया गया। किसानों को जानकारी दी गई कि सम्मान निधि के माध्यम से उन्हें कृषि संबंधी जरूरतों को पूरा करने में आर्थिक सहायता मिलती है।

कार्यक्रम का संचालन केंद्र के शस्य वैज्ञानिक डॉ. प्रदीप कुमार कनौजिया ने किया। उन्होंने किसानों को खेत बचाओ अभियान के बारे में जागरूक किया। इस दौरान खेती में मिट्टी की सेहत बनाए रखने और उर्वरकों के संतुलित इस्तेमाल पर विशेष जोर दिया गया। केंद्र के वैज्ञानिकों ने कहा कि रासायनिक उर्वरकों का प्रयोग मृदा परीक्षण के आधार पर करना चाहिए, ताकि खेत की जरूरत के अनुसार खाद का इस्तेमाल हो सके। किसानों को पशुपालन को खेती के साथ जोड़ने, प्राकृतिक खेती अपनाने और जैव उत्पादों के उपयोग के बारे में भी जानकारी दी गई। वैज्ञानिकों ने हरी खाद के इस्तेमाल को मृदा स्वास्थ्य के संरक्षण के लिए उपयोगी बताया। किसानों को खेती में नई तकनीकों और उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

केवाईसी के फेर में पंचायतों के खाते फ्रीज विकास कार्य और मानदेय भुगतान अटका

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। बैंक ऑफ बड़ौदा की तेंदुआईकला शाखा में केवाईसी (अपने ग्राहक को जानें) की प्रक्रिया पूरी कराने के लिए ग्राम प्रधानों और पंचायत सचिवों को महीनों से चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। आरोप है कि बैंक में केवाईसी पूरी न होने से क्षेत्र की कई ग्राम पंचायतों के सरकारी खाते फ्रीज हो गए हैं। इससे पंचायतों का वित्तीय लेनदेन रुक गया है। विकास कार्य प्रभावित होने के साथ पंचायत सहायकों और सामुदायिक शौचालयों के केयरटेकरों का मानदेय भी अटका हुआ है।

ग्राम प्रधानों और पंचायत सचिवों का कहना है कि खातों की केवाईसी कराने के लिए वे कई बार बैंक जा चुके हैं। कागजी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद भी खाते चालू नहीं किए जा रहे हैं। बैंककर्मी उन्हें बार-बार बाद में आने की बात कहकर लौटा देते हैं। इससे पंचायतों के भुगतान और अन्य वित्तीय कामकाज प्रभावित हो रहे हैं। खाते बंद होने का असर पंचायत स्तर पर काम करने वाले कर्मचारियों पर भी पड़ा है। पंचायत सहायकों, सफाईकर्मियों और सामुदायिक शौचालयों के केयरटेकरों का कहना है कि कई महीनों से मानदेय नहीं मिला है। त्योहार के समय भी भुगतान न होने से उन्हें आर्थिक परेशानी उठानी पड़ रही है। ग्रामीणों ने पेंशन खातों को लेकर भी शिकायत की है।

जहांगीरगंज की तेंदुआईकला शाखा पर महीनों से चक्कर लगवाने का आरोप, पंचायत सहायकों और केयरटेकरों को नहीं मिला मानदेय, पेंशनधारकों को भी परेशानी

करवा चौथ पर सुबह से रात तक दिखी पर्व की रौनक, सोलह शृंगार कर महिलाओं ने सुनी कथा

चांद के इंतजार में बीती शाम दीदार होते ही खिल उठे चेहरे

तमसा संकेत, संवाददाता

काम के सिलसिले में घर से दूर रहे पतियों की पत्नियों ने भी परंपरा निभाई। ऐसी महिलाओं ने वीडियो कॉल के जरिये पति से बात की। चांद दिखने पर उसका दीदार किया और पति को देखकर व्रत खोला। इस दौरान मोबाइल फोन के जरिये दूर रह रहे दंपतियों ने एक-दूसरे से पर्व की खुशियां साझा कीं।

अंबेडकरनगर। पति की लंबी उम्र और सुखी दांपत्य जीवन की कामना के साथ बृहस्पतिवार को जिलेभर में सुहागिनों ने करवा चौथ का निर्जला व्रत रखा। शहर से लेकर गांवों तक सुबह से ही पर्व की रौनक दिखाई दी। महिलाओं ने दिनभर बिना अन्न-जल ग्रहण किए व्रत रखा। शाम को सोलह शृंगार कर पूजा की तैयारी की और विधि-विधान से करवा चौथ की कथा सुनी। इसके बाद सभी की निगाहें आसमान पर टिक गईं। चांद निकलने का इंतजार करते हुए महिलाएं छतों और घरों के खुले स्थानों पर पहुंचने लगीं।

शाम ढलते ही चांद के इंतजार की बेचैनी बढ़ने लगी। घरों में बच्चे भी बार-बार छत पर जाकर आसमान देखने लगे। मां, चाची और भाभी के साथ वे भी चांद निकलने की प्रतीक्षा करते रहे। करीब साढ़े नौ बजे के बाद आसमान में चांद दिखाई दिया तो छतों से आवाजें गूंज उठीं—चांद निकल आया... चांद निकल आया। चांद दिखते ही व्रती महिलाओं ने पूजा की थाली लेकर चंद्रमा को अर्घ्य दिया और पति की लंबी उम्र की कामना की।

उपहार देकर पतियों ने बनाया खास दिन

करवा चौथ पर युवा दंपतियों में उपहारों को लेकर भी खास उत्साह रहा। कई पतियों ने अपनी पत्नियों को उपहार भेंट किए। महिलाओं ने भी पर्व की तैयारियों में पारंपरिक परिधान और शृंगार को विशेष महत्व दिया। दिनभर के निर्जला व्रत और शाम की पूजा के बाद चांद के दीदार के साथ घरों में पारण हुआ। इस तरह सुबह से शुरू हुआ करवा चौथ का उत्साह देर रात तक बना रहा।

ग्रामसभा की योजना में महिलाओं की भागीदारी पर जोर

मनरेगा के व्यक्तिगत कार्यों और आवास योजनाओं की दी गई जानकारी

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। ग्राम पंचायत की विकास योजनाओं में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने और उन्हें सरकारी योजनाओं से जोड़ने के लिए शुक्रवार को जलालपुर तहसील सभागार में एक दिवसीय परिसंवाद आयोजित किया गया। जनशिक्षण केंद्र की ओर से ग्रामीण महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम के तहत हुए इस आयोजन में ब्लॉकस्तरीय पैरवी दल के सदस्यों और अधिकारियों ने महिलाओं के अधिकार, सरकारी योजनाओं और स्थानीय स्वशासन में उनकी भूमिका पर चर्चा की। इस दौरान पैरवी दल ने 10 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन उपजिलाधिकारी धर्मेंद्र कुमार सिंह को सौंपा।

कार्यक्रम की शुरुआत जनशिक्षण केंद्र की सचिव पुष्पा पाल ने संस्था और ग्रामीण महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम की जानकारी देकर की। उन्होंने कहा कि महिलाओं का नेतृत्व मजबूत करने और सरकारी योजनाओं का लाभ पात्र परिवारों तक पहुंचाने में ऐसे संवाद महत्वपूर्ण हैं। मनरेगा के एपीओ आलोक पांडेय ने पशु शेड, फिशरी शेड, पोल्ट्री हाउस, बकरी शेड और खेत तालाब जैसे व्यक्तिगत लाभार्थीपरक कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने महिलाओं से दो अक्तूबर को होने वाली ग्रामसभा की खुली बैठक में भाग लेने और पात्र लाभार्थियों के प्रस्ताव ग्राम पंचायत की कार्ययोजना में शामिल कराने का प्रयास करने को कहा। उन्होंने बताया कि दैवीय आपदा से घर क्षतिग्रस्त होने वाले परिवारों को आवास देने में प्राथमिकता दी जाती है। अन्य पात्र परिवारों को भी निर्धारित मानकों के आधार पर आवास आवंटित किए जाते हैं।

उपजिलाधिकारी धर्मेंद्र कुमार सिंह ने कहा कि परिवार में बेटियों और बेटों को समान रूप से शिक्षा का अवसर मिलना चाहिए। उन्होंने सावित्रीबाई फुले के महिला शिक्षा के लिए किए गए प्रयासों का उल्लेख किया। उन्होंने महिलाओं से परिसंवाद में मिली जानकारी को गांवों तक पहुंचाने और अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने की अपील की।

टीनशेड में अटका छात्रावास निर्माण प्रधानाचार्य ने उच्चाधिकारियों से लगाई गुहार

शिक्षक पर परिसर में टीनशेड लगाकर जगह घेरने का आरोप

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। जवाहर नवोदय विद्यालय में छात्राओं के लिए प्रस्तावित नए छात्रावास का निर्माण परिसर में लगे टीनशेड के कारण बाधित हो रहा है। 24 छात्राओं की क्षमता वाले इस छात्रावास के लिए निर्धारित जगह खाली नहीं हो पा रही है। विद्यालय के प्रधानाचार्य वीके यादव ने टीनशेड हटवाने के लिए कार्यदायी संस्था को पत्र भेजा है। साथ ही जिलाधिकारी समेत अन्य उच्चाधिकारियों से शिकायत कर संबंधित शिक्षक के खिलाफ विभागीय कार्रवाई की मांग की है।

विद्यालय में छात्राओं की आवासीय सुविधा बढ़ाने के लिए नया छात्रावास बनाया जाना है। इसके निर्माण की जिम्मेदारी कार्यदायी संस्था एनपीसीसी को दी गई है। एनपीसीसी ने निर्माण कार्य के लिए लखनऊ की मैसर्स सूरत कंस्ट्रक्शन से करार किया है। निर्माण शुरू कराने के लिए निर्धारित स्थल को खाली कराना जरूरी है, लेकिन वहां वाहनों को खड़ा करने के लिए बना टीनशेड बाधा बना हुआ है। इसके चलते निर्माण कार्य शुरू करने में परेशानी आ रही है। प्रधानाचार्य वीके यादव के अनुसार, परिसर में टीनशेड लगाने वाले शिक्षक एके शर्मा से इसे हटाने के लिए कई बार मौखिक रूप से कहा गया। इसके बावजूद टीनशेड नहीं हटाया गया। प्रधानाचार्य ने आरोप लगाया कि इस संबंध में बात करने पर शिक्षक ने गाली-गलौज की और धमकी दी। इसके बाद उन्होंने मामले को लेकर कार्यदायी संस्था को पत्र भेजा। साथ ही जिलाधिकारी समेत अन्य उच्चाधिकारियों से शिकायत कर टीनशेड हटवाने और शिक्षक के खिलाफ विभागीय व अनुशासनात्मक कार्रवाई कराने की मांग की है।

संदेह : डीएम आवास के बगल प्रेम ट्रेडर्स में मिला 35 वर्षीय रणजीत वर्मा का शव

रात दुकान में सोने गया कारोबारी सुबह पंखे से लटका मिला शव

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। अकबरपुर-टांडा मुख्य मार्ग पर डीएम आवास के बगल स्थित इलेक्ट्रॉनिक दुकान में शुक्रवार सुबह कारोबारी का शव पंखे से लटका मिला। रात में दुकान पर सोने गए रणजीत वर्मा (35) सुबह बाहर नहीं निकले तो आसपास के लोगों को संदेह हुआ। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दुकान का शटर अंदर से बंद होने पर ताला कटवाया। अंदर कारोबारी का शव मिला। घटना की जानकारी होते ही मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई।

मृतक की पहचान अकबरपुर कोतवाली क्षेत्र के दहीरपुर गांव निवासी रणजीत वर्मा पुत्र रामप्रकाश के रूप में हुई। वह डीएम आवास के पास अकबरपुर-टांडा मार्ग पर प्रेम ट्रेडर्स के नाम से इलेक्ट्रॉनिक सामान की दुकान चलाते थे। बताया जाता है कि उनकी दुकान अच्छी चलती थी। वह मिलनसार स्वभाव के थे। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। दुकान का शटर अंदर से बंद था। पुलिस ने ताला कटवाकर शटर खुलवाया। अंदर पहुंचने पर रणजीत का शव पंखे से लटका मिला। इसके बाद पुलिस ने शव को नीचे उतरवाकर कब्जे में लिया और आवश्यक कार्रवाई शुरू की। घटना की खबर फैलते ही मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। परिजन भी दुकान पर पहुंच गए। अकबरपुर कोतवाली प्रभारी निरीक्षक भूपेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। परिजनों की तहरीर मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल मामले की जांच की जा रही है।

रणजीत ने किन परिस्थितियों में यह कदम उठाया, इसकी वजह अभी स्पष्ट नहीं हो सकी है। पुलिस घटना से जुड़े सभी पहलुओं की जांच कर रही है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। परिजनों की ओर से तहरीर मिलने का इंतजार किया जा रहा है।

रात नौ बजे दुकान बंद कर घर गए थे रणजीत

परिजनों के मुताबिक, बृहस्पतिवार रात करीब नौ बजे रणजीत दुकान बंद कर घर खाना खाने गए थे। खाना खाने के बाद करीब 10 बजे वह फिर दुकान पर लौट आए। रात में दुकान पर ही सोने की बात कहकर वह घर से निकले थे। शुक्रवार सुबह काफी देर तक दुकान का शटर नहीं खुला तो आसपास के दुकानदारों और लोगों को अनहोनी की आशंका हुई। उन्होंने इसकी जानकारी परिजनों को दी। इसके बाद अकबरपुर कोतवाली पुलिस को सूचना दी गई।

सामाजिक कार्यों से पहचान बनाने वाले युवाओं को मिलेगा 50 हजार का पुरस्कार

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। राष्ट्रीय और सामाजिक कार्यों में उल्लेखनीय योगदान करने वाले जिले के युवाओं के पास राज्य स्तर पर सम्मान पाने का मौका है। वित्तीय वर्ष 2026-27 में व्यक्तिगत श्रेणी के तहत प्रदेश के 10 युवाओं को विवेकानंद यूथ अवार्ड दिया जाएगा। इसके लिए 15 से 35 वर्ष आयु वर्ग के युवा आवेदन कर सकते हैं। चयनित युवाओं को 50 हजार रुपये नकद, स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा। यह पुरस्कार खेलकूद, वृक्षारोपण, रक्तदान, नशामुक्ति, जल संरक्षण, जैविक खेती और स्वच्छता के क्षेत्र में काम करने वाले युवाओं को दिया जाएगा। इसके अलावा राष्ट्रीय एकीकरण, आपदा प्रबंधन, मतदाता जागरूकता, पुस्तकालय संचालन, सौर ऊर्जा, शिक्षा और स्मार्ट लर्निंग सहित अन्य सामाजिक गतिविधियों में योगदान करने वाले युवा भी आवेदन कर सकते हैं। युवा कल्याण अधिकारी सुभाषिनी ने बताया कि आवेदन के साथ एक अप्रैल 2023 से 31 मार्च 2026 तक किए गए कार्यों का विवरण देना होगा। इसके प्रमाण में फोटोग्राफ, समाचार पत्रों की कटिंग, प्रमाण पत्र और अन्य साक्ष्य भी जमा करने होंगे। आवेदन प्रपत्र और विस्तृत दिशा-निर्देश युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल विभाग से प्राप्त किए जा सकते हैं।

विवेकानंद यूथ अवार्ड के लिए 15 से 35 वर्ष तक के युवा कर सकेंगे आवेदन, 20 नवंबर तक जिला युवा कल्याण अधिकारी कार्यालय में जमा करना होगा प्रपत्र

सम्पादकीय

साइबर ठगी पर सख्ती

सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी सराहनीय है कि यदि साइबर धोखाधड़ी के मामलों में बैंकों की गलती या लापरवाही पाई जाती है तो उन्हें पीड़ित व्यक्ति को भरपाई करनी होगी। यह निराशाजनक है कि बैंक असामान्य लेनदेन को भांप पाने में नाकाम हैं, जबकि उन्हें इसके प्रति अतिरिक्त सतर्कता बरतनी चाहिए, क्योंकि साइबर धोखाधड़ी के मामले थमने का नाम नहीं ले रहे हैं और यह धोखाधड़ी बैंकों के माध्यम से ही हो रही है।

साइबर अपराधी फर्जी पुलिस, कस्टम, सीबीआइ, ईडी अथवा आयकर अधिकारी के रूप में लोगों को डिजिटल अरेस्ट का भय दिखाकर ठगने में लगे हुए हैं। उनके झांसे में आकर कोई व्यक्ति जैसे ही उनकी ओर से बताए गए खाते में धनराशि ट्रांसफर करता है, वैसे ही वह एक के बाद एक दूसरे खातों में स्थानांतरित होती जाती है और अधिकांश मामलों में अपराधियों तक पहुंच पाना कठिन हो जाता है। अनेक मामलों में तो यह सामने आया है कि साइबर छल के जरिये हासिल की गई राशि विदेश पहुंच गई।

साइबर अपराधी डिजिटल अरेस्ट का भय दिखाकर तो लोगों को ठगने का काम कर ही रहे हैं, उन्हें लालच देकर अथवा बहकाकर भी ठगी कर रहे हैं। इस ठगी में भी बैंक ही माध्यम बनते हैं। इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि साइबर धोखाधड़ी के कुछ मामलों में बैंक अधिकारियों और कर्मचारियों की मिलीभगत पाई गई है। ऐसे कुछ कर्मचारियों-अधिकारियों की गिरफ्तारी भी हुई है। एक विडंबना यह भी है कि बैंक म्यूल खातों की पहचान और निगरानी नहीं कर पा रहे हैं, जबकि साइबर ठगी के लिए ऐसे ही खातों का इस्तेमाल होता है। इससे संतुष्ट नहीं हुआ जा सकता कि कुछ मामलों में साइबर अपराधी पकड़ में आ जाते हैं और चंद लोगों को छल-छद्म से हड़पी गई राशि भी वापस हो जाती है, लेकिन सच्चाई यही है कि साइबर अपराधियों का दुस्साहस और उनका दायरा बढ़ता चला जा रहा है। अधिकांश मामलों में लोगों को उनकी राशि कभी वापस नहीं मिल पाती।

साइबर अपराधी किस तरह बेलगाम हो गए हैं और वे किस बड़े पैमाने पर लोगों को ठगने का काम कर रहे हैं, इसका पता कुछ माह पहले सामने आए इस आंकड़े से लगता है कि अभी तक 54 हजार करोड़ रुपये की साइबर धोखाधड़ी हो चुकी है। यह राशि कुछ राज्यों के बजट से भी अधिक है।

यह अच्छा है कि सुप्रीम कोर्ट साइबर धोखाधड़ी के मामलों के प्रति लगातार कठोर रुख अपना हुए है और गत दिवस उसने रिजर्व बैंक के प्रस्तावित केवाईसी संशोधन निर्देशों की समीक्षा करने की भी बात कही, लेकिन उचित यह होगा कि सरकारी एजेंसियां भी अपनी सक्रियता दिखाएं, क्योंकि अभी तक तो साइबर अपराधी उनसे दो हाथ आगे ही नजर आ रहे हैं। यह स्थिति डिजिटल लेनदेन की व्यवस्था पर लोगों का भरोसा कम करने वाली है।

सरदार पटेलः नये भारत के शिल्पकार और स्वप्नद्रष्टा युगपुरुष

> सरदार पटेल केवल रियासतों को जोड़ने वाले शिल्पकार नहीं थे, वे बिखरी हुई राष्ट्रीय चेतना को एक संकल्प में बदलने वाले युगपुरुष थे। उनकी जयंती पर हमें यह संकल्प लेना चाहिए कि भारत की एकता को केवल इतिहास की उपलब्धि नहीं, वर्तमान का उत्तरदायित्व और भविष्य की सबसे बड़ी पूंजी बनाएंगे।

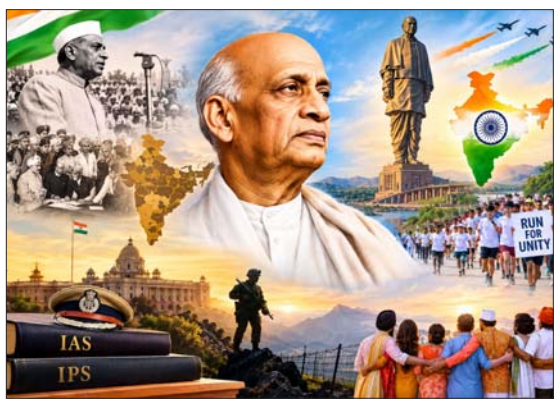

किसी राष्ट्र का निर्माण केवल स्वतंत्रता प्राप्त कर लेने से नहीं होता, बल्कि स्वतंत्रता को एकता, अखंडता, सुरक्षा और सामूहिक संकल्प की शक्ति में बदलने से होता है। भारत की स्वतंत्रता के बाद यह सबसे बड़ी चुनौती थी। देश के सामने रियासतों का बिखराव था, विभाजन की पीड़ा थी, सांप्रदायिक तनाव था, सीमाओं पर असुरक्षा थी और नवजात लोकतंत्र के सामने अनेक राजनीतिक एवं प्रशासनिक संकट थे। ऐसे कठिन समय में यदि किसी एक व्यक्तित्व ने भारत को भौगोलिक ही नहीं, बल्कि राजनीतिक और राष्ट्रीय दृष्टि से एक सूत्र में पिरोने का ऐतिहासिक दायित्व निभाया, तो वे थे सरदार वल्लभभाई पटेल। उनकी 151वीं जयंती पर मनाया जाने वाला राष्ट्रीय एकता दिवस केवल एक महापुरुष का स्मरण नहीं, बल्कि भारत की सामूहिक शक्ति, राष्ट्रीय स्वाभिमान और दूरदर्शी नेतृत्व के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराने का अवसर है। सरदार पटेल का व्यक्तित्व उस चट्टान की तरह था, जिस पर कठिन से कठिन परिस्थितियों की लहरें टकराकर लौट जाती थीं। स्वतंत्रता आंदोलन में उनकी दृढ़ता, संगठन क्षमता और जन नेतृत्व ने उन्हें राष्ट्रीय राजनीति में विशिष्ट स्थान दिलाया था। खेड़ा सत्याग्रह और बारडोली आंदोलन ने उन्हें किसानों के संघर्ष का नायक बनाया। बारडोली की महिलाओं द्वारा दिया गया 'सरदार' संबोधन आगे चलकर उनके व्यक्तित्व की राष्ट्रीय पहचान बन गया। लेकिन उनकी वास्तविक ऐतिहासिक भूमिका स्वतंत्रता के बाद सामने आई, जब भारत को एक राष्ट्र के रूप में संगठित करना सबसे बड़ी आवश्यकता थी।

उस समय देश में 562 से अधिक रियासतें थीं। अनेक रियासतों के शासक स्वतंत्र अस्तित्व बनाए रखने अथवा भारत से अलग रहने की आकांक्षा रखते थे। ऐसी स्थिति में भारत का राजनीतिक मानचित्र खंडित हो सकता था। सरदार पटेल ने अपनी राजनीतिक दृढ़ता, असाधारण कूटनीति और व्यावहारिक बुद्धिमत्ता से इस चुनौती का समाधान किया। उन्होंने जहां आवश्यकता हुई वहां संवाद का सहारा लिया, जहां जरूरी हुआ वहां दृढ़ता दिखाई और जहां राष्ट्रीय हित सर्वोपरि था वहां किसी दबाव के सामने झुकने से इनकार कर दिया। हैदराबाद का भारत में विलय इसका उल्लेखनीय उदाहरण है। यह केवल रियासतों का विलय नहीं था, बल्कि एक आधुनिक राष्ट्र की आधारशिला रखने वाला ऐतिहासिक अभियान था। पटेल की सबसे बड़ी विशेषता यह थी कि वे राजनीति को सत्ता प्राप्ति का माध्यम नहीं, राष्ट्र निर्माण का दायित्व मानते थे। उनके लिए राष्ट्रीय हित किसी दल, विचारधारा, क्षेत्र अथवा समुदाय से ऊपर था। वे जानते थे कि स्वतंत्रता की रक्षा केवल भावनात्मक नारों से नहीं हो सकती। इसके लिए मजबूत प्रशासन, अनुशासित शासन, स्पष्ट विदेश नीति और आंतरिक सुरक्षा की ठोस व्यवस्था आवश्यक है। पाकिस्तान की नीतियों, कश्मीर के प्रश्न और सीमावर्ती क्षेत्रों की चुनौतियों को लेकर उनकी चिंताएं इसी राष्ट्रीय सुरक्षा दृष्टि का प्रमाण थीं। चीन की तिब्बत संबंधी नीति को लेकर उन्होंने तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू को 7 नवंबर 1950 को लिखे पत्र में जिस प्रकार आगाह किया था, वह उनकी सामरिक दूरदृष्टि का महत्वपूर्ण दस्तावेज है। उन्होंने पड़ोसी देशों के साथ संबंधों में सद्भावना के साथ-साथ सतर्कता और राष्ट्रीय हितों की रक्षा को भी अनिवार्य माना। सरदार पटेल की दूरदर्शिता का एक और महत्वपूर्ण पक्ष भारतीय प्रशासनिक व्यवस्था का निर्माण था। स्वतंत्रता के बाद अनेक लोग अंग्रेजों की बनाई प्रशासनिक सेवाओं को समाप्त करने के पक्ष में थे, लेकिन पटेल ने इनके महत्व को समझा। उन्होंने भारतीय प्रशासनिक सेवा और भारतीय पुलिस सेवा जैसी अखिल भारतीय सेवाओं को मजबूत आधार प्रदान किया। उनका मानना था कि देश की एकता और प्रशासनिक स्थिरता के लिए ऐसी संस्थाएं जरूरी हैं, जो राजनीतिक परिवर्तन के बावजूद राष्ट्र के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाती रहें। उन्होंने अधिकारियों में यह विश्वास पैदा किया कि अब उनकी निष्ठा किसी विदेशी शासन के प्रति नहीं, बल्कि स्वतंत्र भारत और उसके नागरिकों के प्रति होनी चाहिए। इसीलिए उन्हें भारतीय प्रशासनिक सेवाओं का संरक्षक भी कहा जाता है। उनकी राजनीतिक दृष्टि में दृढ़ता थी, लेकिन वह हठधर्मिता नहीं थी। वे जानते थे कि राष्ट्र केवल कानून और प्रशासन से नहीं, बल्कि सामाजिक विश्वास और नागरिक उत्तरदायित्व से भी मजबूत होता है। वे राष्ट्रीय एकता को विविधताओं के निषेध के रूप में नहीं, बल्कि विविधताओं के बीच साझा राष्ट्रीय चेतना के विकास के रूप में देखते थे। भारत की भाषाएं, संस्कृतियां, परंपराएं और आस्थाएं अलग-अलग हो सकती हैं, लेकिन राष्ट्र के प्रति निष्ठा और संविधान के प्रति सम्मान सबको एक सूत्र में बांधते हैं। आज जब समाज में वैचारिक मतभेद, क्षेत्रीय आग्रह, जातीय विभाजन और राजनीतिक कटुता की प्रवृत्तियां दिखाई देती हैं, तब पटेल का यह संदेश और अधिक प्रासंगिक हो जाता है। आज जब भारत वर्ष 2047 तक विकसित, आत्मनिर्भर, समृद्ध और विश्वशक्ति के रूप में स्थापित होने का संकल्प लेकर आगे बढ़ रहा है, तब सरदार वल्लभभाई पटेल के विचार, दृष्टि और राष्ट्रनिर्माण की भावना पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक हो उठती है। उन्होंने जिस अखंड भारत की कल्पना की थी, उसकी मजबूती का आधार केवल भौगोलिक एकता नहीं, बल्कि राष्ट्रीय एकात्मता, सामाजिक समरसता, प्रशासनिक दृढ़ता और सामूहिक उत्तरदायित्व था। आज भारत के सामने आर्थिक प्रगति, तकनीकी आत्मनिर्भरता, सामाजिक समानता, आंतरिक सुरक्षा, सुशासन और वैश्विक नेतृत्व की जो चुनौतियाँ एवं संभावनाएँ हैं, उनके समाधान में पटेल की राष्ट्रनिष्ठा, दृढ़ इच्छाशक्ति और व्यावहारिक नेतृत्व दृष्टि मार्गदर्शक बन सकती है। विकसित भारत का सपना तभी साकार होगा, जब देश की विविधता उसकी शक्ति बने, राष्ट्रीय हित सर्वोपरि रहे और प्रत्येक नागरिक राष्ट्रनिर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाए। इस दृष्टि से सरदार पटेल केवल इतिहास के महानायक नहीं, बल्कि 2047 के भारत की दिशा और दशा निर्धारित करने वाले प्रेरणास्रोत हैं। सरदार वल्लभभाई पटेल का व्यक्तित्व अदम्य साहस, लौह इच्छाशक्ति, अनुशासन, स्पष्टवादिता, संगठन क्षमता, प्रशासनिक दक्षता और अटूट राष्ट्रभक्ति का विलक्षण समन्वय था।

ललित गर्ग

अदालत का यह...

अशोक भाटिया

सुप्रीम कोर्ट का कड़ा रुखः क्या अब सुधरेंगे फ्रॉड पीड़ितों के हालात?

भारत में डिजिटल क्रांति ने जहाँ आम नागरिक के जीवन को सुगम बनाया है, वहीं इसने एक ऐसे अदृश्य और खौफनाक अपराध तंत्र को भी जन्म दे दिया है जिसने देश की पूरी बैंकिंग और सुरक्षा व्यवस्था के सामने एक बड़ी चुनौती खड़ी कर दी है। आज के दौर में साइबर फ्रॉड और विशेष रूप से 'डिजिटल अरेस्ट' जैसी त्रासदियाँ किसी महामारी की तरह फैल चुकी हैं, जहाँ पलक झपकते ही किसी व्यक्ति की जीवनभर की गाढ़ी कमाई अपराधियों के खातों में चली जाती है। ऐसे माहौल में देश की सर्वोच्च अदालत, सुप्रीम कोर्ट का हालिया रुख न केवल डिजिटल और साइबर फ्रॉड के पीड़ितों के हक में एक ऐतिहासिक कदम है, बल्कि यह देश की बैंकिंग प्रणाली के लिए एक बेहद सख्त चेतावनी भी है। अदालत ने बहुत स्पष्ट शब्दों में कहा है कि यदि बैंकों की लापरवाही या उनकी उचित सावधानी (ड्यू डिलिजेंस) में कमी के कारण कोई नागरिक ठगी का शिकार होता है, तो संबंधित बैंक को उस नुकसान की पूरी भरपाई करनी होगी। मुख्य न्यायाधीश की अगुवाई वाली पीठ का यह निर्देश इस मायने में क्रांतिकारी है क्योंकि यह पहली बार उपभोक्ताओं के नुकसान की सीधी जवाबदेही उन वित्तीय संस्थानों पर डालता है, जो सुरक्षा का दावा तो करते हैं लेकिन अपनी कमियों को छिपाने में लगे रहते हैं। अदालत द्वारा रिज़र्व बैंक ऑफ इंडिया को आगामी संशोधित 'केवाईसी गाइडलाइंस' में पीड़ितों को मुआवजा देने का प्रावधान अनिवार्य रूप से शामिल करने का आदेश देना एक ऐसा नीतिगत बदलाव है, जिसकी प्रतीक्षा लंबे समय से की जा रही थी। इस आदेश के तहत आरबीआई को तीस नवंबर दो हजार छब्बीस तक नए नियम अधिसूचित करने हैं, जो इकतीस दिसंबर दो हजार छब्बीस से देश भर में प्रभावी हो जाएंगे। अदालत का यह समयबद्ध दृष्टिकोण दर्शाता है कि न्यायपालिका इस संकट की गंभीरता को कितनी गहराई से महसूस कर रही है। इस पूरे संकट का सबसे स्याह पहलू यह है कि अब तक साइबर अपराध के मामलों में पूरी व्यवस्था का दृष्टिकोण केवल पीड़ित को उपदेश देने या उसे जागरूक करने तक ही सीमित रहा है। सरकारें, पुलिस और बैंक अक्सर विज्ञापनों के माध्यम से यह कहकर अपना पल्ला झाड़ लेते हैं कि किसी को अपना ओटीपी या पासवर्ड न बताएं। परंतु, आज का साइबर अपराध केवल ओटीपी चोरी करने तक सीमित नहीं रह गया है। 'डिजिटल अरेस्ट' जैसी नई और परिष्कृत तकनीकों में अपराधियों द्वारा कानून प्रवर्तन एजेंसियों का फर्जी रूप धरकर, पीड़ितों को मानसिक रूप से बंधक बना लिया जाता है और अत्यधिक मनोवैज्ञानिक दबाव में उनसे पैसे ऐंठे जाते हैं। ऐसे में साधारण नागरिक, चाहे वह कितना भी पढ़ा-लिखा क्यों न हो, भय और भ्रम के जाल में फंस जाता है। सुप्रीम कोर्ट ने इस कड़वी सच्चाई को स्वीकार किया है कि इस साल देश में डिजिटल अरेस्ट और साइबर फ्रॉड के कारण जनता ने लगभग आठ सौ करोड़ रुपये की भारी-भरकम राशि गंवाई है। यह आंकड़ा केवल एक संख्या नहीं है, बल्कि यह उन हजारों परिवारों की मानसिक प्रताड़ना, आर्थिक तबाही और टूटे हुए सपनों की दास्तां है, जिन्होंने अपनी जमा-पूंजी को सुरक्षित मानकर बैंकों के हवाले किया था। जब कोई अपराधी किसी खाते से करोड़ों रुपये ट्रांसफर करने में सफल हो जाता है, तो यह केवल पीड़ित की सादगी नहीं, बल्कि उस बैंक के सुरक्षा चक्र की पूर्ण विफलता होती है। अदालत ने इसी बिंदु पर प्रहार करते हुए बैंकों को निर्देश दिया है कि यदि किसी खाताधारक के सामान्य व्यवहार या पुराने पैटर्न से अलग कोई 'असामान्य ट्रांजैक्शन' या संदिग्ध लेनदेन होता है, तो बैंक को उस पर तुरंत अस्थाई रोक लगानी होगी। यह एक ऐसा सुरक्षात्मक कदम है जो अगर पहले से मुस्तैदी से लागू होता, तो आज आठ सौ करोड़ रुपये का यह राष्ट्रीय नुकसान रोका जा सकता था। इस पूरे संगठित अपराध की रीढ़ की हड्डी 'म्यूल अकाउंट्स' यानी वे फर्जी बैंक खाते हैं, जिनका उपयोग साइबर ठग अपनी पहचान छिपाने और पैसे को अलग-अलग खातों में घुमाने के लिए करते हैं। यह एक सर्वविदित तथ्य है कि बिना बैंकों के भीतर बैठे कुछ भ्रष्ट तत्वों की मिलीभगत या फिर बैंकों के ढीले रवैये के, हजारों की संख्या में फर्जी दस्तावेजों पर खाते खोलना और उनमें करोड़ों का लेन-देन होना संभव नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने इन फर्जी खातों के जाल पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए साफ किया है कि बैंकों को अपने ग्राहक को जानो की प्रक्रिया को केवल एक कागजी औपचारिकता नहीं, बल्कि एक अभेद्य सुरक्षा कवच बनाना होगा।

कौशल विकास...

डॉ0 सीमा गुप्ता

आजीविका मिशन और आरसेटी के प्रशिक्षण से आत्मनिर्भरता की राह पर अग्रसर हो रही हैं बलरामपुर की ग्रामीण महिलाएं

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं को स्वावलम्बी बनाने तथा स्थानीय स्तर पर आजीविका के स्थायी अवसर उपलब्ध कराने के प्रयासों के सकारात्मक परिणाम अब धरातल पर परिलक्षित होने लगे हैं। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन और भारतीय ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी) के संयुक्त तत्वावधान में संचालित कौशल विकास कार्यक्रमों के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक मुख्यधारा से जोड़ा जा रहा है। इसी क्रम में जनपद बलरामपुर के विकासखंड रेहराबाजार अन्तर्गत ग्राम सरायखास की 29 महिलाओं ने खाद्य प्रसंस्करण एवं फास्ट फूड निर्माण का विशिष्ट प्रशिक्षण प्राप्त कर स्वरोजगार की दिशा में ठोस पहल की है। यह पहल न केवल महिलाओं को सूक्ष्म उद्यमिता से जोड़ रही है, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने में भी प्रभावी भूमिका निभा रही है।

तराई क्षेत्र में स्थित जनपद बलरामपुर में पारम्परिक कृषि पर अत्यधिक निर्भरता और स्थानीय स्तर पर रोजगार के सीमित विकल्पों को ध्यान में रखते हुए जिला प्रशासन द्वारा गैर-कृषि आधारित सूक्ष्म उद्यमों को निरन्तर प्रोत्साहित किया जा रहा है। वर्तमान समय में ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों के हाट-बाजारों, कस्बों और प्रमुख मार्गों पर तैयार खाद्य पदार्थों की मांग में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। इस मांग को स्वरोजगार के सुअवसर में परिवर्तित करने के उद्देश्य से सरायखास गांव की स्वयं सहायता समूह से जुड़ी महिलाओं को लक्षित कर इस व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की गई, जिससे वे न्यूनतम पूंजी निवेश के साथ अपने निवास क्षेत्र में ही सम्मानजनक आय अर्जित कर सकें। भारतीय ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान द्वारा आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में महिलाओं को आधुनिक एवं पारम्परिक दोनों प्रकार के लगभग 30 व्यंजनों के मानकीकृत निर्माण का गहन व्यावहारिक अभ्यास कराया गया। प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में चाउमीन, मोमोज, अप्पे, ब्रेड रोल, आलू टिक्की, पानी बताशा तथा दही बड़ा जैसे व्यापक मांग वाले खाद्य पदार्थ शामिल रहे। प्रशिक्षण के दौरान खाद्य पदार्थों के पोषण मूल्य, स्वाद और गुणवत्ता पर विशेष ध्यान केंद्रित किया गया। इसके अतिरिक्त, खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (थ्ैप्) द्वारा निर्धारित स्वच्छता मानकों, स्वच्छ जल के उपयोग और खाद्य सामग्री के सुरक्षित भंडारण के वैज्ञानिक तौर-तरीकों का भी विधिवत प्रशिक्षण दिया गया।

कौशल विकास के साथ-साथ महिलाओं को सफल उद्यमी बनाने के लिए सूक्ष्म व्यवसाय प्रबंधन के व्यावहारिक तौर-तरीके भी सिखाए गए। जिला प्रशासन और प्रशिक्षण संस्थान के समन्वय से आयोजित सत्रों में प्रतिभागियों को कच्चे माल की थोक खरीद, लागत निर्धारण, मूल्य सम्वर्धन, दैनिक बिक्री का लेखा-जोखा और शुद्ध लाभ के सटीक आकलन की प्रक्रिया समझाई गई। महिलाओं को ग्राहकों के साथ संवाद शैली, स्टॉल के आकर्षक प्रस्तुतीकरण तथा आधुनिक पैकेजिंग तकनीकों से भी अवगत कराया गया।

आत्म शुद्धि से मोक्ष मार्ग

मानव जीवन में दुर्बलता भी हैं इस और हमको ध्यान देना चाहिए । हम जब स्वयं ही अपने कर्मों के माध्यम से अपने भाग्य के एक मात्र निर्माता हो तो फिर इश्वर को कर्ता व दोषी बताकर व्यर्थ बीच में क्यों लाते हैं । इसलिए स्वयं को व स्वयं के कृत कर्मों को ही जिम्मेदार माने, हम ईश्वर को दोषी न ठहरा कर खुद को ही हर अच्छे व बुरे के लिए दंडित व पुरस्कृत करने की सच्चाई को पहचानें । कर्म और जीव के बीच का संघर्ष, अनन्तकाल से अनवरत जारी है। चौरासी लाख जीवयोगियों के चक्र में संज्ञी मनुष्य का जन्म प्राप्त करना एक अत्यंत कठिन काम हैं । यह इससे भी दुर्लभ हैं मनुष्य देह पाकर सद्धर्म का श्रवण करना हैं । हम पाप आचरण से बचें और अपने जीवन में विवेक को जागृत करें । हम देखतें हैं कि जिन लोगों ने मनुष्य जन्म को पाकर भी धर्म - अधर्म या हिंसा- अहिंसा को विवेक नहीं होता , वे इस अनमोल जीवन के अवसर को पाकर भी पाप कर्मों में लिप्त हो जातें हैं । वह ऐसे व्यक्ति दुर्गति (नरक) के पात्र बन जाते हैं । हमारे द्वारा आचार्य श्री महाश्रमण जी आदि के द्वारा कल्याणकारी वाणी सुनने से ही भीतर के भावों में शुद्धता आती हैं और व्यक्ति तप के मार्ग पर अग्रसर होता हैं । अहंकार भावों में मैं ही मैं की टंकार तीव्र ममकार है । मैं के अहं के सिवाय कुछ स्वीकार नहीं हैं । यही सबसे बड़ा अवरोध है । आत्मबोध प्राप्त करने में यह वैसा ही है जैसे सूरज को बादल ढक लेते हैं । वैसे ही अहंकारी के ज्ञानचक्षु के आगे अहंकार की अभेद्य सी चादर छा जाती है । ज्ञान तो तब प्रकट हो सकता है जब मैं मिटता है । वह विनम्रता और समर्पण भाव जगता है। यही उसकी कुंजी है। यही साधक की सार्थक पूंजी है। अहं जीवन-विकास में बहुत बड़ी बाधा है। अहं के पतन से ही आत्मज्ञान के सूर्योदय की आशा है। अपने जीवन को जो संयमित और नियंत्रित करता है, उसका यह जीवन सदा ऊर्जाओं के स्रोतों से संवरता है। इसलिए जरूरी है कि तुम व्यर्थ में बाहर की ओर भकटना छोड़ो और इस मन को अपने भीतर की ओर मोड़ों । तेरापंथ की एक परिभाषा यह भी है कि जहां अहंकार और ममकार न हो। संभवत यह परिभाषा आचार्य श्री महाप्रज्ञ जी ने दी थी।

› प्रदीप छाजेड़

जरा हटके

ग्रामीण डिजिटल...

अभिषेक सक्सेना

डिजिटल ग्राम, सशक्त उत्तर प्रदेश बनाने की दिशा में ग्रामीण कनेक्टिविटी का हुआ विस्तार

प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश आज डिजिटल तकनीक विकास की प्रक्रिया का एक महत्वपूर्ण आधार बन चुका है। शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, बैंकिंग, व्यापार और सरकारी सेवाओं के क्षेत्र में इंटरनेट की उपयोगिता निरंतर बढ़ रही है। ऐसे में विकास का लाभ समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाने के लिए यह आवश्यक है कि ग्रामीण क्षेत्रों को भी आधुनिक डिजिटल सुविधाओं से प्रभावी ढंग से जोड़ा जाए। उत्तर प्रदेश सरकार इसी उद्देश्य के अनुरूप ग्रामीण डिजिटल कनेक्टिविटी का विस्तार करने, दूरसंचार अवसंरचना को मजबूत बनाने तथा इंटरनेट आधारित सेवाओं की पहुंच बढ़ाने के लिए विभिन्न स्तरों पर कार्य कर रही हैं।

ग्राम पंचायतों तक इंटरनेट की पहुंच का विस्तार

उत्तर प्रदेश के आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग द्वारा राज्य पूंजी निवेश वर्ष 2022-23 के अंतर्गत राज्यों को विशेष सहायता योजना के माध्यम से प्रदेश की 16,718 ग्राम पंचायतों में इंटरनेट कनेक्टिविटी उपलब्ध कराने की पहल की गई है। इस कार्य में भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) की भूमिका महत्वपूर्ण है। योजना के अंतर्गत प्रत्येक ग्राम पंचायत में पांच एफटी-टीएच (फाइबर टू द होम) कनेक्शन तथा एक वाई-फाई कनेक्शन स्थापित किए जाने का प्रावधान है। इस पहल के अंतर्गत अब तक 8,600 ग्राम पंचायतों में कुल 29,320 एफटीटीएच कनेक्शन स्थापित किए जा चुके हैं। यह कार्य ग्रामीण क्षेत्रों में इंटरनेट आधारित सुविधाओं के विस्तार के लिए आवश्यक आधारभूत संरचना विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण है। फाइबर आधारित कनेक्टिविटी के माध्यम से विद्यालयों, स्वास्थ्य केंद्रों, पंचायत कार्यालयों, स्थानीय उद्यमों तथा अन्य संस्थानों को इंटरनेट सेवाओं से जोड़ने का कार्य किया जा रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल कनेक्टिविटी नागरिकों को सूचनाओं और सेवाओं तक पहुंच बनाने का अतिरिक्त माध्यम प्रदान करती है। ऑनलाइन आवेदन, प्रमाणपत्रों से संबंधित सेवाएं, डिजिटल भुगतान, शैक्षिक सामग्री और विभिन्न सरकारी पोर्टलों का उपयोग अधिक सुगम बनाने में इंटरनेट की महत्वपूर्ण भूमिका हो रही है।

फाइबर टू द होम ऐसी तकनीक है, जिसमें ऑप्टिकल फाइबर के माध्यम से इंटरनेट कनेक्टिविटी सीधे घर या निर्धारित परिसर तक पहुंचाई जाती है। पारंपरिक नेटवर्क की तुलना में फाइबर आधारित तकनीक उच्च गति और अधिक डेटा क्षमता वाली सेवाएं उपलब्ध कराने में सक्षम है। वहीं, वाई-फाई के माध्यम से उपलब्ध इंटरनेट कनेक्शन को एक निश्चित क्षेत्र में विभिन्न डिजिटल उपकरणों पर उपयोग किया जा सकता है। इन दोनों सुविधाओं का विस्तार ग्रामीण क्षेत्रों में इंटरनेट के उपयोग को अधिक व्यावहारिक बनाने की दिशा में सहायक हो रहा है। इससे विद्यार्थी ऑनलाइन अध्ययन सामग्री का उपयोग कर सकते हैं, शिक्षक डिजिटल शैक्षिक संसाधनों तक पहुंच बना सकते हैं तथा छोटे कारोबारी अपने उत्पादों और सेवाओं की जानकारी व्यापक उपभोक्ता वर्ग तक पहुंचा सकते हैं। इंटरनेट कनेक्टिविटी के साथ-साथ मोबाइल नेटवर्क की उपलब्धता भी डिजिटल समावेशन का महत्वपूर्ण पक्ष है। ग्रामीण क्षेत्रों में मोबाइल सेवाओं की बेहतर पहुंच होने से नागरिकों को संचार, ऑनलाइन जानकारी और मोबाइल आधारित सेवाओं का उपयोग करने में सुविधा मिली है। विशेष रूप से उन क्षेत्रों में मोबाइल नेटवर्क का विस्तार महत्वपूर्ण है, जहां फाइबर आधारित कनेक्टिविटी का उपयोग सीमित है या जहां नागरिक मुख्य रूप से स्मार्टफोन के माध्यम से इंटरनेट का इस्तेमाल करते हैं। इसी क्रम में उत्तर प्रदेश में चौथी पीढ़ी (4ळ) की मोबाइल सेवाओं के विस्तार के लिए बीएसएनएल को 434 ग्राम पंचायतों में प्रति ग्राम पंचायत 200 वर्गमीटर भूमि निःशुल्क आवंटित की गई है। इस व्यवस्था का उद्देश्य मोबाइल नेटवर्क के विस्तार के लिए आवश्यक आधारभूत सुविधाओं की उपलब्धता को सुगम बनाया है। मोबाइल नेटवर्क के विस्तार से ग्रामीण नागरिकों को ऑनलाइन संचार, डिजिटल भुगतान, सरकारी सूचनाओं तथा इंटरनेट आधारित सेवाओं का उपयोग करने के अधिक अवसर मिले हैं। इससे दूरस्थ क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के लिए डिजिटल माध्यमों से जुड़ना अपेक्षाकृत आसान हो रहा है।

ग्रामीण डिजिटल कनेक्टिविटी का प्रभाव केवल इंटरनेट उपयोग तक सीमित नहीं है, बल्कि यह विभिन्न सामाजिक और आर्थिक गतिविधियों को नई दिशा देने की क्षमता रखती है। शिक्षा के क्षेत्र में इंटरनेट विद्यार्थियों को ऑनलाइन पाठ्य सामग्री, डिजिटल पुस्तकालयों, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी तथा अन्य शैक्षिक संसाधनों तक पहुंच प्रदान कर रहा है। ग्रामीण विद्यार्थियों को अपने गांव में रहते हुए व्यापक शैक्षिक सामग्री का उपयोग करने का अवसर मिला है। विद्यालयों में डिजिटल संसाधनों के प्रभावी उपयोग से शिक्षण प्रक्रिया को अधिक विविध और उपयोगी बनाया जा रहा है। स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में डिजिटल कनेक्टिविटी के माध्यम से टेलीमेडिसिन, ऑनलाइन परामर्श, स्वास्थ्य संबंधी जानकारी और डिजिटल अभिलेखों जैसी सुविधाओं का उपयोग संभव होता है। विशेष रूप से दूरस्थ क्षेत्रों में रहने वाले नागरिकों के लिए यह सुविधा प्रारंभिक चिकित्सकीय परामर्श तक पहुंच बनाने में सहायक हो रही है। कृषि के क्षेत्र में इंटरनेट किसानों को मौसम संबंधी जानकारी, कृषि तकनीकों, बाजार भाव, फसल प्रबंधन तथा सरकारी योजनाओं से संबंधित सूचनाएं प्राप्त करने में मदद कर रहा है। डिजिटल माध्यमों के उपयोग से किसान विभिन्न बाजारों और उपलब्ध सेवाओं की जानकारी प्राप्त कर अपने निर्णयों को बेहतर ढंग से तैयार कर सकते हैं। ग्रामीण युवाओं और उद्यमियों के लिए इंटरनेट डिजिटल कौशल सीखने, ऑनलाइन प्रशिक्षण प्राप्त करने, रोजगार के अवसर तलाशने तथा छोटे व्यवसायों को डिजिटल माध्यमों से आगे बढ़ाने का साधन बन सकता है। ग्रामीण डिजिटल कनेक्टिविटी के विस्तार में नेटवर्क की उपलब्धता के साथ उसकी गुणवत्ता, नियमित रखरखाव और वास्तविक उपयोग भी महत्वपूर्ण हैं। दूरसंचार अवसंरचना का प्रभावी लाभ सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक है कि स्थापित कनेक्शनों का उपयोग बढ़े, नेटवर्क संबंधी समस्याओं का समयबद्ध समाधान हो तथा ग्रामीण नागरिकों को उपलब्ध सुविधाओं के बारे में जानकारी मिले। इसके लिए प्रदेश सरकार गांव-गांव नेटवर्क पहुंचा रही है।

6 जोन और 75 जिलों से जाएंगे कार्यकर्ता, आराधना मिश्रा ने संभाला कंट्रोल रूम

राहुल की रैली में यूपी 50 हजार कांग्रेसी होंगे शामिल

तैयारी

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। दिल्ली के रामलीला मैदान में 1 नवंबर को होने वाली कांग्रेस की 'वोट बचाओ, देश बचाओ' महारैली के लिए उत्तर प्रदेश कांग्रेस ने पूरी ताकत झोंक दी है। प्रदेश के सभी 6 जोन और 75 जिलों से कार्यकर्ताओं को दिल्ली पहुंचाने की तैयारी की जा रही है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष आराधना मिश्रा 'मोना' ने खुद तैयारियों की कमान संभाल रखी है। लखनऊ स्थित प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय के कंट्रोल रूम से सभी जिलों की तैयारियों की निगरानी की जा रही है। कांग्रेस का दावा है कि उत्तर प्रदेश से बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और लोकतंत्र समर्थक नागरिक दिल्ली पहुंचेंगे। पार्टी ने जिला अध्यक्षों, वरिष्ठ नेताओं, फ्रंटल संगठनों और विभागों को अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपी हैं। दिल्ली स्थित केंद्रीय वार रूम से राष्ट्रीय महासचिव एवं प्रभारी संगठन केसी वेणुगोपाल भी राज्यों में रैली की तैयारियों की समीक्षा कर रहे हैं। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष आराधना मिश्रा 'मोना' ने बताया कि पश्चिम, बृज, अवध, बुंदेलखंड, प्रयाग और पूर्वांचल समेत सभी 6 जोन में संगठनात्मक बैठकें की जा चुकी हैं। 75 जिलों के जिला अध्यक्षों और वरिष्ठ नेताओं के साथ समन्वय बनाकर कार्यकर्ताओं को दिल्ली पहुंचाने की योजना तैयार की गई है।

राहुल की रैली को लेकर यूपी कांग्रेस की तैयारियां तेज।

राजेंद्र पाल गौतम ने सिविल सोसाइटी, सामाजिक संगठनों और प्रबुद्धजनों से भी संवाद कर उन्हें रैली में शामिल होने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि हाल ही में राहुल गांधी के नेतृत्व में हुए सुप्रीम कोर्ट मार्च में भी उत्तर प्रदेश से बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भाग लिया था।

रामलीला मैदान से मताधिकार की आवाज उठाएगी कांग्रेस

आराधना मिश्रा 'मोना' ने कहा कि 1 नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में उत्तर प्रदेश से कांग्रेस कार्यकर्ताओं और लोकतंत्र समर्थक नागरिकों की बड़ी भागीदारी होगी। उन्होंने कांग्रेसजनों से पूरी एकजुटता और अनुशासन के साथ रैली में शामिल होने की अपील की। कांग्रेस का कहना है कि इस महारैली के जरिए मताधिकार की सुरक्षा, लोकतांत्रिक मूल्यों की मजबूती और जनता के संवैधानिक अधिकारों का मुद्दा उठाया जाएगा। पार्टी का फोकस उत्तर प्रदेश के सभी जिलों से अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित करने पर है।

पश्चिमी यूपी में इमरान मसूद, पूर्वांचल में देवेंद्र और आलोक को जिम्मेदारी

रैली में अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए पश्चिमी और पूर्वी उत्तर प्रदेश में अलग-अलग नेताओं को जिम्मेदारी दी गई है। कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष और सांसद इमरान मसूद पश्चिमी यूपी में मोर्चा संभाल रहे हैं। पार्टी के मुताबिक, वह अब तक 30 से अधिक संगठनात्मक बैठकें कर चुके हैं। वहीं, पूर्वी उत्तर प्रदेश से कार्यकर्ताओं को दिल्ली पहुंचाने की जिम्मेदारी वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष देवेंद्र निषाद और आलोक प्रसाद को दी गई है। दोनों नेता जोन और जिला स्तर पर बैठकें कर रहे हैं। इमरान मसूद ने भी पश्चिमी यूपी के विभिन्न जिलों का दौरा कर कांग्रेस कार्यकर्ताओं और आम लोगों से दिल्ली पहुंचने की अपील की है।

राजधानी में 11 मिलीमीटर रिकॉर्ड हुई बारिश सुबह से शाम तक बरसे बादल

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ में शुक्रवार को अलग-अलग इलाकों में बारिश हुई। सुबह से ही पूरे दिन ठंडी हवाएं चलने के साथ रिमझिम बारिश होती रही। पूरे दिन धूप नहीं निकली। दिन में 11 मिलीमीटर रिकॉर्ड की गई।

इस दौरान सामान्य अधिकतम तापमान सामान्य से 7.6 डिग्री कम होकर 23.8 डिग्री दर्ज किया गया। जबकि रात में न्यूनतम तापमान सामान्य से 5.7 डिग्री अधिक रहा। इस दौरान न्यूनतम तापमान 21.9 डिग्री रहा है। अधिकतम आर्द्रता 98 फीसदी रही व न्यूनतम आर्द्रता 79 फीसदी रही।

मौसम विभाग ने चेतावनी जारी की है कि अर्नब चक्रवात और पश्चिमी विक्षोभ के आपस में मिलने की वजह से मौसम में यह बदलाव हुआ है। अगले 24 घंटे के दौरान लखनऊ सहित यूपी के कई इलाकों में हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश हो सकती है। कुछ स्थानों पर गरज-चमक के साथ तेज बारिश भी संभव है। पारा इलाके में दुबग्गा रिंग रोड पर दोपहर से ही लगातार बारिश हो रही है। बारसात के चलते सड़क पर लोगों की आवाजाही कम है।

लखनऊ में सुबह 11 बजे से ही कई इलाकों में रुक-रुककर बारिश हो रही है। बारिश के बाद सड़कें गीली हो गई है।

KGMU कैंपस में बारिश हो रही है। यह वीडियो लिंब सेंटर का है। बारिश के चलते तीमारदारों को आवाजाही में दिक्कत हो रही है।

पारा में 11 बजे से रिमझिम बारिश हो रही थी। अब यहां भी बारिश तेज हो गई है। लखनऊ में सुबह से बादल छाए हुए थे। 11 बजे बारिश शुरू हो गई।

फास्ट न्यूज

भाषा विश्वविद्यालय में वित्तीय जागरूकता कार्यक्रम

लखनऊ । लखनऊ के ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में अधिष्ठाता, छात्र कल्याण कार्यालय की ओर से एसबीआई लाइफ के सहयोग से वित्तीय जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। हाइब्रिड हॉल में हुए कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षकों और कर्मचारियों को वित्तीय नियोजन, बचत, निवेश, बीमा और आर्थिक सुरक्षा के प्रति जागरूक करना था।

डंपर ने बाइक सवार दंपती को कुचला

मोहनलालगंज । लखनऊ में गुरुवार शाम डंपर की टक्कर से बाइक सवार दंपती की मौत हो गई। हादसे में उनका बेटा गंभीर रूप से घायल हो गया। डंपर टक्कर मारने के बाद दोनों को कुचलते हुए निकल गया। पुलिस ने तीनों को एंबुलेंस से पीजीआई के ट्रामा सेंटर-2 पहुंचाया था।

शुक्रवार को इलाज के दौरान पति-पत्नी ने दम तोड़ दिया, जबकि बेटे का इलाज जारी है। घटना मोहनलालगंज में हरकंश-गढ़ी के पास की है। ड्राइवर कुछ दूरी पर डंपर छोड़कर फरार हो गया। तीनों एक ही बाइक से अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए रायबरेली जा रहे थे।

लखनऊ बार काउंसिल अध्यक्ष का सम्मान

लखनऊ । लखनऊ में इलाहाबाद हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के नवनिर्वाचित अध्यक्ष गिरीश चंद्र वर्मा को बधाई दी गई। इस अवसर पर मिथिलेश सिंह ने चेंबर में पहुंचकर वरिष्ठ अधिवक्ताओं का स्वागत किया। कार्यक्रम में अधिवक्ता डीपी सिंह चौहान, डॉ. मुरलीधर सिंह, जयकुमार, राहुल श्रीवास्तव, शरद श्रीवास्तव, ललित सिंह, मुनेंद्र वर्मा और पुष्पेंद्र मिश्रा सहित कई अधिवक्ता मौजूद रहे।

जनता भाजपा को सबक सिखाने के मूड में है : चंद्रशेखर

अपने चहेतों को सरकारी नौकरी दे रही सरकार

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। आजाद समाज पार्टी के अध्यक्ष और सांसद चंद्रशेखर ने कहा कि जनता इस बार भाजपा को सबक सिखाने के मूड में है। सरकार अपने चहेतों को सरकारी नौकरी दे रही है। प्रदेश में हर सरकारी नौकरी की भर्ती में घोटाले का आरोप लग रहा है। सांसद ने आज लखनऊ में अमित शाह के दौरे को लेकर भी तंज किया। उन्होंने कहा कि भाजपा की स्थिति इस समय प्रदेश में ठीक नहीं है, इसलिए बैठक हो रही है। चंद्रेशेखर शुक्रवार को कैसरबाग स्थित गांधी भवन प्रेक्षागृह में आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) और भीम आर्मी की लीगल सेल की ओर से तीसरे अधिवक्ता सम्मेलन में शामिल हुए।

गृह मंत्री अमित शाह के आज लखनऊ दौरे पर हैं। 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर पार्टी के पदाधिकारियों के साथ मीटिंग कर रहे हैं। उनके बैठक को लेकर चंद्रशेखर ने कहा कि भाजपा को बैठक करनी चाहिए, क्योंकि उनकी पार्टी की स्थिति ठीक नहीं है। उन्होंने कहा कि बैठक से कुछ न कुछ परिणाम निकलेगा, अन्यथा जनता इस बार भाजपा को सबक सिखाने के मूड में है।

चंद्रशेखर आजाद ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी जब विपक्ष में थी, तब खूब आंदोलन करती थी, लेकिन आज प्रदेश में हालात ऐसे हैं कि आंदोलन करना तो दूर, पीड़ितों से मिलने जाने पर भी लोगों को हिरासत में ले लिया जाता है।

12 दिन तक चलेंगी अतिरिक्त रोडवेज बसें, त्योहारों पर घर पहुंचना होगा आसान, दिल्ली से पूर्वांचल के लिए बढ़ेंगी बसें

दीपावली-छठ पर योगी सरकार का तोहफा

- यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा पर जोर, बस अड्डों पर मिलेंगी बेहतर सुविधाएं
- 17 नवंबर तक होगा विशेष बस संचालन, चालक-परिचालकों को 400 रुपये प्रतिदिन प्रोत्साहन राशि भी मिलेगी

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ । योगी सरकार दीपावली और छठ पर्व पर यात्रियों की सुविधा के लिए विशेष परिवहन व्यवस्था करने जा रही है। त्योहारों पर घर जाने वाले लोगों को बसों की कमी का सामना न करना पड़े, इसके लिए उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम (यूपीएसआरटीसी) अतिरिक्त बसों का संचालन करेगा। 6 नवंबर से 17 नवंबर तक अधिक से अधिक बसें चलाने के निर्देश दिए गए हैं। खासतौर पर दिल्ली और दूसरे महानगरों से पूर्वांचल जाने वाले यात्रियों के लिए बसों की संख्या बढ़ाई जाएगी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप सरकार का जोर त्योहारों के दौरान लोगों को सुरक्षित, सुविधाजनक और सुगम यात्रा उपलब्ध कराने पर है। छठ पर्व के दौरान पूर्वांचल के बड़ी संख्या में लोग दिल्ली, गाजियाबाद और अन्य महानगरों से अपने घर लौटते हैं। यात्रियों की इस बढ़ती संख्या को देखते हुए परिवहन निगम ने विशेष तैयारी शुरू कर दी है। परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने निर्देश दिए हैं कि दिल्ली से पूर्वी उत्तर प्रदेश के लिए पर्याप्त संख्या में बसें चलाई जाएं। इसके अलावा लखनऊ और कानपुर के लिए भी अतिरिक्त बसों की व्यवस्था की जाए।

सभी बसें सड़क पर उतारने के निर्देश

परिवहन मंत्री ने निर्देश दिए हैं कि प्रोत्साहन अवधि में निगम की सभी बसों को शत-प्रतिशत सड़क पर उतारा जाए। इसके लिए बसों की मरम्मत, जरूरी कलपुर्जों और अन्य संसाधनों की उपलब्धता पहले से सुनिश्चित करने को कहा गया है। उन्होंने स्पष्ट किया है कि किसी भी स्थिति में अनफिट बसों का संचालन नहीं किया जाएगा। अनुबंधित बसों के मालिकों को भी पहले से सूचना देकर बसों की मरम्मत कराने और उन्हें संचालन के लिए उपलब्ध रखने के निर्देश दिए गए हैं। इस अवधि में विशेष परिस्थितियों को छोड़कर अधिकारियों और कर्मचारियों की छुट्टियां भी स्वीकृत नहीं की जाएंगी। सभी की ड्यूटी रोस्टर के अनुसार लगाई जाएगी।

दिल्ली से गोरखपुर, वाराणसी और अयोध्या के लिए बढ़ेंगी बसें

त्योहारों पर यात्रियों की सुविधा के लिए दिल्ली से लखनऊ, गोरखपुर, वाराणसी, अयोध्या और कानपुर के लिए अतिरिक्त बसें चलाई जाएंगी। इसके साथ ही गाजियाबाद, मुरादाबाद, मेरठ, बरेली, सहारनपुर, आगरा, अलीगढ़ और इटावा क्षेत्रों के लिए भी बसों की संख्या बढ़ाई जाएगी। क्षेत्रीय प्रबंधक यात्रियों की मांग के अनुसार बसों की संख्या घटा या बढ़ा सकेंगे। भैयादूज पर स्थानीय और आस-पास के जिलों में यात्रियों की संख्या बढ़ने को देखते हुए क्षेत्रीय अधिकारियों को विशेष व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए हैं। इससे त्योहार के दौरान स्थानीय स्तर पर भी लोगों को आवागमन में परेशानी नहीं होगी।

चाचा को पुलिस ने गुंडा घोषित किया था, महिलाओं का पीछा करता था

ट्रिपल मर्डर करने वाले के चाचा-बहन पर इनाम

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ में चबूतरे के विवाद में ट्रिपल मर्डर करने वाले ऋषभ शुक्ला का चाचा राजेश शुक्ला पहले से अपराधी है। पुलिस ने उसे गुंडा घोषित जिला-बदर किया था। हत्या के पीड़ित परिवार का आरोप है कि चाचा ही शातिर आरोपी है। इसी की सह पर ऋषभ ने 3 हत्याएं की हैं। उधर, पुलिस ने ऋषभ के चाचा राजेश शुक्ला और उसकी बहन दिव्या पर 25-25 हजार रुपए का इनाम घोषित कर दिया। घटना के बाद से दोनों फरार हैं।

लखनऊ पुलिस ने 7 महीने पहले 16 मार्च 2026 को राजेश शुक्ला के खिलाफ कार्रवाई की थी। तत्कालीन पुलिस कमिश्नर अमरेंद्र कुमार सेंगर ने आरोपी राजेश शुक्ला को 'गुंडा' घोषित करते हुए कमिश्नरेट लखनऊ की सीमाओं से 3 महीने के लिए जिलाबदर का आदेश दिया था। आरोपी के खिलाफ महिलाओं का पीछा, अभद्र टिप्पणी करने, मारपीट और धमकी देने जैसे मामले दर्ज हैं। राजेश पर साल 2020 में एक पीड़िता की शिकायत पर मारपीट और गाली-गलौज का मामला दर्ज हुआ था, जिसमें 9 दिसंबर 2020 को चार्जशीट दाखिल की गई।

59 साल उम्र हो चुकी, इलाके में दहशत फैलाता था

सआदतगंज के ब्राह्मणी टोला, नौबस्ता निवासी राजेश शुक्ला मतलब ऋषभ के चाचा की उम्र 59 हो चुकी है। राजेश पर लंबे समय से इलाके में दहशत फैलाने का आरोप है। पुलिस रिपोर्ट के अनुसार, आरोपी अपने साथियों के साथ मिलकर मारपीट, गाली-गलौज, धमकी देने के साथ-साथ महिलाओं पर तंज कसने और उनका पीछा करने जैसे अपराधों में शामिल रहा है। इसके डर की वजह से इलाके के लोग पुलिस में शिकायत या गवाही देने से कतराते थे।

आरोपी ने पुलिस को दी थी सफाई

नोटिस जारी होने के बाद राजेश शुक्ला ने अपने वकील के माध्यम से सफाई पेश करते हुए आरोपों को झूठा और रंजिश से प्रेरित बताया। उसने दावा किया था कि एक मामले में सुलह हो चुकी है और अन्य मामले इलाके में अवैध निर्माण का विरोध करने के कारण दर्ज कराए गए हैं। हालांकि, सआदतगंज थाना प्रभारी की आख्या और अभियोजन पक्ष के तर्कों में यह स्पष्ट किया गया कि आरोपी आदतन अपराध करता है। इससे यह समाज व लोक व्यवस्था के लिए खतरा बना हुआ है।

एलडीए का फैसला : एक व्यक्ति एक ही प्लॉट ले सकेगा

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। नैमिष और वरुण विहार आवासीय योजनाओं में भूखंडों की तुलना में आवेदकों की संख्या करीब आठ गुना होने के बावजूद एक व्यक्ति को दो प्लॉट खरीदने की छूट देने का प्रस्ताव फिलहाल टल गया है। लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) ने विरोध के बाद इसे दो नवंबर को होने वाली बोर्ड बैठक में नहीं रखने का फैसला किया है। दोनों योजनाओं में करीब 4500 भूखंडों के लिए 35 हजार से अधिक आवेदन आए हैं। ऐसे में एक आवेदक को दो भूखंड खरीदने की अनुमति देने के प्रस्ताव पर सवाल उठाए गए हैं।

नैमिष और वरुण विहार योजनाओं में उपलब्ध भूखंडों के मुकाबले आवेदन 7.78 गुना अधिक हैं। इस स्थिति में एक व्यक्ति को दो भूखंड खरीदने की अनुमति देने से अधिक आवेदकों को मौका देने की व्यवस्था प्रभावित होने की आशंका जताई जा रही है। एलडीए के पूर्व बोर्ड सदस्य और भाजपा के पूर्व पार्षद रामकृष्ण यादव ने प्रस्ताव पर आपत्ति जताते हुए कहा कि जब प्राधिकरण सभी आवेदकों को भूखंड उपलब्ध नहीं करा पा रहा है, तो एक व्यक्ति को दो भूखंड खरीदने की छूट देने का औचित्य नहीं है। उन्होंने मौजूदा एक व्यक्ति-एक भूखंड का नियम बरकरार रखने की मांग की।

रामकृष्ण यादव ने कहा कि जिन्हें एक से अधिक भूखंड चाहिए, वे पुनर्विक्रय के जरिए दूसरा भूखंड खरीद सकते हैं। प्राधिकरण को अधिक से अधिक लोगों को आवास उपलब्ध कराने और अवैध प्लॉटिंग पर रोक लगाने पर ध्यान देना चाहिए। एलडीए बोर्ड के पूर्व सदस्य और भाजपा नेता गोविंद पांडेय ने भी प्रस्ताव पर सवाल उठाए।

आयोजन : दयाबस्ती में आयोजित हुई निरीक्षण सह विदाई परेड, जवानों ने मार्च-पास्ट कर दी सलामी

आरपीएफ की पहली महिला महानिदेशक सोनाली मिश्रा को दी गई भव्य विदाई

- आरपीएफ की पहली महिला महानिदेशक सोनाली मिश्रा को दी गई भव्य विदाई, 31 अक्टूबर को होंगी सेवानिवृत्त
- आधुनिकीकरण और तकनीक आधारित सुरक्षा में योगदान को किया याद

तमसा संकेत, संवाददाता

नई दिल्ली। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) की निवर्तमान महानिदेशक सोनाली मिश्रा को शुक्रवार को भव्य समारोह के साथ विदाई दी गई। रेलवे सुरक्षा विशेष बल की छठी बटालियन (6BN/RPSF), दयाबस्ती में उनके सम्मान में निरीक्षण सह विदाई परेड का आयोजन किया गया। इस दौरान आरपीएफ और आरपीएसएफ के जवानों ने अनुशासन और समर्पण का प्रदर्शन करते हुए मार्च-पास्ट किया और अपनी महानिदेशक को सलामी दी। सोनाली मिश्रा 31 अक्टूबर 2026 को सेवानिवृत्त हो रही हैं। वह रेलवे सुरक्षा बल की पहली महिला महानिदेशक रही हैं।

विदाई समारोह में विभिन्न टुकड़ियों ने शानदार मार्च-पास्ट किया। निरीक्षण वाहन से सोनाली मिश्रा ने जवानों की परेड का निरीक्षण किया। इस दौरान सैन्य बैंड की धुनों ने समारोह को विशेष बना दिया। उन्होंने जवानों की वर्दी, अनुशासन, सज्जा और आत्मविश्वास का बारीकी से निरीक्षण किया। परेड के माध्यम से जवानों ने उनके नेतृत्व के प्रति सम्मान और बल के प्रति अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित की। सोनाली मिश्रा मध्य प्रदेश कैडर की 1993 बैच की वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी हैं। उनका पुलिस सेवा में तीन दशक से अधिक का अनुभव रहा है। मध्य प्रदेश में उन्होंने जबलपुर, सीहोर और इंदौर समेत कई जिलों में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाईं। इसके बाद उन्होंने नीमच और रायसेन में पुलिस अधीक्षक (एसपी) तथा जबलपुर रेंज में पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) के रूप में सेवाएं दीं।

आधुनिकीकरण और तकनीक आधारित सुरक्षा पर दिया जोर

सोनाली मिश्रा ने 1 अगस्त 2025 को आरपीएफ महानिदेशक का पदभार संभाला था। उनके कार्यकाल में रेलवे सुरक्षा बल के आधुनिकीकरण, तकनीक आधारित सुरक्षा प्रणालियों और जवानों की व्यावसायिक दक्षता बढ़ाने पर विशेष ध्यान दिया गया। इसके साथ ही यात्रियों की सुरक्षा और रेलवे नेटवर्क को प्रभावित करने वाले अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए भी कई विशेष उपाय किए गए।

किसानों की समृद्धि, खुशहाली और आर्थिक आत्मनिर्भरता प्रधानमंत्री की सर्वोच्च प्राथमिकता

9.34 करोड़ से अधिक किसानों के खातों में पहुंचे 18,690 करोड़ से अधिक

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा देश के 9.34 करोड़ से अधिक किसानों के बैंक खातों में 24वीं किस्त के रूप में 18,690 करोड़ से अधिक की धनराशि हस्तांतरित किए जाने पर प्रधानमंत्री जी का हार्दिक आभार एवं अभिनंदन व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि दीपावली से पूर्व देश के करोड़ों अन्नदाताओं के खातों में सम्मान निधि की धनराशि पहुंचना किसानों के लिए खुशियों और आर्थिक संबल का उपहार है। यह केवल आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि देश के अन्नदाताओं के प्रति प्रधानमंत्री जी की संवेदनशीलता, प्रतिबद्धता और उनके सम्मान का प्रतीक है। उप मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने किसानों को देश की अर्थव्यवस्था और विकास की धुरी मानते हुए उनके हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि जैसी ऐतिहासिक योजना ने किसानों को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के साथ-साथ उनके आत्मसम्मान और आत्मविश्वास को भी नई ऊर्जा प्रदान की है। सीधे किसानों के बैंक खातों में धनराशि हस्तांतरित होने से बिचौलियों की भूमिका समाप्त हुई है और पारदर्शिता के साथ वास्तविक लाभार्थियों तक सहायता पहुंच रही है। यह सुशासन और तकनीक के प्रभावी उपयोग का उत्कृष्ट उदाहरण है। उन्होंने कहा कि किसान दिन-रात परिश्रम करके देशवासियों के लिए अन्न का उत्पादन करता है। उसकी मेहनत से देश की खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित होती है और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलती है। इसलिए किसानों की आय बढ़ाना, खेती की लागत कम करना, कृषि को लाभकारी बनाना, सिंचाई एवं कृषि सुविधाओं का विस्तार करना और किसानों को आधुनिक तकनीक से जोड़ना सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन में डबल इन्जन सरकार किसानों को आर्थिक सहायता देने के साथ ही उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाने, कृषि अवसंरचना को मजबूत करने और खेती को आधुनिक एवं तकनीक आधारित बनाने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है।

यूपी एटीएस की गिरफ्त में आया तो रोने लगा, कानपुर में मां बोली- कहता था गेम खेल रहा हूं

रिक्शा-चालक के बेटे ने चार लाख फेक ई-मेल आईडी बेची

खुलासा

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर । मेरे लीवर में छेद हो गया था, मेरा बच्चा इलाज कराता था...अब कैसे होगा इलाज ? पिता ने रिक्शा चलाकर उसे पढ़ाया कि बुढ़ापे का सहारा बनेगा, लेकिन पुलिस उसे उठाकर ले गई। मेरा बेटा डिजिटल मार्केटिंग का काम करता था, वह आतंकी गतिविधियों में शामिल नहीं हो सकता। यह कहना था कानपुर में ATS की गिरफ्त में आए 12वीं पास अंकित संखवार की मां सावित्री का।

मां ने कहा- बेटे से पूछने पर कहता था कि गेम खेल रहा हूं। वह रात में लैपटाप पर काम करता था।

अंकित, आरोपी

बता दें 24 अक्टूबर को कानपुर से यूपी एटीएस ने बम ब्लास्ट की धमकी देने वाले आरोपी को अरेस्ट किया है। उसने ईमेल से यूपी, दिल्ली, गुरुग्राम के स्कूलों में और एक्टर दिलजीत दोसांझ को बम से उड़ाने की धमकी भरे ईमेल भेजे थे। पकड़े जाने के बाद आरोपी रोने लगा।

पिता प्रहलाद ने कहा- मेरा बेटा ऐसा नहीं कर सकता। उसने 6 महीने पहले ही गोविंदनगर से पुराना लैपटॉप किस्तों में खरीदा था। यूपी एटीएस ने बताया- आरोपी पाकिस्तान, बांग्लादेश, तुर्की, इजिप्ट, यूएसए जैसे देशों में बैठे लोगों को फर्जी ईमेल आईडी बनाकर बेचता था। जिनका इस्तेमाल देश विरोधी गतिविधियों में शामिल किया जाता था। उसने 4 लाख से अधिक फेक ईमेल आईडी बेची थीं, जांच में सामने आया कि प्रत्येक ईमेल आईडी के बदले उसे 20 से 50 डॉलर मिलते थे।

वहीं, ब्लॉक तीन में उनका उनका बड़ा बेटा अतीत, पत्नी ममता और दो बच्चों के साथ किराए की कॉलोनी लेकर रहता है। उनका मंझला बेटा धर्मेंद्र अरुणाचाल प्रदेश में नगर निगम में संविदा में कार्यरत है। पिता प्रहलाद ने बताया- अंकित ने वर्ष 2020 में इंटर पास किया था। घर की आर्थिक स्थिति ठीक न होने के कारण उसने आगे पढ़ाई नहीं की। फिर वह मजदूरी करने लगा था। पैसे जोड़कर उसने एक वर्ष 2021 में स्कूटी ली थी।

मां के लीवर में छेद, आंखों में मोतियाबिंद

अंकित की मां सावित्री ने रोते हुए कहा- आखों में मोतियाबिंद भी है। बेटा ही शहर के एक प्राइवेट हॉस्पिटल से इलाज करा रहा था। उन्होंने कहा- अब मेरा इलाज कौन कराएगा। परिवार को भरोसा ही नहीं था कि उनका बेटा इस तरह की देश विरोधी गतिविधियों में शामिल हो गया था। सावित्री ने सब कुछ ठीक चल रहा था। लेकिन शनिवार को सादी वर्दी में दो युवक आए और पूछताछ के लिए ले जाने की बात कही थी। लेकिन छह दिन से उसका कुछ पता नहीं चल सका है। थाने चौकी के भी चक्कर काट लिए। मेरा बेटा निर्दोष है, उसे बर्रा के दोस्त ने फंसाया है।

अंकित के घर में खड़ा पिता का रिक्शा।

2025 में मिला था पीएम आवास योजना से घर

सजेती थानाक्षेत्र के ग्राम अनोईया निवासी प्रहलाद संखवार 4 साल पहले कानपुर आ गए थे। पहले वह बर्रा के दामोदर नगर में किराए में रहते थे। उन्होंने 20 जुलाई 2025 को 2 लाख रुपए में सेन पश्चिमपारा थानाक्षेत्र में प्रधानमंत्री आवास योजना में ब्लॉक 5 में एक कमरा लिया था। इसमें प्रहलाद, उनकी पत्नी सावित्री, छोटा बेटा आरोपी अंकित रहता है। प्रहलाद रिक्शा चलाते है, जबकि उनकी पत्नी सावित्री मजदूरी करती है।

देवरिया से दिल्ली रवाना हुआ कांग्रेसियों का जत्था

1 नवंबर को रामलीला मैदान की महारैली में होंगे शामिल

तमसा संकेत, एजेंसी

देवरिया । अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की ओर से एक नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में आयोजित होने वाली 'वोट बचाओ, देश बचाओ' महारैली में शामिल होने के लिए देवरिया से कांग्रेसियों का जत्था शुक्रवार शाम 4 बजे दिल्ली के लिए रवाना हुआ। दोपहर 1 बजे से ही देवरिया रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर-दो पर कार्यकर्ता जुटने लगे थे। हाथों में पार्टी का झंडा और सिर पर गांधी टोपी पहने कार्यकर्ताओं ने 'राहुल गांधी जिंदाबाद' और 'वोट चोर-गद्दी छोड़' के गगनभेदी नारे लगाए। दिल्ली रवाना होने से पहले जिलाध्यक्ष विजय शेखर मल्ल 'रोशन' ने कहा कि रामलीला मैदान की महारैली महज एक राजनीतिक आयोजन नहीं, बल्कि लोकतंत्र और संविधान की रक्षा की लड़ाई है। उन्होंने आरोप लगाया कि देश में वोट की चोरी कर लोकतंत्र को कमजोर करने की कोशिश हो रही है, जिसके खिलाफ नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी सड़क से लेकर संसद तक संघर्ष कर रहे हैं। देवरिया का हर कार्यकर्ता इस मुहिम में उनके साथ मुस्तैदी से खड़ा है। जिलाध्यक्ष ने बताया कि जिले के सभी 16 ब्लॉकों, नगर पंचायतों, शहर और न्याय पंचायतों से कार्यकर्ता स्वेच्छा से इस महारैली का हिस्सा बनने दिल्ली जा रहे हैं। जत्थे में जिला उपाध्यक्ष अरविंद शाही, भरत मणि त्रिपाठी, जुलेखा खातून, रामाशीष साहनी, अब्दुल जब्बार, महासचिव रत्नेश मल्ल पिंटू, मधु देवी, शहर अध्यक्ष मिर्जा खुर्शीद अहमद बेग समेत कई प्रमुख पदाधिकारी शामिल रहे।

फास्ट न्यूज

ढएल की पहली पाली का पेपर मध्यम से कठिन

आगरा । प्रारंभिक अर्हता परीक्षा (PET)-2026 की पहली पाली शुक्रवार दोपहर 12 बजे खत्म हो गई। परीक्षा देकर बाहर निकले अभ्यर्थियों ने पेपर को मध्यम से कठिन स्तर का बताया। अभ्यर्थियों के मुताबिक, सामान्य ज्ञान (जीके) के कुछ सवाल कठिन थे, वहीं गणित के प्रश्नों ने भी परेशान किया। रीजनिंग के सवाल भी कुछ अभ्यर्थियों के लिए चुनौतीपूर्ण रहे।

ट्रेन से कटकर 2 युवकों की मौत

कानपुर । कानपुर के पनकी में गुरुवार की रात करीब 8 बजे रेलवे क्रॉसिंग पार कर रहे दो युवक ट्रेन की चपेट में आ गए। हादसा इतना भीषण था कि दोनों के शव क्षत-विक्षत हो गए। घटना वहां लगे CCTV कैमरे में कैद हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

हादसे में मारे गए एक युवक की पहचान मैनपुरी निवासी संजीव उर्फ संजू (35) के रूप में हुई है। दूसरे युवक की शिनाख्त नहीं हो सकी है। मैनपुरी के किशनी कटरा निवासी टीकम सिंह किसान हैं। उनके तीन बेटे राकेश, दिलीप और संजीव उर्फ संजू थे।

दिवाली पर पटाखों की 128 अस्थायी दुकानें लगेंगी

आगरा। दीपावली पर हरित आतिशबाजी की बिक्री के लिए पुलिस कमिश्नरेट आगरा ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। नगर जोन में अस्थायी पटाखा दुकानों के लिए छह स्थान निर्धारित किए गए हैं। इन स्थानों पर कुल 128 अस्थायी लाइसेंस जारी किए जाएंगे। दुकानों के लिए आवेदन प्रक्रिया 30 अक्टूबर से शुरू हो गई है। 1 नवंबर तक चलेगी।

वारदात : व्यापारी ने मरते-मरते लिखा अपने हत्यारे का नाम

सीतापुर में खून से लथपथ ढाबे तक पहुंचा, करवाचौथ पर बहन के घर जा रहा था

तमसा संकेत, एजेंसी

नितेश मौर्य, मृतक

सीतापुर । सीतापुर में व्यापारी युवक का अपहरण कर उसका गला रेत दिया गया। हमलावर उसे मरा समझकर मौके से भाग निकले। होश में आने पर युवक किसी तरह लखीमपुर खीरी से सीतापुर बॉर्डर के एक ढाबे तक पहुंचा।

खून से लथपथ युवक गला कटने से बोल नहीं पा रहा था। उसने मौत से पहले एक पर्ची पर आरोपियों का नाम लिखा। लोगों से मदद अस्पताल पहुंचाने की गुहार लगाई। अस्पताल में डॉक्टरों के इलाज से पहले युवक ने दम तोड़ दिया।

पुलिस की जांच में सामने आया कि युवक करवाचौथ पर बहन के घर जाने के लिए निकला था। घरवालों ने रंजिश में हत्या का आरोप लगाते हुए 4 लोगों के खिलाफ शिकायत दी है। इस पर पुलिस ने कुछ लोगों को हिरासत में लिया है। घटना जिला मुख्यालय से 37 किमी दूर पिसांवा इलाके की है।

सीतापुर जिले के सरैया महिपत सिंह गांव के रहने वाले नितेश कुमार मौर्य (24) पानी 3 भाइयों में सबसे बड़ा था। एक भाई निकेत (20) दुबई में काम करता है। जबकि, दूसरा भाई सचिन (19) है। पिता दिनेश कुमार (45) किसान हैं। नितेश धान-गेहूं की खरीद-फरोख्त के अलावा RO प्लांट का काम भी करता था। नितेश की दो बहनें नेहा और खुशबू हैं, जिनमें खुशबू (26) की शादी हो चुकी है। चाचा हरीश कुमार मौर्य (39) ने पुलिस को बताया- नितेश बुधवार को अपनी बहन को करवा देने के लिए लखनऊ के बख्शी का तालाब जाने की बात कहकर घर से निकला था। लखनऊ में उसका एक मकान भी बन रहा है। इसके चलते वो बाइक पर सिलेंडर बांधकर निकला था।

हरीश कुमार के मुताबिक, गुरुवार सुबह बाराबंकी के बड़ूपुर थाना क्षेत्र में डफरपुर चौराहे के पास नितेश की बाइक लावारिस पड़ी मिली।

बाइक पर सिलेंडर बंधा हुआ था, लेकिन नितेश वहां नहीं था।

झांसी में 12 साल के बच्चे को किडनैप कर गंदा काम करने का आरोप

'काली सरकार' पर रेप की एफआईआर

तमसा संकेत, एजेंसी

झांसी । 'काली सरकार' के नाम से दरबार लगाने वाले प्रदीप शुक्ला उर्फ नटरोज पर 12 साल के बच्चे के अपहरण और कुकर्म का केस दर्ज हुआ है। आरोप है कि वह बच्चे को परिजनों को बिना बताए हरिद्वार, दिल्ली और लखनऊ ले गया और उसका यौन शोषण किया।

22 अक्टूबर को झांसी लौटने पर उसने बच्चे को घर जाने से पहले डराया और किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी दी। घर पहुंचकर बच्चे ने पूरी आपबीती दादा को सुनाई। दादा ने थाने में शिकायत की, लेकिन सुनवाई नहीं हुई। इसके बाद एसएसपी से गुहार लगाई। उनके आदेश पर 29 अक्टूबर की देर रात FIR दर्ज की गई।

मामला जिला मुख्यालय से करीब 68 किलोमीटर दूर मऊरानीपुर थाना क्षेत्र का है। आरोपी को इससे पहले 10 अक्टूबर को 30 साल पुराने लूट के मामले में पुलिस ने हिरासत में लिया था। हालांकि, अगले दिन कोर्ट से राहत मिलने पर वह झांसी लौट आया। आरोप है कि वह करीब 22 साल से पहचान छिपाकर रह रहा था। आर्मी जैसी ड्रेस पहनकर दिव्य दरबार लगाता था और बीमारियां ठीक करने का दावा करता था।

ये तस्वीर काली सरकार बाबा उर्फ प्रदीप शुक्ला की गिरफ्तारी से पहले की है। जब लोग मऊरानीपुर में उसका आशीर्वाद लेने आते थे।

उधर, एफआईआर के बाद काली बाबा ने वीडियो जारी कर कहा- मैं पक्का बीजेपी वाला हूं। मैं 30 साल से कुछ करने के लायक नहीं हूं। मेरा सबके सामने मेडिकल कराया जाए। पीड़ित के दादा ने पुलिस को बताया- मेरा पोता 12 साल का है। वो गांव के काली सरकार मंदिर में हर रोज दर्शन करने के लिए जाता था। मंदिर के पुजारी सत्यानंद शुक्ला है, जिसका असली नाम प्रदीप शुक्ला उर्फ नटरोज है। वो दरबार लगाता है। पोते के नियमित मंदिर जाने से बाबा ने संपर्क बढ़ा लिया।

पैसे, खाने-पीने और नए कपड़े देने के बहाने वह बच्चे को अपने पास बुलाने गया।

नाम बदलकर मंदिर में रह रहा था

कुछ समय पहले पुलिस को बाबा के झांसी में होने के बारे में पता चला। पुलिस ने जांच की, तो उसके ठिकाने का भी पता चल गया।

10 अक्टूबर को हरदोई और मऊरानीपुर पुलिस की संयुक्त टीम ने मंदिर में दबिश देकर काली सरकार बाबा उर्फ प्रदीप शुक्ला को हिरासत में लिया था।

हरदोई पुलिस उसे हरदोई ले गई। जहां उसे कोर्ट से राहत मिल गई थी। इसके बाद वह झांसी लौट आया था।

आधी रात सोते वक्त हादसा, मां घायल, 3 घंटे रेस्क्यू ऑपरेशन चला

बुलंदशहर में 2 मंजिला मकान ढहा, चाचा-भतीजे की मौत

तमसा संकेत, एजेंसी

शिकारपुर, बुलन्दशहर। बुलंदशहर में गुरुवार देर रात 2 मंजिला मकान ढहने से चाचा-भतीजे की मौत हो गई। रात 12.30 बजे मकान अचानक भरभराकर गिर गया। घर में सो रहे परिवार के 3 लोग मलबे में दब गए।

धमाके जैसी आवाज सुनकर पड़ोसी अपने घरों से बाहर आए। पुलिस, SDRF और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची। 3 घंटे चले रेस्क्यू के बाद मलबे में दबे तीनों लोगों को बाहर निकाला।

घायलों को एंबुलेंस से अस्पताल भेजा। जहां चाचा-भतीजे को डॉक्टर्स ने मृत घोषित कर दिया। 70 साल की मां का इलाज चल रहा है। हादसा जिला मुख्यालय से करीब 58 किमी दूर छतारी कस्बे में हुआ।

छतारी कस्बे के रहने वाले राजेश (30) मजदूरी करते थे। परिवार में मां चंद्रकला (70), 7 भाई-बहन अंदकुमार (50), रामेश्वर (47), सुनीता (45), ज्ञानचंद (43), रेखा (39), महेश (37), पुष्पा (35) हैं। पिता की कुछ साल पहले ही मौत हो गई।

राजेश की शादी नहीं हुई थी। बहनों की शादी हो चुकी है। एक भाई ज्ञानचंद परिवार के साथ पड़ोस के मकान में रहते हैं। बाकी शहर में रहकर काम करते हैं। राजेश घर में मां चंद्रकला के साथ रहते थे। ज्ञानचंद के तीन बच्चे अजय (21), शिवानी (18) और सचिन (16) हैं। ज्ञानचंद मजदूरी करते हैं। बेटा सचिन ज्यादातर राजेश के साथ ही काम करता था। रात में दादी के पास ही सोता था।

पड़ोसियों ने बताया कि 2 मंजिला मकान 450 स्क्वायर फीट में 5 साल पहले बना था। मकान में एक कमरा और बरामदा ग्राउंड फ्लोर पर था। पहली मंजिल पर एक कमरा बना था।

थानाध्यक्ष छतारी रविन्द्र कुमार ने बताया घायलों में राजेश और सचिन मौत हो गई है। दोनों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बुलंदशहर भेज दिया गया है।

पुलिस ने सचिन और राजेश के शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा।

तीन घंटे तक चला रेस्क्यू ऑपरेशन

करीब 3 घंटे चले रेस्क्यू अभियान के बाद पुलिस और एनडीआरएफ की टीम ने तीनों को मलबे से बाहर निकाल लिया। घायलों को मेडिकल कॉलेज अलीगढ़ भेजा गया। जहां डॉक्टरों ने राजेश और सचिन को मृत करार दे दिया। घायल चंद्रकला की हालत खतरे से बाहर है। सूचना मिलने पर एसपी देहात अंतरिक्ष जैन भी मौके पर पहुंचे।

हाईकोर्ट गाजियाबाद डीएम की कार्यशैली से नाराज

डीएम ने हलफनामा दिया फिर खेद जताया

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रयागराज । इलाहाबाद हाईकोर्ट ने गाजियाबाद के जिलाधिकारी द्वारा दाखिल हलफनामे और उसके साथ लगाई गई जांच रिपोर्ट पर कड़ी नाराजगी जताई है।

न्यायमूर्ति अजित कुमार और न्यायमूर्ति गरिमा प्रसाद की खंडपीठ ने बिजेंद्र कुमार की याचिका की सुनवाई के दौरान कहा कि मामले में शिकायत को दबाने का स्पष्ट प्रयास दिखाई देता है।

आईएएस गाजियाबाद के जिलाधिकारी रवींद्र कुमार मंदार ने व्यक्तिगत हलफनामा दाखिल कर बताया कि फरवरी 2026 में तीन सदस्यीय समिति गठित की गई थी। समिति ने 17 फरवरी 2026 को डीएम को अपनी रिपोर्ट सौंपी थी।

कोर्ट ने पाया कि हलफनामे के साथ संलग्न रिपोर्ट पर समिति के अन्य दो सदस्यों, यानी क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी, गाजियाबाद और थानाध्यक्ष, मुरादनगर के हस्ताक्षर नहीं थे। अदालत में उपस्थित डीएम ने कहा कि यह रिपोर्ट समिति के अध्यक्ष द्वारा दी गई है और अध्यक्ष के हस्ताक्षर वाली रिपोर्ट को समिति की रिपोर्ट माना जाना चाहिए। हलफनामे में कहा गया कि जांच रिपोर्ट मिलने के बाद मामला 25 फरवरी 2026 को ₹आवश्यक कार्रवाई₹ के लिए क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी को भेज दिया गया। इस पर कोर्ट ने सवाल उठाया कि जब वह अधिकारी स्वयं समिति के आवश्यक सदस्य हैं ।

पृष्ठ 01 का शेष...

यूपी में बीजेपी अंगद ...

शाह ने बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय के सभागार में हो रही बैठक में विधानसभा चुनाव के रोडमैप पर बात की। 2500 से ज्यादा कार्यकर्ताओं को यूपी में भाजपा की हैट्रिक लगाने का मंत्र दिया। शाम 5 बजे समापन सत्र को सीएम योगी संबोधित करेंगे।

यूपी में भाजपा के प्रभारी विनोद तावड़े ने कहा है कि यूपी का विधानसभा चुनाव अमित शाह के मार्गदर्शन में होगा। विनोद तावड़े ने विधानसभा चुनाव में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व को लेकर हुए सवाल के जवाब में कहा कि आज गृह मंत्री अमित शाह ने सीएम योगी आदित्यनाथ की बार-बार तारीफ की है। समझदार को इशारा काफी है। UGC के मुद्दे पर हम अपने वोटर्स से संवाद कर उन्हें समझाएंगे ।

अमित शाह ने कहा- 50 लाख करोड़ का निवेश आया। 15 लाख करोड़ के निवेश धरातल पर आए हैं। सपा और बसपा के सभी टर्म मिला लें तो हमारे योगी जी का एक टर्म उनसे ज्यादा है। कानून व्यवस्था सुधरने से निवेश आया है। निवेश से रोजगार आया है। डबल इंजन की सरकार है। केंद्र ने यहां कोई कमी नहीं रखी है। यूपी के इंफ्रास्ट्रक्चर मे हजारों करोड़ रुपए भारत सरकार ने दिया है। यूपी में देश का सबसे बड़ा एक्सप्रेस-वे नेटवर्क है। जेवर में देश का सबसे बड़ा एयरपोर्ट बना है।

शाह ने सीएम योगी की तारीफ की। कहा कि योगी ने माफिया को समाप्त किया। इसके लिए उन्हें बधाई। ये लोग तुष्टिकरण करते थे। पांच सौ साल तक मंदिर नहीं बना पाए, लेकिन मोदी की दूसरी बार सरकार बनी तो राम मंदिर बना। अमित शाह ने कहा- हिमालय से लेकर गंगोत्री तक भगवा ही भगवा है। राहुल और अखिलेश को कुछ करना है तो कुछ कीजिए नहीं तो मोदी जी फिर चौथी बार PM बनेंगे।

कांग्रेस पर निशाना साधते हुए अमित शाह ने कहा- यूपी में 41 साल, गुजरात में 41 साल से सरकार नहीं बनी है। यदि यही क्रियाकलाप रहा तो आगामी 30 साल तक राहुल और अखिलेश का नंबर नहीं आएगा। यूपी के देव तुल्य कार्यकर्ता के आधार पर कहता हूं कि 30 साल तक बीजेपी की सरकार रहेगी।

अमित शाह ने कहा- मैच हारने के बाद अब अंपायर पर आरोप लगाया जा रहा है कि वोट चोरी हुई। बीजेपी संसद में चर्चा के लिए तैयार है। एक बार आइए, विशेष सत्र बुलाते हैं। हम एक एक बात का जवाब देने को तैयार हैं। संसद में चर्चा कीजिए।

शाह बोले- अखिलेश ...

अब नशामुक्ति की बात है तो दिसंबर 2029 तक नशामुक्ति करनी है। हमारी सरकार बनने के बाद दंगों ने 70% गिरावट आई है। जनता को बताना है कि यदि बीजेपी की सरकार नहीं आई तो क्या होगा।

95 साल बाद...

रेफरेंस डेट 1 मार्च 2027 को 00:00 बजे यानी रात 12 बजे होगी।

मणिपुर- यहां जातीय हिंसा की वजह से स्थिति अभी सामान्य नहीं है। इसलिए मणिपुर की जनगणना अनिश्चितकाल के लिए टाल दी गई है।

5 चुनावी राज्य- गोवा, उत्तर प्रदेश, पंजाब, उत्तराखंड और मणिपुर में 2027 की शुरुआत में विधानसभा चुनाव हो सकते हैं, इसलिए स्टाफ चुनाव में लगेगा।

बर्फ वाले इलाकों में बाद में होगी- जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश के बर्फ वाले इलाके- जैसे लाहौल-स्पीति, किन्नौर के ऊंचे इलाके। यहां बर्फबारी के चलते रास्ते बंद हो जाते हैं। यहां सितंबर-अक्टूबर में हो सकती है।

गृह मंत्रालय के तहत रजिस्ट्रार जनरल ऑफ इंडिया। सेंसस एक्ट 1948 की धारा 3 के तहत आदेश जारी हुआ है। करीब 30 लाख प्रगणक और सुपरवाइजर टैबलेट/मोबाइल ऐप से डेटा लेंगे।

जनगणना के दौरान तीन स्टेप फॉलो करने होंगे। पहला आप चाहें तो खुद ऑनलाइन भर दें, फिर प्रगणक आपके घर आएगा और आखिर में 5 दिन का रिवीजन राउंड होगा, ताकि कोई न छूटे।

फ्रेंच नेवी के राफेल ...

भारत के INS विक्रांत और INS विक्रमादित्य में यही व्यवस्था है।

ज्ञानेश कुमार के...

विपक्षी गठबंधन INDIA ब्लॉक 1 नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में 'वोट बचाओ, देश बचाओ' रैली करेगा। रैली में ऑल इंडिया स्टूडेंट यूनियन (AISA) भी शामिल होगी।

सपा नेता धर्मेंद्र यादव ने कहा, 'पूरा विपक्ष जो लड़ाई लड़ रहा है उसे देश के लोग अब समझ गए हैं। वे समर्थन कर रहे हैं। यूपी में एमएलसी चुनाव में यह भाजपा को अहसास कराया कि वे कितना पीछे हैं। जो सीट वो जीते हैं वो जुगाड़ बेईमानी से जीते हैं। सभी सीटों पर पढ़े लिखे लोगों ने सपा को मजबूत किया।

TMC सांसद डेरेक ओ'ब्रायन ने कहा, 'मैं सिर्फ एक बात कहना चाहता हूं। हम सभी इस लड़ाई में साथ हैं। यह राजनीतिक दलों के साथ-साथ आम लोगों की भी लड़ाई है। हम सब मिलकर लड़ेंगे और जीतेंगे।'

चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (CTI) ने शुक्रवार को फिर कांग्रेस से 1 नवंबर को प्रस्तावित कांग्रेस की मेगा रैली स्थगित करने की अपील की है। इस बार नेता सोनिया गांधी को पत्र लिखा। CTI ने इससे पहले तीन बार राहुल गांधी को लेटर लिखा था।

स्वामी प्रसाद हमारे ...

धूमधाम मचाने वाले धड़ाम से गिर गए हैं। गिनती में सिर्फ 5 MLC सीटें ही दिखती हैं, लेकिन ये लोग 50 जिलों में हारे हैं। सपा प्रमुख ने कहा- आम जनता में यह बात चली गई है कि भाजपा के लोग बेईमान हैं। सपा के लोग जनता के बल से जीते हैं। ये लोग 6 सीटें छल से जीते हैं। अगर इन्होंने छल नहीं किया होता तो शायद ये इतनी भी नहीं जीतते। जब उनसे अमित शाह के लखनऊ दौरे पर सवाल किया गया तो अखिलेश ने जवाब दिया कि बड़ी देर कर दी महरबां आते-आते। अखिलेश ने अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन के प्रसिद्ध कथन- 'गवर्नमेंट ऑफ द पीपल, बाय द पीपल, फॉर द पीपल' का जिक्र किया। कहा कि MLC चुनाव सिर्फ एक जीत नहीं है, बल्कि लोकतंत्र को बचाने की एक बड़ी लड़ाई है। हमारे नेताओं और कार्यकर्ताओं ने यह साबित कर दिया है कि वे जनता की आवाज को कभी दबने नहीं देंगे।

दिल्ली में राहुल गांधी ...

स्वामी प्रसाद ने सपा नेतृत्व पर समाजवादी विचारधारा से भटकने और उनके साथ भेदभाव करने का आरोप लगाया था। रामचरितमानस और अयोध्या में राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह को लेकर दिए गए उनके बयानों के बाद पार्टी में विरोध हुआ। मौर्य का आरोप था कि पार्टी के नेताओं के हमलों और विरोध के दौरान नेतृत्व ने उनका बचाव नहीं किया।

बद्रीनाथ से देहरादून ...

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, उत्तराखंड में क्रैश हुए हेलिकॉप्टर में कर्नाटक पुलिस के इंस्पेक्टर अरुण भी सवार थे। वहीं, हादसे की जांच एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो (AAIB) करेगा। केंद्र सरकार के मुताबिक, 2016 और 2026 के बीच उत्तराखंड में 13 हेलीकॉप्टर हादसे हुए, जिनमें 27 लोगों की मौत हुई।

सोमनाथ मंदिर के ...

साथ ही एक व्यापारी को तो पुलिस चौकी में ले जाकर लिखवाया कि भविष्य में नॉन-वेज नहीं बेचेंगे। ये हमारे आर्टिकल 19(1)(g)- व्यापार करने के मौलिक अधिकार का उल्लंघन है।

सुनवाई के दौरान गुजरात सरकार के वकील जीएच विर्क दलील दी- "सोमनाथ सिर्फ बाजार नहीं है। 1.16 करोड़ श्रद्धालु 9 महीने में आते हैं। हरिद्वार, ऋषिकेश, अमृतसर (स्वर्ण मंदिर), मथुरा-वृंदावन, अयोध्या में भी ऐसे बैन हैं और हाईकोर्ट ने उन्हें सही माना है। हम दुकान बंद नहीं करवा रहे, वे वेज बेच सकते हैं।"सरकार का यह भी तर्क था कि अब सोमनाथ जिला नया बना है, एरिया बड़ा हो गया है।

13 गेंद बाकी रहते टारगेट हासिल किया, अब्बास अफरीदी ने 8 गेंदों पर 35 रन बनाए

हॉन्गकॉन्ग सिक्सेस : पाकिस्तान ने भारत को 4 विकेट से हराया

मुकाबला

> आउट हुए। शशांक सिंह ने आते ही आक्रामक बल्लेबाजी की। उन्होंने 11 गेंदों पर 40 रन बनाए। उनकी पारी में 2 चौके और 5 छक्के शामिल रहे।

नई दिल्ली, एजेंसी

हॉन्गकॉन्ग इंटरनेशनल सिक्सेस में पाकिस्तान ने भारत को 4 विकेट से हरा दिया। शुक्रवार को खेले गए ग्रुप-C के मुकाबले में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 6 ओवर में 5 विकेट पर 88 रन बनाए। जवाब में पाकिस्तान ने 3.5 ओवर में 2 विकेट पर 91 रन बनाकर मुकाबला जीत लिया। पाकिस्तान ने 13 गेंद बाकी रहते 89 रन का टारगेट हासिल किया। पाकिस्तान की जीत में अब्बास अफरीदी और ख्वाजा नफे ने अहम भूमिका निभाई। अब्बास ने 8 गेंदों पर 35 रन बनाए। उन्हें को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। इसके बाद नफे ने भी तेजी से रन बनाए। वह 12 गेंदों पर 41 रन बनाकर राहुल तेवतिया का शिकार बने। उनकी पारी में 2 चौके और 5 छक्के शामिल रहे। इसके बाद अब्दुल समद ने 3 गेंदों पर नाबाद 7 और इरफान खान ने एक गेंद पर नाबाद 6 रन बनाकर पाकिस्तान को जीत दिला दी।

पाकिस्तान ने 3.5 ओवर में मैच खत्म किया

89 रन के टारगेट का पीछा करने उतरे पाकिस्तान के बल्लेबाजों ने शुरुआत से ही तेज बल्लेबाजी की। ख्वाजा नफे और अब्बास अफरीदी ने भारतीय गेंदबाजों पर दबाव बनाया। दोनों ने पहले विकेट के लिए 2.1 ओवर में 59 रन जोड़े। अब्बास 8 गेंदों पर 35 रन बनाकर शशांक सिंह की गेंद पर आउट हुए।

भारत की ओर से गेंदबाजी में राहुल तेवतिया और शशांक सिंह को एक-एक विकेट मिला। हालांकि, भारतीय गेंदबाज रन रोकने में नाकाम रहे। क्रुणाल पंड्या ने एक ओवर में 31 रन दिए, जबकि टी नटराजन ने एक ओवर में 28 रन खर्च किए। शशांक सिंह ने 14 रन देकर एक विकेट लिया। पाकिस्तान ने 3.5 ओवर में ही 91 रन बनाकर मुकाबला अपने नाम कर लिया।

भारत की शुरुआत अच्छी नहीं रही। राहुल त्रिपाठी 5 गेंदों पर 9 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद नीतीश राणा ने 14 गेंदों पर 19 रन बनाए। वह रिटायर्ड

शशांक-नीतीश के बीच 57 रन की साझेदारी

शशांक ने नीतीश राणा के साथ दूसरे विकेट के लिए 57 रन की साझेदारी की। हालांकि, उनके आउट होने के बाद भारतीय पारी लड़खड़ा गई। राहुल तेवतिया और कप्तान क्रुणाल पंड्या खाता भी नहीं खोल सके। दोनों को अब्दुल समद ने लगातार गेंदों पर आउट किया। टी नटराजन ने 6 गेंदों पर नाबाद 12 रन बनाए। भारत ने 6 ओवर में 88 रन बनाए।

सिंधु-लक्ष्य हाइलो ओपन बैडमिंटन के क्वार्टर फाइनल में

सिंधु ने सीधे गेम में जीता मैच, मालविका और इशरानी बाहर

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत की पीवी सिंधु और लक्ष्य सेन ने गुरुवार को जर्मनी के सारब्रुकन में चल रहे हाइलो ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली।

सिंधु ने महिला सिंगल्स के दूसरे राउंड में फ्रांस की रोसी ओक्टाविया पंकसारी को 26 मिनट में 21-9, 21-6 से हराया।

पुरुष सिंगल्स में लक्ष्य सेन ने हमवतन किरण जॉर्ज को 54 मिनट में 21-15, 18-21, 21-12 से शिकस्त दी। दूसरी ओर मालविका बंसोड़ और इशरानी बरुआ हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गईं।

दूसरी वरीयता प्राप्त सिंधु ने फ्रांस की पंकसारी के खिलाफ शुरुआत से ही दबदबा बनाए रखा। उन्होंने मैच में खेले गए 57 पॉइंट में से 42 अपने नाम किए।

फ्रेंच ओपन में उपविजेता रहीं पूर्व विश्व चैंपियन सिंधु ने पहले राउंड में प्रकृति भारत को हराया था। अब क्वार्टर फाइनल में उनका सामना डेनमार्क की अमली शुल्ज से होगा।

दूसरी वरीयता प्राप्त सिंधु ने शुरुआत से ही मैच पर पकड़ बनाए रखी। उन्होंने फ्रांस की पंकसारी को दोनों गेम में वापसी का मौका नहीं दिया। सिंधु ने मुकाबले में खेले गए 57 पॉइंट में से 42 अपने नाम किए, जबकि उनकी प्रतिद्वंद्वी को 15 पॉइंट मिले। भारत के टॉप रैंकिंग वाले पुरुष सिंगल्स खिलाड़ी लक्ष्य सेन ने प्री-क्वार्टर फाइनल में हमवतन किरण जॉर्ज को हराया। लक्ष्य ने पहला गेम 21-15 से जीता, लेकिन दूसरे गेम में 18-21 से हार गए।

राशिद टी20 इंटरनेशनल में 200 विकेट लेने वाले पहले गेंदबाज

उमरजई का 44 गेंद पर शतक, अफगानिस्तान ने जिम्बाब्वे सीरीज जीती

नई दिल्ली। अफगानिस्तान के लेग स्पिनर राशिद खान मेंस टी-20 इंटरनेशनल क्रिकेट में 200 विकेट लेने वाले दुनिया के पहले गेंदबाज बन गए।उन्होंने 120 मैचों में यह माइल स्टोन हासिल किया।

शारजाह में गुरुवार को राशिद खान ने दूसरे टी-20 मैच में जिम्बाब्वे के विकेटकीपर तादिवनाशे मरुमानी को LBW किया। मरुमानी राशिद का 200वां विकेट बने।

इस मैच को अफगानिस्तान ने 19 रन से जीता। उसने 3 मैचों की सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त हासिल कर ली। तीसरा मुकाबला एक नवंबर को खेला जाएगा।

टेस्ट के सबसे युवा कप्तान हैं। 2019 में 20 साल 350 दिन की आयु में बांग्लादेश के खिलाफ चटग्राम में अफगानिस्तान की कप्तानी की थी। वनडे के सबसे युवा कप्तान। 19 साल 165 दिन की उम्र में 2018 में बुलवायो में स्कॉटलैंड के खिलाफ अफगानिस्तान की वनडे टीम की कप्तानी की थी। अफगानिस्तान शुरुआती 4 विकेट 20 से कम रन पर गंवाने के बाद टी-20 इंटरनेशनल मैच 200 से ज्यादा रन बनाने वाली पहली टीम बनी।

40 साल 188 दिन की उम्र में T20I शतक लगाया। वे मेंस T20 इंटरनेशनल में शतक लगाने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बने।

अजमतुल्लाह उमरजई और इजाज अहमद अहमदजई ने 142 रन की साझेदारी की। यह T20I में छठे या उससे निचले विकेट के लिए सबसे बड़ी साझेदारी है।

उमरजई ने 50 गेंदों पर 116 रन बनाए। उनकी पारी में 5 चौके और 12 छक्के शामिल रहे। उन्होंने 44 गेंदों पर अपना पहला T20I शतक पूरा किया। उनका स्ट्राइक रेट 232 रहा।

अफगानिस्तान की पारी के आखिरी ओवर में राशिद खान ने कुंदई मतिगीमु की गेंदों पर 4 छक्के लगाए। उन्होंने सिर्फ 6 गेंदों पर नाबाद 25 रन बनाए। अफगानिस्तान 221/7 के स्कोर तक पहुंचा।

अब तक फिट नहीं, सिराज और नीतीश रेड्डी इंडिया ए से जुड़ेंगे, चौथा टी-20 मैच खेला जाएगा

प्रसिद्ध कृष्णा न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज से बाहर

नई दिल्ली। प्रसिद्ध कृष्णा न्यूजीलैंड के खिलाफ 5 मैचों की वनडे सीरीज से बाहर हो गए हैं। BCCI ने शुक्रवार को बताया कि प्रसिद्ध को फिट होने की शर्त पर ही टीम में शामिल किया गया था। लेकिन, उन्हें पूरी तरह ठीक होने में थोड़ा समय और लगेगा।

प्रसिद्ध जांघ की चोट (हैमस्ट्रिंग) से उबर रहे हैं। वे 30 सितंबर को वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे वनडे में चोटिल हुए थे।

नीतीश कुमार रेड्डी न्यूजीलैंड के खिलाफ 4 नवंबर को होने वाले पहले वनडे के लिए भारतीय टीम का हिस्सा बने रहेंगे। वे न्यूजीलैंड-ए के खिलाफ तीसरे और आखिरी 4 दिवसीय मैच के लिए इंडिया-ए टीम से जुड़ेंगे। इससे उन्हें 19 नवंबर से शुरू होने वाली 2 टेस्ट मैचों की सीरीज से पहले मैच प्रैक्टिस का मौका मिलेगा।

भारत के वनडे कप्तान शुभमन गिल के साथ प्रसिद्ध कृष्णा। (फाइल फोटो)

दूसरे अनऑफिशियल टेस्ट के लिए इंडिया-ए

यशस्वी जायसवाल, साई सुदर्शन, देवदत्त पडिक्कल, यश राठौड़, आर. स्मरण, ध्रुव जुरेल (कप्तान और विकेटकीपर), वॉशिंगटन सुंदर, मोहम्मद सिराज, आकाश दीप, शिखर मोहन, मुकेश चौधरी, मुकेश कुमार, मानव सुथार और कुमार कुशाग्र (विकेटकीपर)।

शुरुआती 3 वनडे के लिए भारतीय टीम

शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर (उपकप्तान), केएल राहुल (विकेटकीपर), अक्षर पटेल, नमन धीर, अंशुल कंबोज, गुरनूर बराड़, ऋतुराज गायकवाड़, अर्शदीप सिंह, ईशान किशन (विकेटकीपर), मोहम्मद सिराज, कुलदीप यादव और नीतीश कुमार रेड्डी (केवल पहले वनडे के लिए)।

भारत और न्यूजीलैंड के बीच 5 मैचों की वनडे सीरीज 4 नवंबर से खेली जाएगी। फिलहाल, टीम इंडिया 5 मैचों की टी-20 सीरीज में 3-0 से आगे चल रही है। आज चौथा टी-20 मैच खेला जाएगा।

प्रसिद्ध इंडिया ए से खेलेंगे, टेस्ट सीरीज की तैयारी होगी

प्रसिद्ध फिटनेस टेस्ट पास करने के बाद न्यूजीलैंड-ए के खिलाफ तीसरे अनऑफिशियल टेस्ट के लिए इंडिया-ए से जुड़ेंगे। इससे उन्हें टेस्ट सीरीज से पहले मैच प्रैक्टिस करने में मदद मिलेगी। मोहम्मद सिराज 31 अक्टूबर से न्यूजीलैंड-A के खिलाफ शुरू होने वाले दूसरे 4 दिवसीय मैच के लिए इंडिया-A टीम से जुड़ेंगे। नीतीश कुमार रेड्डी तीसरे चार दिवसीय मैच में टीम के साथ जुड़ेंगे। यह मैच 7 नवंबर से लिंकन में खेला जाएगा।

टेस्ट सीरीज के लिए प्रसिद्ध की फिटनेस पर ज्यादा ध्यान

हेड कोच गौतम गंभीर और कप्तान शुभमन गिल न्यूजीलैंड के खिलाफ दो टेस्ट मैचों के लिए प्रसिद्ध को टीम में चाहते हैं। इसलिए उनकी फिटनेस पर ज्यादा ध्यान दिया जा रहा है।

भारत के लिए वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (WTC) फाइनल की रेस के लिहाज से यह सीरीज अहम है। यही कारण है कि टीम मैनेजमेंट ने उन्हें वनडे में नहीं उतारने का फैसला लिया है।

मनोरंजन

'उरी' नहीं चलती तो हिमाचल लौट जातीं, 'आर्टिकल 370' के लिए नेशनल अवॉर्ड मिला

एक्टिंग छोड़कर खेती करने वाली थीं यामी

नई दिल्ली, एजेंसी

टीवी से करियर शुरू करने वाली यामी गौतम ने 2012 में 'विक्की डोनर' से बॉलीवुड में डेब्यू किया। पहली फिल्म हिट रही, लेकिन आगे का सफर आसान नहीं रहा। 'टोटल सियापा', 'एक्शन जैक्सन', 'सनम रे', 'जुनूनियत', 'सरकार 3' और 'बत्ती गुल मीटर चालू' के बॉक्स ऑफिस पर निराशाजनक प्रदर्शन के बीच उन्होंने एक्टिंग छोड़कर हिमाचल प्रदेश में खेती करने का मन बना लिया था।

यामी ने बताया कि उन्होंने वहां जमीन खरीदी थी। 'उरीः द सर्जिकल स्ट्राइक' नहीं चलती तो वह बैग पैक करके घर लौट जातीं। हालांकि, 'उरी' और 'बाला' की सफलता ने उनके करियर को नई दिशा दी। बाद में 'ओएमजी 2' और 'आर्टिकल 370' जैसी फिल्मों में उन्होंने अभिनय क्षमता साबित की। 'आर्टिकल 370' में जूनी हक्सर के किरदार के लिए उन्हें 72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों में सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का सम्मान मिला। पहली फिल्म की सफलता के बाद यामी के करियर से तेजी से आगे बढ़ने की उम्मीद थी। हालांकि, बॉलीवुड में एक हिट फिल्म से लंबी पारी तय नहीं होती। कलाकार को लगातार अच्छी भूमिकाओं और सफल फिल्मों की जरूरत होती है। यामी के साथ भी यही हुआ।

'बदलापुर' एक एक्शन क्राइम ड्रामा है, जिसमें यामी गौतम, वरुण धवन और नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाई थीं।

टीवी से बॉलीवुड तक का सफर, पहली फिल्म से मिली पहचान

यामी गौतम ने करियर में कई उतार-चढ़ाव देखे। बॉलीवुड में कदम रखने से पहले उन्होंने टेलीविजन पर काम किया। 'चांद के पार चलो' और 'ये प्यार न होगा कम' जैसे शोज से उन्हें पहचान मिली। इसके बाद उन्होंने फिल्मों की ओर रुख किया। यामी ने 2012 में रिलीज हुई 'विक्की डोनर' से हिंदी सिनेमा में डेब्यू किया। शूजित सरकार के निर्देशन में बनी इस फिल्म में उनके साथ आयुष्मान खुराना थे। स्पर्म डोनेशन जैसे संवेदनशील विषय पर बनी कॉमेडी-ड्रामा को दर्शकों ने पसंद किया। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल रही और यामी को पहचान मिली।

आमिर की पत्नी गौरी ने मनाया पहला करवा चौथ

प्रियंका चोपड़ा, शिल्पा शेट्टी और रकुल प्रीत सिंह ने भी रखा व्रत

नई दिल्ली। प्रियंका चोपड़ा, आमिर खान, शिल्पा शेट्टी, सोनम कपूर और मीरा राजपूत समेत कई सेलेब्स ने गुरुवार को करवा चौथ का त्योहार मनाया।

आमिर खान और उनकी पत्नी गौरी स्प्रैट मुंबई में अनिल कपूर के घर आयोजित समारोह में शामिल हुए। शादी के बाद यह उनका पहला करवा चौथ था। आमिर ने इस मौके पर कुर्ता-धोती और साधारण चप्पल पहनी थी। वहीं, गौरी नीले रंग के बनारसी सूट में नजर आईं। दोनों ने साथ में पहुंचकर पैपराजी के सामने तस्वीरें भी खिंचवाईं। अनिल कपूर के मुंबई स्थित घर पर उनकी पत्नी सुनीता कपूर ने हर साल की तरह करवा चौथ का आयोजन किया। इस समारोह में शिल्पा शेट्टी, सोनम कपूर, मीरा राजपूत, रीदिमा कपूर साहनी, महीप कपूर, भावना पांडे, नीलम कोठारी, गीता बसरा, अंशुला कपूर, ताहिरा कश्यप, मिनी माथुर और फराह खान समेत कई हस्तियां पहुंचीं। प्रियंका चोपड़ा ने अमेरिका में पति निक जोनस और बेटी मालती मैरी के साथ करवा चौथ मनाया। उन्होंने सोशल मीडिया पर तस्वीरें शेयर कर बताया कि निक ने इस खास दिन घर पर रहने के लिए अपने टूर का शेड्यूल इस तरह बनाया कि वह उनके साथ त्योहार मना सकें।

विठाबाई के किरदार में छाईं एक्ट्रेस, डायलॉग्स और अजय-अतुल का म्यूजिक भी कमाल

श्रद्धा कपूर की फिल्म 'ईठा' का ट्रेलर रिलीज

> फिल्म 'ईठा' से कल रणदीप हुड्डा का फर्स्ट लुक भी जारी हुआ था। पोस्टर में रणदीप अपने किरदार अन्ना सावंत मर्चेंट के रूप में नजर आ रहे हैं।
>
> रणदीप हुड्डा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर यह पोस्टर शेयर किया। पोस्टर में वह बड़ी मूंछों और भारी-भरकम शरीर के साथ दिख रहे हैं।

नई दिल्ली। श्रद्धा कपूर की अपकमिंग फिल्म 'ईठा' का ट्रेलर आज दोपहर रिलीज हुआ। फिल्म में श्रद्धा मशहूर लावणी कलाकार विठाबाई नारायणगांवकर का किरदार निभा रही हैं। लक्ष्मण उतेकर के निर्देशन में बनी यह फिल्म 4 दिसंबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म में रणदीप हुड्डा, मोहम्मद जीशान अय्यूब और नाना पाटेकर भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म 'ईठा' का ट्रेलर महाराष्ट्र की लोककला तमाशा और लावणी की दुनिया दिखाता है। ट्रेलर में कला, संघर्ष और अपने सम्मान के लिए लड़ाई नजर आती है। श्रद्धा विठाबाई के किरदार में दमदार लग रही हैं। उनके डायलॉग भी असर छोड़ते हैं। एक जगह वह कहती हैं, "देखते हैं क्या टूटता है, मेरा भरोसा या मेरा घमंड। मेरा भरोसा ही मेरा घमंड था रे। जब वो टूट गया ना, सब टूट गया।"

मोहम्मद जीशान अय्यूब का अंदाज भी ध्यान खींचता है। उनके डायलॉग्स भी शानदार हैं। ट्रेलर में वह श्रद्धा कपूर के किरदार ईठा से कहते हैं, "तुझसे तो नाच के मुकाबले में तकदीर भी नहीं जीत सकती, ईठा। बिना नाचे जाएगी क्या? देख, आसमान का मंडप है, चांद की लाइट है, हवाओं के स्पीकर हैं। कोई हो न हो, तेरा रिवाज तो है। तू ही कहती थी न कि पड़े-पड़े मरी तो बेचारी कहलाऊंगी।"

इसके बाद ईठा कहती है, "पर नाचते हुए मरी तो मिसाल बन जाऊंगी।" ट्रेलर की जान इसका संगीत है। अजय-अतुल का म्यूजिक कहानी के माहौल को और मजबूत बनाता है। नववारी साड़ी को लेकर श्रद्धा का डायलॉग भी खास है, वो कहती हैं, "ये सिर्फ कपड़ा नहीं, अभिमान है। जिसे पहनने मिले, वो भाग्यवान है।"

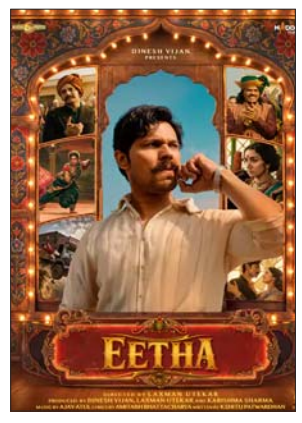

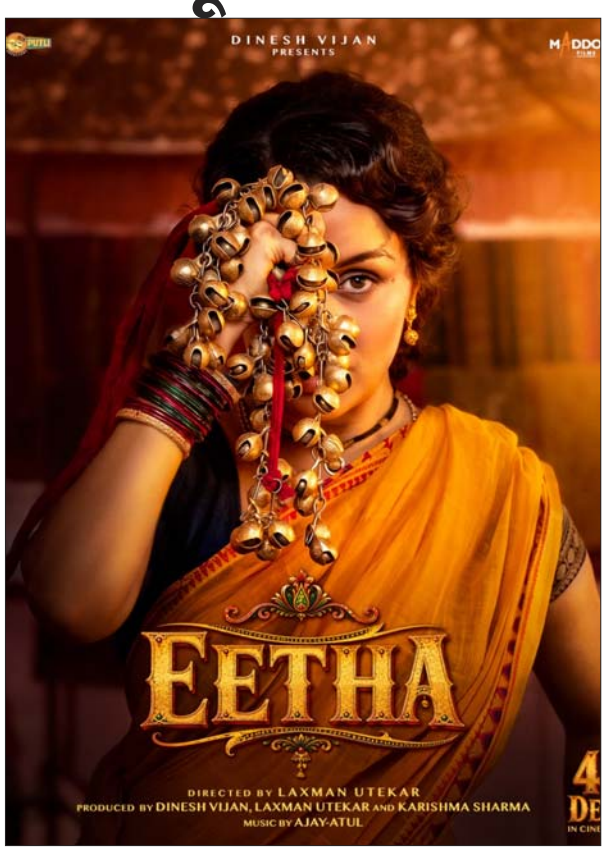

ईरान और यूक्रेन युद्ध से जुड़े गोपनीय दस्तावेज पत्रकारों को दिए, जांच के दौरान जुर्म कबूला

अमेरिका ने जानकारी लीक करने पर लेफ्टिनेंट जनरल को हटाया

कार्रवाई

वाशिंगटन डीसी, एजेंसी

अमेरिकी सेना के लेफ्टिनेंट जनरल ब्रेट सिल्विया को पद से हटाने की वजह सामने आई है। एक्सियोस की रिपोर्ट के मुताबिक, रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने उन्हें पत्रकारों को गोपनीय जानकारी लीक करने के आरोप में हटाया था। यह मामला रूस-यूक्रेन युद्ध और ईरान युद्ध से जुड़ा है।

सिल्विया ने जांच के दौरान पत्रकारों को गोपनीय जानकारी देने की बात स्वीकार की थी। सिल्विया को 28 अक्टूबर को पद से हटाया गया था। रिपोर्ट के मुताबिक, जून 2025 से करीब एक साल तक उन्होंने दो अलग-अलग मीडिया संस्थानों के पत्रकारों से संपर्क रखा और उन्हें गोपनीय जानकारी दी। दोनों मीडिया संस्थानों के नाम अभी सार्वजनिक नहीं किए गए हैं।

लीक हुई जानकारी का पूरा ब्योरा सामने नहीं आया है। अब तक जांच से जुड़ी रिपोर्टों 4 अहम बातें सामने आई हैं:

सिल्विया ने एक पत्रकार को गोपनीय सैन्य रिपोर्ट में दर्ज अमेरिका की ओर से यूक्रेन को दी जा रही मदद की जानकारी बताई थी। इसके लिए उन्होंने रिपोर्ट पढ़ते समय बनाए गए नोट्स का इस्तेमाल किया। उन्होंने पत्रकार को ये बातें लिखित दस्तावेज देने के बजाय आमने-सामने मुलाकात में बताई थीं। हालांकि, हथियारों के नाम, उनकी संख्या और सप्लाई से जुड़ी जानकारी सार्वजनिक नहीं हुई है।

जांच में एक पत्रकार के साथ सिग्नल ऐप पर हुई बातचीत भी सामने आई। सिल्विया को जून या जुलाई 2026 में पत्रकार का एक मैसेज मिला था। उन्होंने जांच अधिकारियों को बताया कि उन्हें लगा था कि यह मैसेज ईरान से जुड़ा है।

उन्होंने कहा कि उन्हें बातचीत का सही ब्योरा याद नहीं है और मैसेज हटाते समय गलती से पूरी चैट भी डिलीट हो गई थी। अमेरिकी अधिकारियों को शक है कि उन्होंने जानबूझकर बातचीत मिटाई थी।

ईरान युद्ध के दौरान हथियारों की कमी की खबरें भी आईं

सिल्विया का मामला ऐसे समय सामने आया है, जब ईरान युद्ध में अमेरिकी हथियारों के भंडार और सैन्य तैयारियों को लेकर भी कई जानकारियां मीडिया में आई थीं। वॉशिंगटन पोस्ट के मुताबिक, इन खबरों के बाद सेना के कई अधिकारियों की पॉलीग्राफ जांच कराई गई थी। रॉयटर्स ने 28 अक्टूबर को अमेरिकी सेना के आंतरिक आकलन के हवाले से बताया था कि ईरान युद्ध में इस्तेमाल किए गए हथियारों का भंडार दोबारा भरने में करीब 29 अरब डॉलर खर्च हो सकते हैं।

युद्ध पर अमेरिका का कुल खर्च 47 अरब डॉलर से ज्यादा बताया गया था। इसमें हथियारों की भरपाई, सैन्य अभियान और उपकरणों के नुकसान का खर्च शामिल है।

एक अमेरिकी अधिकारी के मुताबिक, सिल्विया चार बार पॉलीग्राफ यानी झूठ पकड़ने वाले टेस्ट में फेल हुए थे। इसके बाद उन्होंने वीडियो रिकॉर्डिंग में पत्रकारों को गोपनीय जानकारी देने की बात स्वीकार की।

पॉलीग्राफ टेस्ट में व्यक्ति के झूठ बोलने का पता लगाने के लिए उसकी सांस, दिल की धड़कन और ब्लड प्रेशर जैसे बदलावों को मापा जाता है।

जांच के दौरान उन्होंने अपना निजी फोन भी अधिकारियों को दिया, ताकि पत्रकारों के साथ हुई बातचीत की जांच की जा सके। हालांकि, पॉलीग्राफ टेस्ट को किसी के झूठ बोलने का निर्णायक प्रमाण नहीं माना जाता।

अमेरिकी सेना के लेफ्टिनेंट जनरल ब्रेट सिल्विया ने दिसंबर 2025 में पद संभाला था।

अमेरिका की नाक के नीचे चल रहा ईरान का 2 अरब डॉलर का सीक्रेट मिलिट्री नेटवर्क

तेहरान, एजेंसी

ईरान ने जनवरी 2025 से हार्डवेयर, विस्फोटक और भारी-भरकम ट्रकों के रूप में कम से कम 2 अरब डॉलर का सामान मंगाने के लिए 5,000 से अधिक सैन्य एजेंसियों का एक गुप्त नेटवर्क बनाया है। ये सभी एजेंसियां ऐसे नामों से काम कर रही हैं, जिनकी शुरुआत MOD से होती है।

न्यूज एजेंसी रॉयटर्स की एक जांच से पता चला है कि अमेरिकी नौसैनिक नाकेबंदी और पश्चिमी देशों के प्रतिबंधों के बावजूद यह सिलसिला जारी है। ये नतीजे इस बात पर रोशनी डालते हैं कि 28 फरवरी को अमेरिकी और इजरायली हमलों से शुरू हुए संघर्ष के दौरान हजारों मिसाइलों और ड्रोनों का इस्तेमाल करने के बावजूद ईरान किस तरह अपने मिसाइल और ड्रोन जखीरे को फिर से भरने में कामयाब रहा है। जांच में पता चला है कि यह जटिल तंत्र इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स और बोनयाद कहे जाने वाले उन व्यावसायिक समूहों से जुड़ा है, जिन्हें ईरान के प्रभावशाली वर्ग का नियंत्रण प्राप्त है। इसके वित्तीय सुराग 2016 के लैंडिंग बिलों और अन्य शिपिंग डेटा में देखे जा सकते हैं। हालांकि रॉयटर्स को ऐसा कोई सबूत नहीं मिला कि पश्चिमी सरकारों ने कभी भी इन सूचीबद्ध इकाइयों में से किसी पर भी प्रतिबंध लगाया हो। रॉयटर्स ने इजरायली-अमेरिकी रिस्क कंसल्टेंसी 240 एनालिटिक्स के साथ मिलकर पहली बार इस नेटवर्क की पहचान की है। बताया जाता है कि यह नेटवर्क तेहरान के लिए सैन्य साजो-सामान जुटाने और प्रतिबंधों से बचने के तंत्र में रीढ़ की हड्डी का काम करता है। ये एजेंसियां एक ही तरह के नामकरण पैटर्न का पालन करती थीं, जिसकी शुरुआत MOD (फारसी में VODJA) अक्षरों से होती थी और इसके बाद पांच या छह अंकों की एक संख्या लिखी जाती थी जिसे पूरे शब्दों में लिखा जाता था।

फास्ट न्यूज

भारत ने यूएन सुरक्षा परिषद में अस्थायी सीट के लिए ठोकी दावेदारी

वाशिंगटन। भारत ने 2028-29 के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में अस्थायी सीट पाने की भारत की दावेदारी के लिए समुद्री सुरक्षा और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) को मुख्य केंद्र बनाया है। सुरक्षा परिषद में एक उच्च-स्तरीय चर्चा के दौरान, संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत हरीश पर्वथानेनी ने जोर देकर कहा कि साझा समुद्री क्षेत्रों को विवाद का केंद्र बनाने की बजाय अधिक सुरक्षित बनाने पर ध्यान देना चाहिए।

घरों में इमरजेंसी राशन जमा कर रहे जापान

नई दिल्ली। दुनिया के कई विकसित देश अपने लोगों से घर पर जरूरी सामानों का स्टॉक रखने की सलाह दे रहे हैं। इन देशों में अमेरिका, ब्रिटेन, जापान, नॉर्वे, फिनलैंड, स्वीडन समेत कई अन्य शामिल हैं।

इन देशों की सरकार ने अपने नागरिकों को आपातकाल के लिए तैयार रहने को कहा है। साथ ही कहा कि अपने घरों में जरूरी चीज जैसे खाना, पानी, दवा और अन्य जरूरी आइटमों का स्टॉक बना कर रखें। किसी भी आपातकाल स्थिति में बाहर से संपर्क कटने पर सामान मंगाने की जरूरत ना पड़े।

रिलायंस के सितंबर तिमाही के नतीजे

मुंबई। देश की सबसे वैल्युएबल कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (RIL) आज, 30 अक्टूबर को अपने दूसरी तिमाही के नतीजे जारी करेगी। ऑयल रिफाइनिंग मार्जिन में तेजी, जियो के यूजर्स और ARPU में बढ़ोतरी के दम पर कंपनी का मुनाफा मजबूत रहने का अनुमान है। ब्लूमबर्ग कंसेंसस एस्टिमेट्स के मुताबिक, रिलायंस इंडस्ट्रीज सितंबर तिमाही में 21,368 करोड़ का कंसोलिडेटेड नेट प्रॉफिट दर्ज कर सकती है।

नेतन्याहू पिछले 8 चुनावों में इस बार सबसे कमजोर

उनकी पार्टी को सिर्फ 27 सीटें मिलीं

तेल अवीव, एजेंसी

इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की पार्टी लिकुड को 2026 के चुनाव में 27 सीटें मिली हैं। पिछले 8 चुनावों में यह उनकी पार्टी का सबसे कमजोर प्रदर्शन है। इससे पहले लिकुड को 2009 में 27 सीटें मिली थीं। इजराइल की संसद नेसेट में कुल 120 सीटें हैं। नेतन्याहू के गठबंधन को 53 सीटें मिली हैं। सरकार बनाने के लिए 61 सांसदों का समर्थन चाहिए। उनकी पार्टी बहुमत से 34 सीटें पीछे है, लेकिन सत्ता में उनकी वापसी के आसार हैं।

इसकी वजह विपक्षी दलों के बीच मतभेद और सरकार बनाने के लिए जरूरी समर्थन जुटाने की संभावनाएं हैं। नेतन्याहू विपक्षी खेमे में शामिल कुछ दलों या सांसदों को अपने साथ लाने की कोशिश कर सकते हैं। विपक्ष के पास कुल 48 सीटें हैं। अगर उसके कुछ सहयोगी नेतन्याहू का समर्थन करने को तैयार हो जाते हैं, तो उनके लिए 61 सीटों का आंकड़ा हासिल करना संभव हो सकता है। चुनौती- इस रास्ते में सबसे बड़ी चुनौती विपक्षी नेताओं का विरोध है। उन्होंने चुनाव में नेतन्याहू को सत्ता से हटाने का वादा किया था। ऐसे में उनके लिए नेतन्याहू के साथ जाना राजनीतिक रूप से मुश्किल होगा।

नेतन्याहू विपक्षी नेता गादी आइजनकोट और उनके सहयोगियों के साथ मिलकर राष्ट्रीय एकता सरकार बनाने की कोशिश कर सकते हैं।

रिपब्लिकन पार्टी पीछे, अब तक 4 करोड़ ने वोट डाला, ट्रम्प ने 30 राज्यों की वोटर लिस्ट मंगवाई

अमेरिका- मिडटर्म चुनाव की अर्ली वोटिंग

न्यूयॉर्क, एजेंसी

अमेरिका में 3 नवंबर को मिडटर्म चुनाव होने वाले हैं। इससे पहले ही अर्ली वोटिंग शुरू हो गई है। अब तक करीब 4 करोड़ लोग वोट डाल चुके हैं।

रॉयटर्स और इप्सॉस के सर्वे के मुताबिक, अर्ली वोटिंग में राष्ट्रपति ट्रम्प की रिपब्लिकन पार्टी पीछे चल रही है। विपक्षी डेमोक्रेट्स को 47% और रिपब्लिकन पार्टी को 36% वोटरों का समर्थन मिल रहा है।

इस बीच ट्रम्प ने अमेरिका के 30 राज्यों से वोटर लिस्ट की मांगी की है। माना जा रहा है कि ट्रम्प इस डेटा के जरिए विरोधी वोटरों की पहचान कर उन पर दबाव बनाने की कोशिश कर सकते हैं।

भारतवंशी पूर्व उप राष्ट्रपति कमला हैरिस ने भी चुनावी सभाएं बढ़ा दी हैं। 2024 के राष्ट्रपति चुनाव में वे ट्रम्प के खिलाफ डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवार थीं। मिडटर्म चुनाव में अगर रिपब्लिकन पार्टी हार जाती है तो भी ट्रम्प राष्ट्रपति बने रहेंगे। उनका कार्यकाल 2028 तक है। हालांकि, संसद में बहुमत नहीं रहने पर उनके लिए अपनी नीतियों को लागू करना मुश्किल हो जाएगा।

टैरिफ, वीजा और इमिग्रेशन जैसे मुद्दों पर फैसले लेने में भी उन्हें संसद के विरोध का सामना करना पड़ सकता है। ऐसे में कार्यकाल के बाकी दो साल वे कमजोर राष्ट्रपति बनकर रह सकते हैं। अमेरिकी राजनीति में ऐसी स्थिति को 'लेम डक' कहा जाता है। अगर ट्रम्प की पार्टी हारी तो डेमोक्रेट्स उसके खिलाफ और मुखर हो सकते हैं। विपक्षी नेता उनके खिलाफ महाभियोग लाने की बात पहले ही कह चुके हैं। अगर संसद में डेमोक्रेट्स को जरूरी संख्या में सीटें मिलती हैं तो ट्रम्प के लिए मुश्किलें बढ़ सकती हैं।

ट्रम्प वोटरों की निजी जानकारी मांग रहे

ट्रम्प सरकार ने 30 राज्यों से वोटरों की पूरी जानकारी मांगी है। इस मामले में ट्रम्प प्रशासन ने सुप्रीम कोर्ट में भी अपील की है। इस लिस्ट में वोटरों के पते, जन्मतिथि और सोशल सिक्योरिटी नंबर जैसी जानकारियां शामिल हैं। ट्रम्प सरकार का कहना है कि वह यह जानकारी इसलिए चाहता है ताकि पता लगाया जा सके कि कहीं गैर-अमेरिकी नागरिक तो वोट नहीं डाल रहे। हालांकि, अब तक फर्जी वोटिंग होने का कोई ठोस सबूत सामने नहीं आया है। जानकारों ने चिंता जताई है कि इस जानकारी का इस्तेमाल ट्रम्प के विरोध में वोट डालने वालों की पहचान के लिए हो सकता है। आशंका है कि सरकार इमिग्रेशन एजेंसी ICE और FBI के जरिए ऐसे लोगों पर दबाव बना सकती है।

डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा ने चुनाव प्रचार की कमान संभाली है। वे अब तक 50 से ज्यादा चुनावी सभाएं कर चुके हैं। कैलिफोर्निया और टेक्सास जैसे राज्यों में ओबामा काफी लोकप्रिय हैं।

अमेरिका के 10 सैन्य विमान इजराइल में उतरे

ट्रम्प की पश्चिम एशिया के टॉप कमांडर से मुलाकात, ईरान पर फिर हमले की तैयारी

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी

वाशिंगटन में प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ से बात करते हुए। यह तस्वीर 28 जुलाई 2026 की है।

अमेरिका ने पश्चिम एशिया में अपनी सैन्य मौजूदगी बढ़ा दी है। पिछले एक हफ्ते में उसके 10 से ज्यादा सैन्य मालवाहक विमान दक्षिणी इजराइल के एयरबेस पर उतरे हैं।

इसी बीच राष्ट्रपति ट्रम्प ने गुरुवार को व्हाइट हाउस में अमेरिकी सेना के पश्चिम एशिया कमांडर एडमिरल ब्रैड कूपर से मुलाकात की।

वॉल स्ट्रीट जर्नल के मुताबिक, कूपर ने ईरान पर संभावित सैन्य हमले के विकल्पों की जानकारी दी। बैठक में अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ और जॉइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के चेयरमैन डैन केन भी मौजूद थे।

इन विमानों में क्या सामान लाया गया, इसकी जानकारी सामने नहीं आई है। रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका संभावित युद्ध से पहले पश्चिम एशिया में अपनी हवाई सुरक्षा मजबूत कर रहा है। अमेरिका टेक्सास से पैट्रियट मिसाइल सिस्टम की एक बैटरी भी पश्चिम एशिया भेज रहा है। इसका इस्तेमाल दुश्मन के मिसाइल हमलों को रोकने के लिए किया जाता है।

ब्रिटिश अखबार द टेलीग्राफ के मुताबिक, ईरान ने इजराइल के चुनाव को प्रभावित करने की कोशिश की थी। साथ ही वह अगले हफ्ते होने वाले अमेरिकी मिडटर्म चुनाव में भी दखल देने की तैयारी कर रहा था।

अखबार ने ईरानी अधिकारियों के हवाले से बताया कि इसके लिए एजेंटों की भर्ती और अमेरिकी चुनाव सिस्टम को हैक करने वाले साइबर समूह बनाने की कोशिश की गई। एक अधिकारी ने कहा कि ईरान इसे अमेरिका और इजराइल के खिलाफ युद्ध का हिस्सा मानता है। उसका मकसद दोनों देशों के लोगों के बीच मतभेद बढ़ाना है।

अमेरिकी चुनाव के बाद ईरान पर हमले की तैयारी

अमेरिका और इजराइल 3 नवंबर को होने वाले अमेरिकी मिडटर्म चुनाव के बाद ईरान पर फिर हमले करने की योजना बना रहे हैं।

वॉल स्ट्रीट जर्नल के मुताबिक, दोनों देश छोटी लेकिन तेज सैन्य कार्रवाई पर विचार कर रहे हैं। इसमें ईरान के ऊर्जा ठिकानों, परमाणु केंद्रों और मिसाइलों व ड्रोन के भंडार को निशाना बनाया जा सकता है।

हालांकि, ट्रम्प अभी सैन्य कार्रवाई नहीं करने का फैसला भी ले सकते हैं।

विमान ट्रैकिंग डेटा पर नजर रखने वाले विशेषज्ञों के मुताबिक, अमेरिका के ज्यादातर सैन्य मालवाहक विमान टेक्सास के बिग्स आर्मी एयरफील्ड से रवाना हुए थे। ये इजराइल के नेवातिम और ओवदा एयरबेस पहुंचे। इसके अलावा अमेरिका के कई सैन्य विमान सऊदी अरब, कतर, कुवैत और जॉर्डन में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर भी पहुंचे हैं।

अमेरिका के कोलोराडो में पहाड़ पर हाइक के दौरान लापता हुए थे दो छात्र

वाशिंगटन, एजेंसी

हाइकिंग ट्रिप के दौरान जान गंवाने वाले कोलोराडो के दो कॉलेज छात्रों के शव गुरुवार को हेलीकॉप्टर की मदद से बरामद किए गए। पुलिस ने बताया कि तेज हवाओं के कारण शवों को नीचे लाने के प्रयासों में देरी हुई।

19 वर्षीय काडेन मात्सुदा और 20 वर्षीय जैक्सन डॉनलोन बुधवार को वेस्ट एपोस्टल माउंटेन के बर्फ से ढके एक हिस्से में मिले। शैफी काउंटी शेरिफ कार्यालय के अनुसार, अगले दिन दोपहर करीब 1 बजे ग्राउंड क्रू (जमीनी बचाव दल) ने उनके शवों को वहां से निकाला।

मात्सुदा और डॉनलोन पिछले शुक्रवार को कोलोराडो माउंटेन कॉलेज के लीडविले कैंपस से निकले थे। वे 'आइस माउंटेन' (4,254 मीटर ऊंची चोटी) की यात्रा पर जा रहे थे, लेकिन इसी दौरान वे लापता हो गए। शैफी काउंटी शेरिफ कार्यालय के मुताबिक, जब उन्होंने हाइकिंग शुरू की तब बारिश हो रही थी। शनिवार सुबह मौसम कुछ देर के लिए साफ हुआ, लेकिन दोपहर में एक भीषण तूफान आ गया, जिससे वहां 2 फुट (0.6 मीटर) तक बर्फ जमा हो गई।

उनके रविवार तक वापस आने की उम्मीद थी, लेकिन सोमवार सुबह कॉलेज के कर्मचारियों ने उनके लापता होने की सूचना दी। आखिरकार, एस्पेन से लगभग 100 मील (160 किलोमीटर) दक्षिण-पूर्व में, वेस्ट एपोस्टल माउंटेन के एक बेसिन में उनके शव मिले। शवों को मृत्यु की जांच करने वाले अधिकारी के कार्यालय ले जाया गया, जहां सोमवार को उनका पोस्टमार्टम होगा।

कॉलेज के कैंपस डीन, बेन केर्न्स ने एक बयान में कहा कि वे छात्र यहां सीखने, नई चीजें खोजने और अपना भविष्य बनाने आए थे।

जांच: 72 घंटे 3 देशों में चला ऑपरेशन | इटली के पासपोर्ट पर अमेरिका पहुंचे

ब्राजील - बोल्सोनारो को भागने में ट्रम्प ने मदद की

ब्रासीलिया/मियामी, एजेंसी

ब्राजील के राष्ट्रपति चुनाव में हारने वाले फ्लावियो बोल्सोनारो गिरफ्तारी के डर से परिवार के साथ अमेरिका पहुंच गए। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने इसमें उनकी मदद की। यह पूरा ऑपरेशन 3 देशों से होते हुए 72 घंटे में हुआ। फ्लावियो पत्नी और दो बेटियों के साथ ब्राजील से पहले अर्जेंटीना पहुंचे। वहां से इक्वाडोर होते हुए 28 अक्टूबर को अमेरिका के मियामी पहुंच गए। इसके लिए बोल्सोनारो ने इटली के पासपोर्ट का इस्तेमाल किया।

न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक, फ्लावियो के लिए प्राइवेट जेट की व्यवस्था भी कराई गई थी। अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि फ्लावियो आगे चलकर अमेरिका में स्थायी रूप से रहने के लिए ग्रीन कार्ड के लिए आवेदन कर सकते हैं। उनके छोटे भाई एडुआर्डो को भी जुलाई में ग्रीन कार्ड दिया गया था।

फ्लावियो बोल्सोनारो 28 अक्टूबर को अमेरिका के मियामी में प्राइवेट जेट से उतरते हुए।

अर्जेंटीना के इमिग्रेशन विभाग के मुताबिक, फ्लावियो 27 अक्टूबर की रात 10:50 बजे पत्नी और बेटियों के साथ सड़क के रास्ते अर्जेंटीना पहुंचे। वे दक्षिणी ब्राजील के फोज दो इगुआसू शहर से अर्जेंटीना के पुएर्तो इगुआसू शहर को जोड़ने वाले 'फ्रेंटरनिटी ब्रिज' से गुजरे।

फ्लावियो के खिलाफ भ्रष्टाचार के मामलों में जांच

फ्लावियो के खिलाफ भ्रष्टाचार, मनी लॉन्ड्रिंग और टैक्स चोरी समेत कई मामलों में जांच चल रही है। इनमें उनके पिता की जिंदगी पर फिल्म बनाने के लिए पैसे जुटाने से जुड़ा मामला भी शामिल है।

फ्लावियो ने माना था कि उन्होंने पूर्व बैंकर डेनियल वोरकारो से फिल्म के लिए करीब 1.2 करोड़ डॉलर जुटाने की कोशिश की थी। हालांकि, उन्होंने किसी भी गलत काम से इनकार किया है। उन पर एक ऐसे वकील से संबंध होने की जांच चल रही है, जिस पर ऑनलाइन सट्टेबाजी के जरिए 1 अरब डॉलर से ज्यादा की मनी लॉन्ड्रिंग का आरोप है। इसके तहत पुलिस ने उन्हें 24 घंटे के अंदर अपना पासपोर्ट जमा करने का आदेश दिया था।

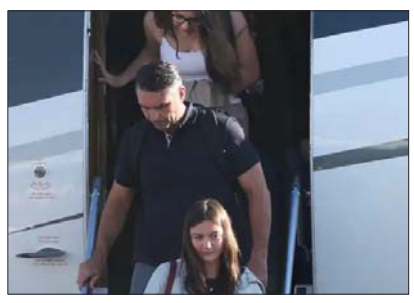

ट्रम्प ने अमेरिका में आने की मंजूरी दी, जेट की व्यवस्था भी कराई

अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक, ट्रम्प ने फ्लावियो और उनके परिवार को अमेरिका में प्रवेश की मंजूरी दी थी। विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने 27 अक्टूबर को परिवार को वीजा देने की बात कही थी। ट्रम्प प्रशासन ने उन्हें अमेरिका में एक साल तक रहने की इजाजत देने वाला 'ह्यूमैनिटेरियन पैरोल' भी दिया। यह एक खास अनुमति होती है, जो मानवीय कारणों या किसी बड़े सार्वजनिक हित के लिए दी जाती है। इसके तहत कोई व्यक्ति कुछ समय तक अमेरिका में रह सकता है लेकिन उसे स्थायी नागरिकता नहीं मिलती।

चांदी आज 6,678 सस्ती, इस महीने में 37 हजार गिरी

गोल्ड 1,364 घटकर 1.41 लाख पर आया

नई दिल्ली, एजेंसी

फेस्टिव सीजन में सोना-चांदी खरीदने वालों के लिए अच्छी खबर है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के मुताबिक, एक किलो चांदी 6,678 रुपए घटकर 1.84 लाख रुपए पर आ गई है, जो गुरुवार को 1.90 लाख रुपए पर थी। वहीं, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 1,364 रुपए गिरकर 1.41 लाख रुपए आ गया है।

चांदी इस महीने 37,029 रुपए और सोना 7,247 रुपए गिरा है। इससे पहले 1 अक्टूबर 2026 को एक किलो चांदी के दाम 2.20 लाख रुपए और 10 ग्राम सोना 1.48 लाख रुपए पर थे। सोना-चांदी के दाम में गिरावट अंतरराष्ट्रीय बाजार में डॉलर मजबूत होने और बड़े निवेशकों के ऊंचे दामों पर बिकवाली करने से हो रही है। इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। चांदी की कीमत 31 दिसंबर 2025 को 2.30 लाख रुपए थी, जो 29 जनवरी को 3.86 लाख रुपए के ऑल टाइम हाई पर पहुंच गई थी। तब से अब तक चांदी 1.96 लाख रुपए सस्ती हो गई है।

वहीं, 31 दिसंबर 2025 को सोने के दाम 1.33 लाख रुपए थे, जो 29 जनवरी को बढ़कर 1.76 लाख रुपए के सबसे ऊपरी स्तर पर पहुंच गए थे। तब से अब तक सोना 35 हजार रुपए सस्ता हो चुका है।

तमसा संकेत
tamsa.news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्यादेवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ- 226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित कराकर तमसा संकेत भवन शहजादपुर, अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर (उत्तर प्रदेश) (पिन कोड-224122) से प्रकाशित

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. 64107/96